नजफगढ़ की तरफ से आप सभी को नए साल की शुभकामनाएं

हर खबर पर हमारी पकड़

नजफगढ़ मैट्रो

नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

वर्ष : 12, अंक : 55 , पृष्ठ : 12 | नई दिल्ली 01 जनवरी से 15 जनवरी 2023 | RNI NO. DELHIN/ 2009 28409 | मूल्य :- ₹5/

ख़ास ख़बर

हीराबेन के लिए गुजरात में प्रार्थना सभा का आयोजन

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां हीराबेन की याद में रविवार को गुजरात में प्रधानमंत्री की जन्मस्थली वडनगर में एक प्रार्थना सभा का आयोजन किया जाएगा। उनके परिवार के सदस्यों ने यह जानकारी दी। हीराबेन का शुक्रवार तड़के अहमदाबाद में 99 साल की उम्र में निधन हो गया था।शनिवार को एक गुजराती अखबार में उनके परिवार के सदस्यों द्वारा जारी एक विज्ञापन के अनुसार हीराबेन दामोदरदास मोदी के लिए प्रार्थना सभा एक जनवरी को सुबह नौ बजे से दोपहर के बीच मेहसाणा जिले के वडनगर में आयोजित की जाएगी।

देश के समावेशी विकास के लिए अपने आप को पुनः समर्पित करने का संकल्प लें : राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को नववर्ष की पूर्व संध्या पर नागरिकों को शुभकामनाएं दीं और उनसे देश की एकता, अखंडता और समावेशी विकास के लिए अपने आप को पुनः समर्पित करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी संदेश में मुर्मू ने कहा, नई ऊर्जा से ओत-प्रोत नववर्ष की सुबह हमारे जीवन में नई खुशियां, लक्ष्य, प्रेरणा और बड़ी उपलब्धियां लेकर आए। इस अवसर पर देश की एकता, अखंडता और समावेशी विकास के लिए अपने आप को पुनः समर्पित करने का संकल्प लें। उन्होंने कहा, नववर्ष के अवसर पर मैं, सभी नागरिकों और विदेश में रह रहे सभी भारतीयों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देती हूं। राष्ट्रपति ने कहा, मैं साल 2023 में हमारे गौरवशाली राष्ट्र और लोगों की प्रगति तथा समृद्धि की कामना करती हूं।

युवा इरादों, युवा संकल्पों का नया साल

सभी ने अपने-अपने तरीके से पुराने साल को विदा और नए साल का स्वागत किया। धार्मिक स्थलों, ऐतिहासिक स्थलों और टूरिस्ट स्पॉट पर लोगों की काफी भीड़ रही। नए साल के स्वागत का उत्साह इतना था कि लोगों में कोरोना का खौफ तक नहीं दिखा।

कर्नाटक में सीधा मुक़ाबला होगा

भाजपा कर्नाटक में अकेले चुनाव लड़ेगी : अमित शाह

एजेंसी/बेंगलुरु

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं से कर्नाटक में दो तिहाई बहुमत से सरकार के गठन को सुनिश्चित करने का आग्रह करते हुए शनिवार को कहा कि पार्टी 2023 के विधानसभा चुनाव में अकेले उतरेगी। उन्होंने कहा कि यह सीधा मुकाबला होगा क्योंकि जनता दल (सेक्युलर) को वोट देना कांग्रेस को वोट देने जैसा होगा। उन्होंने भाजपा का संदर्भ देते हुए लोगों से यह भी तय करने का आग्रह किया कि वे देशभक्तों की पार्टी के साथ खड़े हैं या कांग्रेस के नेतृत्व में टुकड़े टुकड़े गिरोह के साथ।

शाह ने कहा, स्पष्ट रूप से दो पक्ष हैं और इस बार सीधी लड़ाई है। पत्रकार कहते हैं कि त्रिकोणीय लड़ाई है। मैं कहता हूं नहीं, यह सीधी लड़ाई है, क्योंकि जद (एस) को वोट देने का मतलब कांग्रेस को वोट देना है। तो, क्या यह सीधी लड़ाई है या नहीं?

यहां पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, मैं कार्यकर्ताओं और कर्नाटक के लोगों से कहने आया हूं कि हम किसी भी पार्टी के साथ गठजोड़ नहीं करेंगे।

दो साल बाद जश्न मनाने कर्तव्य पथ पर उमड़े लोग

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी के दो साल के अंतराल के बाद नववर्ष की पूर्व संध्या का जश्न मनाने के लिए बड़ी संख्या में लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ कर्तव्य पथ पर उमड़े।फिर से पिकनिक स्पॉट बने कर्तव्य पथ पर पहुंचने वाले लोगों में कुछ बच्चे भी शामिल रहे जो स्कूल की तरफ से पिकनिक मनाने आए। लाजपत नगर से अपने परिवार के साथ आई रजनी भल्ला ने कहा कि उनके लिए नव वर्ष के मौके पर कर्तव्य पथ आना एक वार्षिक रस्म सी बन गई थी लेकिन कोरोना वायरस के कारण यह सिलसिला रुक गया था।भल्ला ने कहा, मैं उत्साहित महसूस कर रही हूं। कर्तव्य पथ के उद्घाटन के बाद मैं पहली बार यहां आई हूं। यह काफी आकर्षक लगता है और मौसम भी खुशनुमा है। हम भीड़भाड़ वाले मॉल और बाजार में जाने के बजाय अपने परिवार के साथ कुछ अच्छा वक्त बिताने के लिए यहां आना पसंद करते हैं। अपने माता-पिता और दोस्तों के साथ कर्तव्य पथ पर आए हैं।

विपक्ष के लिए वैकल्पिक दृष्टिकोण देना बड़ी चुनौती: राहुल गांधी

भाजपा के खिलाफ बड़ा माहौल

सरकार की नीतियों के चलते चीन एवं पाकिस्तान एक हो गए हैं, जो खतरनाक बात है।

अगर विपक्ष का दृष्टिकोण प्रभावी हुआ, तो भाजपा के लिए चुनाव जीतना बहुत मुश्किल हो जाएगा।

एजेंसी/ नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को देश में भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ बड़े पैमाने पर अंडरकरंट (माहौल) होने का दावा किया और कहा कि अगर विपक्ष ने प्रभावी ढंग से वैकल्पिक दृष्टिकोण सामने रख दिया तो अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए जीत बहुत ही मुश्किल हो जाएगी। उन्होंने संवाददाताओं से यह भी कहा कि विपक्षी दलों को एक दूसरे का सम्मान करना होगा। राहुल गांधी ने सरकार पर चीन के मामले को संभालने में पूरी तरह विफल रहने और असमंजस की स्थिति में होने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस सरकार की नीतियों के चलते चीन एवं पाकिस्तान एक हो गए हैं, जो खतरनाक बात है।उन्होंने यह दावा भी किया कि डोकलाम एवं तवांग में जो हुआ है, वो किसी बड़ी तैयारी का हिस्सा है। राहुल गांधी ने विपक्षी एकजुटता से जुड़े सवाल के जवाब में कहा, अगर विपक्ष एक दृष्टिकोण के साथ प्रभावी ढंग से खड़ा होगा, तो भाजपा के लिए चुनाव जीतना बहुत मुश्किल हो जाएगा। परंतु विपक्ष को प्रभावी ढंग से समन्वय बनाना पड़ेगा और विपक्ष को वैकल्पिक दृष्टिकोण के साथ लोगों के साथ जाना होगा। उन्होंने दावा किया, भाजपा के खिलाफ बड़े पैमाने पर अंडरकरंट है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य देश को वैकल्पिक दृष्टिकोण देने का है। भारत जोड़ो यात्रा से विपक्ष के प्रमुख नेताओं के दूर रहने के सवाल पर राहुल गांधी ने कहा, मैं जानता हूं कि विपक्ष के नेता हमारे साथ खड़े हैं...आज के हिंदुस्तान में राजनीतिक मजबूरी और दूसरी मजबूरियां होती हैं। मैं टिप्पणी नहीं करूंगा कि कौन आ रहा है, कौन नहीं आ रहा है। भारत जोड़ो यात्रा के दरवाजे खुले हुए हैं, उसे हम किसी के लिए बंद नहीं करना चाहते। उनका कहना था, अखिलेश जी, मायावती और बहुत सारे लोग हैं, जो मोहब्बत का हिंदुस्तान चाहते हैं। उनके साथ रिश्ता तो है। उनके साथ वैचारिक, भारत जोड़ने और नफरत को मिटाने का रिश्ता है। अखिलेश यादव के कांग्रेस, भाजपा के एक होने संबंधी बयान पर उन्होंने कहा, यह पूरे देश को पता है कि भाजपा और कांग्रेस एक हो नहीं सकते। अगर भाजपा और कांग्रेस एक होते तो नरेंद्र मोदी कांग्रेस मुक्त भारत की बात कभी नहीं करते...अखिलेश जी की भी जगह है। उनको बोलने का विकल्प मिलना चाहिए। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के मुताबिक, अब यह तरकीब वाली राजनीतिक लड़ाई नहीं रही।

अखिलेश यादव, मायावती भी मोहब्बत का हिंदुस्तान चाहते हैं : राहुल

कश्मीर पहले से ही खास, किसी विशेष कानूनी दर्जे की जरूरत नहीं

एजेंसी/ श्रीनगर

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने शनिवार को यहां कहा कि कश्मीर में इतनी खास चीजें और विशेषताएं हैं कि उसे कानून के तहत किसी विशेष दर्जे की जरूरत नहीं है। खान यहां शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर (एसकेआईसीसी) में आयोजित सूफी सम्मेलन में मुख्य अतिथि थे। खान ने संवाददाताओं से कहा, एक प्राकृतिक नियम है, जो कहता है कि यदि आपका चरित्र अच्छा है, आप लोगों की सेवा करते हैं, तो आपको एक विशेष दर्जा मिलता है, जिसे कोई भी कानून आपसे नहीं छीन सकता। यही धर्म, सूफीवाद हमें सिखाता है, और यही चीज मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र की घोषणा कहती है। किसी के लिए इस आधार पर कोई विशेष प्रावधान नहीं है कि वह कहां पैदा हुआ या किस धर्म में पैदा हुआ। खान ने कहा, कश्मीर में बहुत सारी खास चीजें हैं और कश्मीर को कानून के तहत किसी विशेष प्रावधान की जरूरत नहीं है।

कश्मीर में अपने आप में एक शक्ति है, उसमें इतनी विद्या है, ऐसे शिल्प हैं, ऐसे शिल्पकार हैं, और इतनी विशेषताएं हैं कि आपका पहले से ही एक विशेष स्थान है। इससे पहले अपने संबोधन में खान ने कहा कि यह गलतफहमी है कि कोई कानून या संवैधानिक प्रावधान लोगों को खास बनाता है। उन्होंने कहा, एक कानून के कारण कोई भी व्यक्ति विशेष नहीं बन सकता है, इसलिए इसे अपने दिमाग से निकाल दें। कानून किसी को विशेष दर्जा नहीं देता है। विशेष हैसियत केवल उन्हीं की होती है, जिनके पास एक विशेष चरित्र और विशेष नैतिकता होती है। उन्होंने कहा, लेकिन मैं आपसे कहना चाहता हूं कि आपका ऐसा सौभाग्य है

नववर्ष पर निरोगी एवं प्रगतिशील राजस्थान बनाने का संकल्प लें : गहलोत

एजेंसी/जयपुर

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को लोगों को नए साल की बधाई देते हुए उनसे नववर्ष पर निरोगी एवं प्रगतिशील राजस्थान बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया है। गहलोत ने प्रदेशवासियों को नववर्ष की बधाई देते हुए राज्य के चहुंमुखी विकास और निरोगी राजस्थान की संकल्पना के साथ प्रदेशवासियों की खुशहाली एवं समृद्धि के लिए कामना की। गहलोत ने कहा कि प्रदेशवासी नए साल में नवीन ऊर्जा एवं संकल्पों के साथ अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने का संकल्प लें तथा देश-प्रदेश और समाज की उन्नति में भागीदार बनें।

मुख्यमंत्री ने एक बयान में कहा कि वर्ष 2022 में पानी, बिजली एवं शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा तक सभी क्षेत्रों में राष्ट्रीय मानकों पर राजस्थान मॉडल स्टेट बनकर उभरा है। उन्होंने कहा, हमारा संकल्प है कि नववर्ष में प्रदेश और तेज गति से विकास के पथ पर अग्रसर हो तथा विकास के नए आयाम स्थापित करे। वहीं, मुख्यमंत्री गहलोत ने राज्य के छह चिकित्सा महाविद्यालयों में सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं के लिए 24 करोड़ 87 लाख 22 हजार रुपए के अतिरिक्त बजट प्रावधान को स्वीकृति दी है।

गुजरात के नवसारी में बस और एसयूवी की टक्कर में नौ लोगों की मौत, 29 घायल

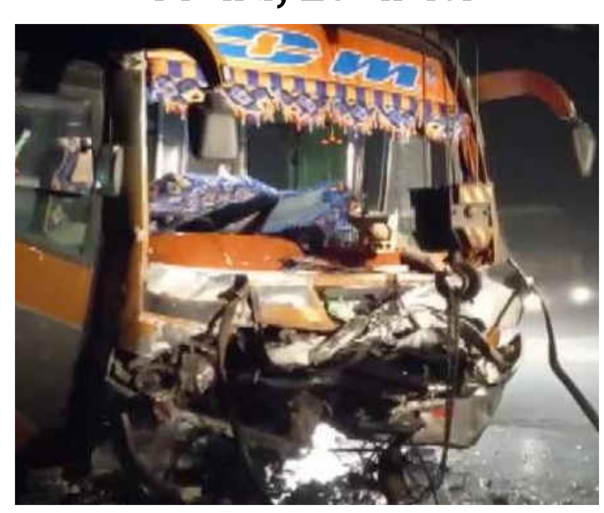

एजेंसी/नवसारी

गुजरात के नवसारी जिले में शनिवार तड़के राष्ट्रीय राजमार्ग पर डिवाइडर को तोड़ते हुए एक एसयूवी कार सामने से आ रही लग्जरी बस से टकरा गई। इस हादसे में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि 29 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। नवसारी के पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश उपाध्याय ने बताया कि यह दुर्घटना जिले के वेस्मा गांव में तड़के 3.20 बजे हुई। हादसे के वक्त बस वलसाड जा रही थी, जबकि एसयूवी सामने से आ रही थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हादसे पर शोक जताते हुए मरने वाले लोगों के निकटतम परिजन को दो लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए का अनुदान देने की घोषणा की है।

उपाध्याय ने बताया, मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर एसयूवी के चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। इसके बाद एसयूवी डिवाइडर को तोड़ते हुए दूसरी तरफ चली गई और लग्जरी बस से उसकी टक्कर हो गई।

उपाध्याय के मुताबिक, हादसे में एसयूवी में सवार नौ लोगों में से आठ की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई बस यात्रियों को गंभीर चोट आई है। उन्होंने बताया कि हादसे में बस में सवार एक यात्री की मौत हो गई।

राहुल गांधी पीएम पद के उम्मीदवार हों कोई दिक्कत नहीं : नीतीश कुमार

एजेंसी/पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को स्पष्ट किया कि राज्य में उनकी सहयोगी कांग्रेस द्वारा अगले आम चुनाव में राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने पर जोर देने से उन्हें कोई समस्या नहीं है। मुख्यमंत्री यहां आयोजित एक समारोह से इतर संवाददाताओं से बात कर रहे थे, जहां उन्होंने राज्य शिक्षा विभाग में भर्ती सैकड़ों अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए। जनता दल (यूनाइटेड) के नेता ने यह भी दोहराया कि वह प्रधानमंत्री पद के लिए दावेदार नहीं हैं। हालांकि, उन्होंने इस मुद्दे पर समान विचारधारा वाले दलों के बीच आम सहमति बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। नीतीश ने करीब पांच महीने पहले भाजपा से गठबंधन तोड़ लिया था। कुमार की यह प्रतिक्रिया कांग्रेस नेता कमलनाथ के हालिया बयान से जुड़े सवाल पर आई। इस पर मुख्यमंत्री कुमार ने कहा, मुझे कोई समस्या नहीं है।

राकांपा ने मोदी सरकार से 2023 के लिए नया जुमला पूछा

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने नववर्ष की पूर्व संध्या पर शनिवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार 2022 में किए गए वादे पूरे करने में नाकाम रही। राकांपा के प्रवक्ता महेश तापसे ने एक बयान जारी कर सवाल किया कि क्या केंद्र सरकार के पास विकास और कर्ज के भुगतान की कोई रूपरेखा है।क्या देश को 2023 में नए जुमले की उम्मीद करनी चाहिए। उन्होंने कहा, अब 2022 के केवल कुछ ही घंटे बचे हैं तो यह वक्त है कि देश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार द्वारा किए वादों पर एक नजर डाले।

राकांपा के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा

भारत में अच्छी बारिश हुई तो 2023 एक बेहतरीन साल होगा

एजेंसी/ बारामती

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को कहा कि अगर 2023 में मानसून अच्छा रहा तो यह देश के लिए बेहतरीन साल होगा क्योंकि इससे कृषि क्षेत्र को फलने-फूलने और अर्थव्यवस्था के आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि निर्यात के मामले में भारत एक महत्वपूर्ण देश बन सकता है।

पवार नए साल की पूर्व संध्या पर पुणे जिले में अपने गृहनगर में मीडियाकर्मियों से बात कर रहे थे।

उन्होंने कहा, देश के 50 से 60 प्रतिशत लोग कृषि पर निर्भर हैं। यदि देश में अनुकूल वर्षा होती है, तो यह हम सभी के लिए एक अच्छा वर्ष होगा। कृषि के फलने-फूलने से लोगों की क्रय शक्ति बढ़ेगी। मैं प्रार्थना करता हूं कि आने वाला साल देश के किसानों के लिए खुशियों भरा रहे।

पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि जब किसान खुश होंगे, तो अन्य व्यवसाय भी बेहतरीन दिन देखेंगे।

ख़ास ख़बर

दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने की चीनी उत्पादों के बायकॉट की अपील

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जनता से चीनी उत्पादों का बहिष्कार करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हम चीनी उत्पाद नहीं बल्कि स्वदेशी उत्पाद खरीदेंगे भले ही उसकी कीमत चीनी उत्पाद की तुलना में दोगुनी क्यों ना हो।

इससे पहले अरुणाचल प्रदेश के तवांग में चीनी सैनिकों से भारतीय सैनिकों की झड़प की खबरों के बीच आप के संयोजक केजरीवाल ने इसकी निंदा की थी। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि हमारी सेना के जवान देश की शान हैं। मैं उनके शौर्य को सलाम करता हूं। साथ ही भगवान से उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने किया माँ फाउंडेशन का उद्घाटन

नई दिल्ली। दिल्ली मयूर विहार स्तिथ होटल हॉलिडे इन में माँ फ़ाउंडेशन का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने किया। जिसमें फ़ाउंडेशन की अध्यक्षा श्रीमती रिचा वशिष्ठ जो कि प्रसिद्ध समाजसेवी एवं रेलवे सलाहकार समिति की सदस्य भी हैं,। उन्होंने बताया कि माँ फ़ाउंडेशन उन माताओं के लिए बना है जिन माताओं ने अपने बच्चों को पाल पोस कर बड़ा किया और वृद्धावस्था में बच्चे अपने माँ बाप की सेवा करने में असमर्थ हो जाते हैं इसलिए फ़ाउंडेशन उन माताओं और बहनों के लिए काम करेगा जिनके पास रहने को घर नहीं है और उनके पालन पोषण का विशेष तौर पर ध्यान दिया जाए। माँ फाउंडेशन इस मुहिम को एक अभियान के रुप मे चलाएगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर केंद्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता एवं राज्यमंत्री भारत सरकार श्री रामदास अठावले केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री भारत सरकार श्री सुभाष सरकार, अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष श्री राम नरेश पासवान, हरियाणा बाल विकास परिषद की महासचिव श्रीमती रंजीता मेहता, भाजपा नेता विनय चौधरी, माँ फाउंडेशन के मीडिया सलाहकार पुनीत गोस्वामी, सत्यम सुदर्शन महाराज जी, कार्यक्रम में सहयोगी जितेन्द्र चावला, माँ फाउंडेशन के सलाहकार विवेक अग्रवाल, समाजसेवी गौरव गुप्ता, प्रसिद्ध पत्रकार प्रशांत शर्मा, श्रीमती कीर्ति एवं और और भी गणमान्य लोग उपस्तिथ रहे।

दिल्ली में बदमाशों का दु:साहस, पुलिस की गिरफ्त से साथी को छुड़ाया

➲ गश्त के दौरान हवलदार ने पकड़ा था, हाथापाई कर छुड़ाया

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बदमाशों के हौंसलें बुलंद बने हुए है। अब बदमाशों का दु-साहस इतना बढ़ गया है कि वो पुलिस से अपने साथियों को छुड़ाने के लिए पुलिस पर हमला तक कर रहे हैं। राजधानी दिल्ली के शाहबाद डेयरी इलाके में शुक्रवार को बदमाश पुलिस की गिरफ्त से अपने एक साथी को छुड़ाकर फरार हो गए। गश्त के दौरान पुलिस ने संदिग्ध हालत में घूम रहे बदमाश को पकड़ा था और उसका सत्यापन कर रहे थे।

पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार बदमाशों की तलाश में जुट गई है। शाहबाद डेयरी थाने में तैनात हवलदार तरुण शुक्रवार शाम इलाके में गश्त कर रहे थे। इस दौरान वह उन बदमाशों की जांच पड़ताल कर रहे थे, जिनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस दौरान हवलदार को एक पंकज नाम का बदमाश इलाके में संदिग्ध हालत में घूमता हुआ नजर आया। पुलिसकर्मी ने उस बदमाश को हिरासत में ले लिया। अचानक पंकज के कुछ साथी वहां पहुंच गए और हवलदार से हाथापाई करने लगे। मौके का फायदा उठाकर पकड़ा गया बदमाश फरार हो गया।

भारतीय किसान संघ का दिल्ली कूच कल

➲ रामलीला मैदान में जुटेंगे 55 हजार किसान, रहेगा रूट डायवर्जन

नई दिल्ली। भारतीय किसान संघ की ओर से सोमवार को रामलीला मैदान में किसान गर्जना रैली आयोजित की जा रही है। इस रैली में 50 से 55 हजार किसान व अन्य लोगों के आने की संभावना है। किसान करीब 700 से 800 बस व 4000 प्राइवेट वाहनों में आएंगे। इस कारण रामलीला मैदान व आसपास के इलाकों में सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक ट्रैफिक बड़े पैमाने पर प्रभावित होने की संभावना है। ऐसे में दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने दिल्ली वालों को रामलीला मैदान की तरफ आने से बचने की सलाह दी है।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की सेंट्रल रेंज के उपायुक्त चंद्र कुमार के अनुसार गर्जना रैली के चलते महाराजा रणजीत सिंह मार्ग, मिंटो रोड गोलचक्कर, अजमेरी गेट, चमनलाल मार्ग, दिल्ली गेट, जेएलएन मार्ग, कमला मार्केट गोलचक्कर हमदर्द चौक तक, भावभूति मार्ग और पहाडग़ंज चौक आदि पाइंट से ट्रैफिक परिवर्तित किया जाएगा।

इन मार्गो पर आवाजाही बंद की जा सकती है-

उपायुक्त चंद्र कुमार ने बताया कि किसानों के ज्यादा संख्या में आने पर सोमवार सुबह नौ बजे से इन मार्गों पर ट्रैफिक परिवर्तित किया जा सकता है या फिर ट्रैफिक की आवाजाही बंद की जा सकती है। ये मार्ग हैं- बाराखंभा रोड से गुरूनानक चौक तक रणजीत सिंह फ्लाईओवर, कमला मार्केट गोलचक्कर से विवेकानंद मार्ग तक मिंटो रोड गोलचक्कर, दिल्ली गेट से गुरूनानक चौक तक जेएलएन मार्ग, गुरूनानक चौक से कमला मार्केट गोलचक्कर तक, चमन लाल मार्ग, आसफ अली रोड की तरफ अजमेरी गेट और झंडेवालान, देशबंधु गुप्ता रोड से अजमेरी गेट तक पहाडग़ंज चौक। ट्रैफिक को देखते हुए हालत के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।

दिल्लीवासी इन बातों का ध्यान रखे-

पुलिस उपायुक्त ने लोगों से आग्रह किया है कि वह इन मार्गो पर आने से बचे। जो लोग नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन व आईएसबीटी पर्याप्त समय लेकर घर से निकलें। पुलिस ने लोगों से सार्वजनिक परिवहन सेवा का इस्तेमाल करने की सलाह दी है। पार्किंग में ही अपने वाहनों को पार्क करें। अगर किसी को कोई संदिग्ध वस्तु दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचना दे।

2 करोड़ रुपए तक की टैक्स चोरी पर अब आपराधिक मामला नहीं

नई दिल्ली। गुड्स एंड सर्विस टैक्स (ळैज) काउंसिल की बैठक में किसी भी सामान पर टैक्स नहीं बढ़ाया गया है। इसके साथ ही जीएसटी काउंसिल ने कारोबार को सुगम बनाने के लिए आपराधिक कार्रवाई करने में ढील दी है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में शनिवार को काउंसिल की 48वीं बैठक ऑनलाइन हुई।

टैक्स चोरी मामले में दी राहत

निर्मला सीतारमण ने बताया, समय की कमी के कारण जीएसटी परिषद के एजेंडे में शामिल 15 मुद्दों में से 8 पर ही फैसला हो सका। पहले 1 करोड़ रुपए से अधिक के टैक्स चोरी मामले में आपराधिक मामले दर्ज करने की व्यवस्था थी। अब इसे 2 करोड़ रुपए कर दिया गया है।

फर्जी इनवॉइस के मामलों में यह आपराधिक कार्रवाई 1 करोड़ रुपए के बाद ही शुरू हो जाएगी। फर्जी इनवॉइस में ऐसे मामले होंगे, जिनमें माल की आपूर्ति सिर्फ कागजों तक ही सीमित रही। पान मसाला और गुटखा कारोबार में टैक्स चोरी रोकने की व्यवस्था के मामले पर चर्चा नहीं हो सकी। ऑनलाइन गेमिंग और कैसिनो पर जीएसटी लगाने पर चर्चा नहीं हो सकी।

इनमें आपराधिक केस नहीं बनेगा

- किसी अधिकारी के दायित्व के निर्वहन में बाधा डालना या उसे ड्यूटी करने से रोकना।
- भौतिक साक्ष्यों के साथ जान बूझकर छेड़छाड़ करना।
- सूचना देने में विफल रहना।

एसयूवी और किराएदारों के मामले में स्पष्टीकरण जीएसटी काउंसिल की मीटिंग में एसयूवी गाड़ियों की परिभाषा तय की गई है। इसके अनुसार 1500 सीसी से अधिक क्षमता वाली गाड़ियों, 4000 एमएम से ज्यादा की लंबाई और 170 एमएम से अधिक के ग्राउंड क्लीयरेंस की गाड़ियों को एसयूवी कहा जाता है। मीटिंग में बताया गया है कि एसयूवी पर 28ः प्रतिशत जीएसटी और 22ः प्रतिशत सेस लगेगा। ऐसे में इस पर इफेक्टिव टैक्स रेट 50 प्रतिशत हो जाएगा। परिषद ने सभी राज्यों में एक जैसी व्यवस्था के लिए कुछ स्पष्टीकरण भी जारी किए। **मसलन 22ः प्रतिशत सेस उन्हीं वाहनों पर लागू माना जाएगा जो इन 4 शर्तों के दायरे में आएंगे-**

1 गाड़ी एसयूवी हो।
2 इंजन क्षमता 1500 सीसी से अधिक हो।
3 वाहन की लंबाई 4000 एमएम से अधिक हो।
4 ग्राउंड क्लियरेंस 170 एमएम या उससे अधिक हो।

बायो फ्यूल पर जीएसटी 18ः से 5ः प्रतिशत किया

वहीं बायो फ्यूल पर जीएसटी 18ः फीसदी से घटाकर 5ः किया गया। दालों के छिलकों पर जीएसटी अब 5ः से घटाकर शून्य कर दिया गया। अब 2 करोड़ रुपए के टैक्स चोरी के मामले आपराधिक श्रेणी के नहीं माने जाएंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि जीएसटी एक्ट में डिक्रिमिनलाइजेशन पर फैसला लिया गया। मतलब ये कि गलतियों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया है।

ऑनलाइन गेमिंग और कैसीनो पर जीएसटी को लेकर कोई फैसला नहीं हुआ

ऑनलाइन गेमिंग और कैसीनो पर जीएसटी को लेकर भी कोई फैसला नहीं हो पाया है। कुछ दिनों पहले मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा की अध्यक्षता में मंत्रियों के समूह की ओर से इस पर रिपोर्ट सौंपी जा चुकी है। रिपोर्ट को परिषद के लोगों के बीच भी वितरीत नहीं किया जा सका है।

देश में सीएनजी के दाम बढ़े, दिल्ली में 79.56 रुपए किलो पर पहुंची

➲ इस साल 25 रुपए से ज्यादा महंगी हुई

नई दिल्ली। दिल्ली में एक बार फिर आम आदमी को झटका लगा है। यहां सीएनजी की कीमत 95 पैसे बढ़ा दी गई हैं। लोगों को अब एक किलो सीएनजी के लिए 79.56 रुपए चुकाने होंगे। इससे पहले दिल्ली में एक किलो सीएनजी की कीमत 78.61 रुपए थी। बढ़ी हुई कीमतें आज, यानी 17 दिसंबर की सुबह 6 बजे से लागू हो गई हैं।

गुरुग्राम में एक किलो सीएनजी की कीमत 86.94 रुपए है। वहीं गाजियाबाद, नोएडा-ग्रेटर और नोएडा में 81.17 रुपए, रेवाड़ी में 78.61 रुपए और फरीदाबाद में 84.19 रुपए प्रति किलोग्राम पर मिल रही है। बीते कुछ दिनों से प्राकृतिक गैस की कीमतों में रिकॉर्ड तेजी देखने को मिल रही है। इससे पहले इंद्रप्रस्थ गैस द्वारा सीएनजी और पीएनजी के दाम 3 रुपए प्रति किलो बढ़ा दिए थे।

सीएनजी की नई कीमतें

शहर कीमत (रुपए/किलो)
दिल्ली- 79.56 रुपए
गुरुग्राम- 87.89 रुपए
नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद- 82.12 रुपए
रेवाड़ी- 89.57 रुपए
करनाल और कैथल- 88.22 रुपए
मुजफ्फरनगर, शामली और मेरठ- 86.79 रुपए
अजमेर, पाली और राजसमंद- 89.83 रुपए
कानपुर, हमीरपुर और फतेहपुर- 89.81 रुपए

इससे पहले अक्टूबर में बढ़े थे दाम

इससे पहले 8 अक्टूबर को सीएनजी की कीमतों में बदलाव किया गया था। 8 अक्टूबर को सीएनजी की कीमतों में 3 रुपए का इजाफा किया गया था। इसके बाद सीएनजी की कीमत 78.61 रुपए किलोग्राम हो गई थी जो पहले 75.61 रुपए किलोग्राम थी।

जनवरी में 54 रुपए किलो पर थी सीएनजी

जनवरी 2022 में सीएनजी 54.31 रुपए प्रति किलो पर थी, जो अब 79.56 रुपए पर पहुंच गई है। यानी इस साल अब तक इसकी कीमत में 25.25 रुपए प्रति किलो का इजाफा हो चुका है।

कैब कंपनियां भी बढ़ा सकती हैं किराया

ब्छळ के दामों में बढ़ोतरी का सीधा असर सीएनजी आटो, केब सर्विस देने वाली कंपिनयों और सीएनजी कार चालकों पर पड़ेगा। इससे कैब सर्विस देने वाली कंपनियां भी अपने दाम बढ़ा सकती हैं। ओला-उबर जैसी कैब कंपनिया पहले भी ऐसा कर चुकी हैं। वहीं ऑटो से सफर करने वाले लोगों के लिए भी यह इजाफा महंगाई का बोझ बढ़ा सकता है।

पेट्रोल-डीजल के दामों में बदलाव नहीं

देश में तेल के दाम पिछले करीब 7 महीने से स्थिर हैं। हालांकि जुलाई में महाराष्ट्र में पेट्रोल जरूर पांच रुपए और डीजल तीन रुपए प्रति लीटर सस्ता हुआ था, लेकिन बाकी राज्यों में दाम जस के तस बने हुए हैं।

स्वैछिक सेवा कार योजना के तहत बेटी बचाओ-बेटी समझाओं पर किया नाटक का मंचन

नजफगढ़/- स्वैच्छिक सेवा कार योजना के तहत नेहरू युवा केंद्र दक्षिण पश्चिम जिला दिल्ली के तत्वाधान में शनिवार को श्री श्याम धर्मार्थ युवा मंडल और सामाजिक बदलाव युवा मंडल ने शहीद भगत सिंह पार्क में बेटी बचाओ बेटा समझाओ के ऊपर नाटक का मंचन किया। इस संबंध में जानकारी देते हुए कार्यक्रम निदेशक अनिल कुमार ने बताया कि इस मौके पर महिला समूह सशक्तिकरण के साथ-साथ पर्यावरण विषय पर विभिन्न पौधों के पेड़ों के साथ खुदाई करके उन्हें रोपित व सूचित किया गया तथा पर्यावरण के प्रति संदेश भी दिया गया। इसमें 30 युवाओं ने अपनी सहभागिता व भागीदारी सफलतापूर्वक निभाई।

फिल्म 'एंग्री अन्ना' में दर्शकों को भा रहा विलेन के रूप में ग्राम दुजाना के मनोज गुर्जर का किरदार

अपने उत्कृष्ट अभिनय के दम पर गांव व परिवार का नाम रोशन करना प्राथमिकता

नोएडा। 16 दिसंबर को एम एक्स प्लेयर, हंगामा, एयरटेल व वोडाफोन की ऐप पर रिलीज हुई मूवी 'एंग्री अन्ना' में मनोज गुर्जर कासिम कुरेशी विलेन के किरदार में नजर आएं। वे इस फिल्म में मुख्य विलेन के राइट हैंड के रूप में दिखें इस फिल्म का निर्माण कीर्ति मोशन पिक्चर्स द्वारा किया गया। फिल्म को कीर्ति मोशन पिक्चर्स के ऑफिशियल यू-ट्यूब चौनल पर भी रिलीज किया गया है। अभी तक 10 लाख से अधिक लोगों ने फ़िल्म को देखा एवं पसन्द किया है। अभिनेता मनोज गुर्जर ने बताया कि इस फिल्म में उन्होंने विलेन के किरदार के साथ-साथ सहायक निर्देशक के तौर पर भी काम किया है। 'एंग्री अन्ना' फिल्म किडनी कांड पर आधारित है जिसमें किडनी गैंग का खुलासा किया गया है। मनोज गुर्जर ने बताया कि इस फिल्म में उन्होंने मुख्य विलेन मोरे गुर्जर के साथ कासीम कुरेशी के रूप में उनके राइट हैंड की भूमिका अदा की है जो उसके पूरे किडनी रैकेट को मैनेज करता है।

इस फिल्म में हीरो का रोल अरुण नागर ने निभाया है जो इस फिल्म के डायरेक्टर भी हैं। वहीं रवि वर्मा फिल्म में इंस्पेक्टर का रोल निभा रहे हैं। मनोज गुर्जर इससे पहले भी कई म्यूजिक एल्बम में काम कर चुके है,। 'एंग्री अन्ना' फिल्म में भी मनोज ने अपने अभिनय की छाप छोड़ी है और शानदार अभिनय का परिचय देकर फिल्म जगत में एक अलग पहचान बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि फिल्म 'एंग्री अन्ना' में भी उनका नया अंदाज देखने को मिला है। मनोज का कहना है कि अपनी मेहनत और अभिनय के दम पर वे एक दिन फिल्म जगत की ऊंचाईयों पर जरूर पहुंचेंगे इसका उन्हें विश्वास है। फिल्मी दुनिया में अपने गांव और परिवार का नाम रोशन करना उनका सपना है।

आरोपी | 15 करोड़ की प्रतिबंधित नशीली दवाओं के साथ तीन गिरफ्तार

निर्भया फंड का हो रहा दुरूपयोग, मंत्रालय व विधायकों की डयूटी में हो रहा खर्च

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अंतरराज्यीय ड्रग सिंडिकेट का पर्दाफाश कर कैमिस्ट समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी प्रतिबंधित नशीली दवाएं अवैध रूप से बेच रहे थे। इनके कब्जे से 15 करोड़ रुपये की प्रतिबंधित नशीली दवाएं बरामद हुई हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी पिछले आठ वर्षों से यह कारोबार कर रहे हैं और इस अवधि में करीब 250 करोड़ की दवाओं की सप्लाई कर चुके हैं। पुलिस इनसे पूछताछ में जुटी है।

स्पेशल सेल को सूचना मिली थी कि 25 फुटा रोड, प्रकाश विहार लोनी यूपी निवासी कुलदीप व साथी संत नगर, बुराड़ी निवासी ऋषि कुमार दिल्ली-एनसीआर में ड्रग सिंडिकेट चला रहा है। इंस्पेक्टर मनेंद्र व हवलदार दीपक राणा की टीम ने घेराबंदी कर दोनों को वजीराबाद फ्लाईओवर के पास से 13 दिसंबर को गिरफ्तार कर लिया। इनसे पूछताछ के बाद दवा विक्रेता कुलदीप कुमार सिन्हा को तिमारपुर से गिरफ्तार कर लिया। उसके गोदाम व दवाओं की दुकान पर दबिश दी गई। इस दौरान प्रतिबंधित ट्रामाडोल की कुल 2,36,080 गोलियां और अल्प्राजोलम की कुल 2,23,800 गोलियां बरामद की गईं। इसके अलावा कोडीन की 150 बोतलें भी बरामद हुईं। बताते चलें कि इन दवाओं को बिना चिकित्सकीय परीक्षण के बेचना अपराध की श्रेणी में आता है। दिल्ली में इन पर प्रतिबंध लगा हुआ है। सरकार ने इन्हें बेचने की लिमिट भी तय की हुई है।

इस वजह से आरोपी अलीगढ़ समेत अन्य जिलों में इनकी सप्लाई कर रहे थे। आरोपियों से पूछताछ में पता लगा कि वे पिछले आठ वर्षों से इस गैरकानूनी कारोबार से जुड़े हुए हैं और अब तक करीब 200 से 250 करोड़ की दवाएं सप्लाई कर चुके हैं। अनुराग की दुकान का लाइसेंस खत्म हो चुका है।

कोकीन के साथ विदेशी महिला गिरफ्तार

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर कोकीन के 82 कैप्सूल के साथ गिनी की एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। कस्टम विभाग ने बताया कि कैप्सूल की कीमत 15.36 करोड़ रुपये बताई जा रही है। मामले की छानबीन की जा रही है।

एक करोड़ के नशीले पदार्थ बरामद, चार गिरफ्तार

बाहरी उत्तरी जिला पुलिस ने शनिवार को नशे के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने नरेलामें चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से पुलिस ने एक करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ बरामद किए हैं।

जिला पुलिस उपायुक्त देवेश कुमार माहला ने बताया कि शनिवार को नशे के खिलाफ एक विशेष सर्च अभियान चलाया गया। इसके लिए विशेष टीमें गठित की गई। इन टीमों ने अपनी गुप्त सूचनाओं के आधार पर नरेला इलाके में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस टीम ने 4 तस्करों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से 645 ग्राम हेरोइन और 5 किलो गांजा बरामद किया है। इसकी कीमत लगभग एक करोड़ रुपये से भी अधिक है।

अभियान का नेतृत्व जिले के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नरेला सेक्टर 6 निवासी सोनिया, सोनू, राहिमा खातून और यास्मीन के रूप में हुई है। पुलिस ने शराब तस्करों के खिलाफ 18 मामले दर्ज किए हैं। आरोपियों के से पुलिस ने 2383 पव्वा अवैध शराब और 83 बीयर बरामद की हैं।

खास ख़बर

भारत की वास्तविकता हैं गंदी सड़के व भ्रष्टाचार, युवां इसे बदलें

नई दिल्ली। दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायणमूर्ति ने जीएमआर इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के एक कार्यक्रम में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा है कि भारत की वास्तविकता है भ्रष्टाचार, गंदी सड़कें, प्रदूषण और कई बार बिजली की अनुपस्थिति। वहीं, सिंगापुर की वास्तविकता है साफ सड़कें, प्रदूषण मुक्त वातावरण और बहुत सारी ऊर्जा। उन्होंने छात्रों से कहा, उस नई वास्तविकता को बनाने की ज़िम्मेदारी अब आपकी है। हर कमी को बदलाव के अवसर के रूप में देखें, उसे ठीक करने के लिए किसी का इंतजार ना करें। जीएमआर की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में यह बात कही गई है। विजयनगरम जिले के राजम में जीएमआर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (जीएमआरआईटी) के रजत जयंती समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए नारायण मूर्ति ने कहा कि हर कमी को बदलाव के अवसर के रूप में देखना चाहिए और खुद को एक नेता के रूप में कल्पना करते हुए उस कमी को दूर करने की कोशिश करनी चाहिए, न कि किसी की प्रतीक्षा करनी चाहिए। इंफोसिस संस्थापक बोले- युवा बदलाव लाने की मानसिकता विकसित करें। नारायण मूर्ति ने आगे कहा कि युवाओं को समाज में बदलाव लाने की मानसिकता विकसित करनी चाहिए, जनता, समाज और राष्ट्र के हित को अपने व्यक्तिगत हित से ऊपर रखना सीखना चाहिए।

किसान गर्जना रैली में रामलीला मैदान में जुटे हजारों किसान

नई दिल्ली। दिल्ली के रामलीला मैदान में सरकार से विभिन्न राहत उपायों की मांग को लेकर हजारों किसानों ने किसान गर्जना रैली में अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर किसान महापंचायत ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर सरकार ने समय पर ध्यान नही दिया तो सरकार को परेशानी होगी। भारतीय किसान संघ, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की एक शाखा द्वारा जारी एक नोट में कहा गया कि अगर सरकार ने समय पर किसानों की मांग पर ध्यान नहीं दिया तो उसे परेशानी का सामना करना पड़ेगा। देश भर से किसान बसों, ट्रैक्टरों और मोटरसाइकिलों से रामलीला मैदान पहुंचे और इनपुट लागत के आधार पर अपनी फसलों के लिए लाभकारी मूल्य की मांग की। किसानों ने सभी प्रकार की कृषि गतिविधियों पर जीएसटी को वापस लेने और आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों के व्यावसायिक उत्पादन की अनुमति देने का भी आह्वान किया है। वे पीएम-किसान योजना के तहत दी जाने वाली वित्तीय सहायता को बढ़ाने के लिए भी केंद्र पर जोर दे रहे हैं।

भारतीय सेना पर प्रश्नचिन्ह उठाना दुर्भाग्यपूर्ण - अनिल आर्य

नई दिल्ली। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में आर्य समाज, डा. मुखर्जी नगर, दिल्ली में भारतीय सैनिकों के उत्साहवर्धन के लिए राष्ट्र रक्षा यज्ञ का आयोजन किया गया।

इस सुंदर कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्य नेता ओम सपरा (पूर्व मेट्रोपोलटन मजिस्ट्रेट) ने की, उन्होंने कहा कि वेदों में भी कामना की गई है कि हमारे वीर विजयी हो और शत्रुओं का नाश करने वाले हो । हमारी सेना बहादुर सेना है यह हम सब के लिए गर्व का विषय होना चाहिए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि कुछ लोगो के द्वारा भारतीय सेना पर प्रश्न चिन्ह उठाना दुर्भाग्य पूर्ण व निंदनीय है। आर्य समाज राष्ट्र का सजक प्रहरी है और पूरी तरह से भारतीय सेना के साथ खड़ा है और उसका पुरजोर समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि ष्वीर भोग्या वसुन्धराष् यानी कि वीर लोग ही धरती का सुख भोगा करते हैं। शक्ति रेव जयते सदा से होता आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में राष्ट्र सुरक्षित हाथों में है। भारतीय सेना विश्व की सर्वश्रेष्ठ सेना है। प्रत्येक भारत वासी अपनी सेना पर गर्व महसूस करता है। राष्ट्र रक्षा यज्ञ द्वारा राष्ट्र की सुख समृद्धि व भारतीय सेना की विजय की प्रार्थना की गई। आर्य समाज का देश की आजादी में सर्वाधिक योगदान रहा और आज भी राष्ट्र रक्षा के लिए भारतीय सेना के साथ खड़ा है।

यज्ञ की ब्रह्मा शिक्षिका, वरिष्ठ गायिका, आचार्या प्रतिभा सपरा ने यज्ञ करवाया। आर्य गायिका पिंकी आर्या के देश भक्ति पूर्ण गीत हुए। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन उत्तरी दिल्ली वेद प्रचार मंडल के कर्मठ महामंत्री गोपाल आर्य ने किया। कार्यक्रम में सर्वश्री मेजर सुशांत सपरा, विजय कुमार सपरा, आस्था आर्या, अंकुर, अखंड प्रताप सिंह, श्रीमती शशि ने भी भाग लिया।

फरीदाबाद एमसीएफ में भी केजरीवालष् के नारे हुए बुलंन्द - महासचिव भीम यादव

➲ दिल्ली एमसीडी में जीत और राष्ट्रीय पार्टी बनने के बाद आम आदमी पार्टी के फरीदाबाद में हौंसले बुलंद

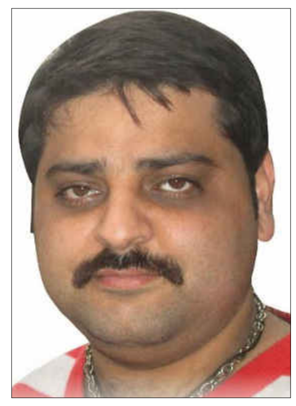

फरीदाबाद। दिल्ली एमसीडी में आम आदमी पार्टी के भारी बहुमत के साथ जीत होने पर और गुजरात के अंदर भारतीय जनता पार्टी के किले में छेद लगाते हुए जिस तरीके से आम आदमी पार्टी ने अपनी जगह बनाई है। उससे फरीदाबाद में अब आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं के हौंसले काफी बुलंद है। और आने वाले निगम चुनावों में पार्टी यहां भी भाजपा का क्लीन स्वीप कर देगी।

इस जीत से गदगद होकर आम आदमी पार्टी फरीदाबाद जिला इकाई के महासचिव ने मीडिया से बात करते हुए कहा की जिस तरीके से दिल्ली एमसीडी में भारतीय जनता पार्टी के 15 साल के कुशासन को दिल्ली की जनता ने उखाड़ फेंक दिया है और दिल्ली एमसीडी की जिम्मेदारी माननीय श्री अरविंद केजरीवाल जी को दी है अब दिल्ली एमसीडी में आम आदमी पार्टी के जुझारू और इमानदार श्री अरविंद केजरीवाल जी के सिपाही पार्षद के रूप में और मेहर के रूप में काम करेंगे अब दिल्ली एमसीडी भ्रष्टाचार मुक्त एमसीडी बनेगी उसी तरीके से अब फरीदाबाद में भी केजरीवाल के नारे फरीदाबाद की जनता बुलंद करने लगी है जिस तरीके से फरीदाबाद एमसीएफ में भ्रष्टाचार का अंबार लगा हुआ है फरीदाबाद की जनता भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेसी के भ्रष्टाचार से मुक्ति चाहती है और अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में एमसीएफ के अंदर और फिर हरियाणा के अंदर भ्रष्टाचार मुक्त शासन चाहती है इसी संदर्भ में आम आदमी पार्टी फरीदाबाद एमसीएफ के अंदर भ्रष्टाचार मुक्त नगर निगम बनाने की तैयारी में लगी हुई है भारतीय जनता पार्टी जिस तरीके से चुनाव में देरी कर रही है इससे साफ लगता है कि आम आदमी पार्टी अरविंद केजरीवाल जी की सुनामी से डरी हुई है निश्चित रूप से फरीदाबाद मैं जिस तरीके से आम आदमी पार्टी के सिपाही संगठन को मजबूत करने में जिस तरीके से लगे हैं आने वाला समय आम आदमी पार्टी का फरीदाबाद में होने वाला है। मीडिया से बात करते हुए श्री भीम यादव ने यह भी कहा की नगर निगम के चुनाव में आम आदमी पार्टी जनता के सहयोग से भारी बहुमत से जीतकर आएगी उसके बाद नगर निगम के अंदर हुए भ्रष्टाचार की जांच कराई जाएगी और एक एक रुपए जो जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा है और भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा है उसको रिकवर करा कर दोबारा से जनता के विकास कार्यों में लगाया जाएगा और भ्रष्टाचारियों पर कड़ी से कड़ी करवाई करवाई जाएगी। इसी क्रम में हमें श्रीमती मंजू गुप्ता से बात करने का अवसर मिला, उन्होंने हमें बताया कि कैसे उन्हें आम आदमी पार्टी हरियाणा और फरीदाबाद में शामिल होने के लिए फरीदाबाद और हरियाणा भर से महिलाओं के फोन आ रहे हैं। महिलाएं पार्टी से जुड़ने के लिए बहुत उत्सुक हैं क्योंकि यह पार्टी महिलाओं को समान अवसर देती है। इस मौके पर डिजिटल मीडिया प्रभारी और बढ़कल विधानसभा के मीडिया प्रभारी डॉ. हिमांशु सेठी ने बताया कि कैसे आम आदमी पार्टी सभी डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए आक्रामक तरीके से काम कर रही हैद्य ये डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म श्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी की नीतियों को दिल्ली से दूर रहने वाले भारत के नागरिकों तक पहुंचाने में उनकी मदद कर रहे हैं।

आम आदमी पार्टी फरीदाबाद के ये तीनों स्तंभ फरीदाबाद नगर निगम के आगामी चुनावों में जीत के प्रति आश्वस्त हैं।

एक नए अवतार में मेलोरा ने लॉन्च किया 'अवतार प्रेरित' ज्वैलरी कलेक्शन

➲ ये गहने भविष्य को ध्यान में रखकर, हीरे और खास ब्लू इनामेल के साथ ऐसी खूबसूरती से गढ़े गए हैं, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया

नई दिल्ली। वजन में हल्के और किफायती कीमत में फैशनेबल गोल्ड ज्वैलरी की पेशकश करने वाले एक प्रमुख डी2सी ब्रांड, मेलोरा ने अपना एक अनूठा अवतार प्रेरित ज्वैलरी कलेक्शन लॉन्च किया है। यह कलेक्शन आधुनिकता का जश्न मनाता है और ज्वैलरी के क्षेत्र में वैकल्पिक आयामों में एक चलन की पेशकश करता है। ज्वैलरी का यह नया कलेक्शन एलियन्स की विशेषताओं से प्रेरित, अपारंपरिक, मिनिमल रूप में है। इसे हीरों और शेडेड ब्लू इनामेल के साथ तैयार किया गया है जोकि उस काल्पनिक दुनिया की झलक पेश करता है।

मेलोरा ग्लोबल फैशन के ट्रेंड्स पर बहुत ही बारीक नजर रखता है और अपने कलेक्शन के हर डिजाइन को तैयार करने में अपनी पूरी मेहनत लगा देता है। इस लॉन्च के साथ मेलोरा ने हर दिन पहनी जाने वाली ज्वैलरी में मौजूदा ट्रेंड्स को शामिल करते हुए अपने नाम एक और उपलब्धि हासिल कर ली है। मेलोरा के इस नवीनतम कलेक्शन में पेंडेंट्स, ईयररिंग्स, चूड़ियों और अंगूठियों की एक विशाल रेंज है, जिसमें आम ज्वैलरी से अलग हटकर, एलियन्स वाली, ज्यामितीय आकार की और लंबे डिजाइन वाली ज्वैलरी शामिल है। इसकी कीमत 12,000 रुपये से शुरू होती है।

इस लॉन्च के मौके पर दीपशिखा गुप्ता, सीनियर वीपी- डिजाइन, मेलोरा का कहना है, ÷कई सारे साप्ताहिक लॉन्च में से एक, जिस पर काम करना हमें सबसे अच्छा लगा, वो है अवतार-प्रेरित कलेक्शन। इस अपारंपरिक मिनिमल कलेक्शन को तैयार करने में भावी फैशन ट्रेंड ने प्रेरक के तौर पर काम किया है, जिसमें हीरे और ब्लू शेडेड इनामेल हैं। हमें लगता है कि हमारे ग्राहकों को भी यह नया कलेक्शन पसंद आएगा।

मेलोरा के विषय में-

भारत के सबसे तेजी से बढ़ते डी2सी ब्रांडों में से एक, मेलोरा, कम वजन वाले और किफायती फैशनेबल सोने के आभूषण की पेशकश करता है (ज्यादातर मांग 20-50 हजार रुपये की कीमत के अंदर आती है)। मेलोरा ने अब तक देश के 3000 से अधिक शहरों/कस्बों/गांवों में अपनी मौजूदगी दर्ज की है और 10,000 से कम आबादी वाले गांवों से लेकर 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों तक हर जगह अपनी पहचान बनाई है। यूएस, यूके, सिंगापुर और यूएई में हाल ही में विस्तारित डिलीवरी क्षमताओं के साथ, मेलोरा इस बात का पूरा ध्यान रख रहा है कि सोना हर दिन ही फैशनेबल हो!

एयरपोर्ट को जलजमाव से मिलेगी राहत

नई दिल्ली। रविवार को एयरपोर्ट ड्रेन और द्वारका के विभिन्न जलाशयों के निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कहा कि अगले मानसून तक एयरपोर्ट ड्रेन और द्वारका के विभिन्न जलाशयों का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना पर अब तेजी से काम चल रहा है।इन कामों के पूरा होते ही एयरपोर्ट पर जलजमाव की समस्या पूरी तरह से खत्म हो जायेगी।

उन्होने कहा कि दिल्ली सरकार की ओर से पेड़ों की कटाई की अनुमति नहीं दिए जाने से निर्माण कार्य में देरी हो चुकी है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना यहां के निर्माण कार्य की प्रगति को देखने के लिए अब तक तीन बार दौरा कर चुके हैं। इस बार तीसरे दौरे के दौरान उन्होंने 20 मई तक निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश भी दिया। दिल्ली विकास प्राधिकरण की ओर से इस परियोजना को मई 2023 में पूरा किए जाने से द्वारका क्षेत्र में जलजमाव की समस्या नहीं रह जाएगी। मानसून के दौरान आइजीआइ एयरपोर्ट के 2 ड्रेन से बड़ी मात्रा में पानी निकलता है, जिसकी वजह से जलजमाव होता है। इससे यात्रियों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है।

परमाणु बम की धमकी से पलटा पाक, कहा- हम जिम्मेदार परमाणु देश

यूएन/पाकिस्तान। भारत को परमाणु युद्ध की गीदड़ भभकी देने वाली शहबाज शरीफ सरकार की मंत्री अपने बयान पर एक दिन भी नहीं टिकी पाई। उन्हें और उनकी सरकार को अपने बड़बोलेपन का एहसास हो गया। भारत को परमाणु हमले की धमकी देने वाली पाकिस्तानी मंत्री शाजिया मैरी ने अब पाकिस्तान को एक जिम्मेदार परमाणु संपन्न देश बताया है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को जमकर लताड़ लगाई थी। इससे बौखलाए पाकिस्तान ने अब अपनी गरीबी उन्मूलन मंत्री को भारत के खिलाफ बयानबाजी करने के लिए आगे कर दिया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के बाद अब पड़ोसी मुल्क की गरीबी उन्मूलन मंत्री शाजिया मर्री भारत के खिलाफ बयान दे रही हैं। शाजिया ने बिलावल के आपत्तिजनक बयान पर अफसोस जताने के बजाय पाकिस्तान के परमाणु शक्ति संपन्न होने का हवाला दिया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान को खरी-खरी सुनाई थी और कहा था कि अगर आप अपने घर के पीछे सांप पालते हो तो वह सिर्फ पड़ोसी को ही नहीं काटेगा, बल्कि आपके घर के लोगों को भी काटेगा। इसी के बाद से पाकिस्तान की तरफ से बौखलाहट भरे बयान सामने आ रहे हैं। शनिवार को शहबाज सरकार में मंत्री शाजिया मर्री ने भारत को गीदड़ भभकी देते हुए कहा, ष्पाकिस्तान जवाब देना जानता है। पाकिस्तान वह मुल्क नहीं है जो एक थप्पड़ के नतीजे में दूसरा गाल आगे करेगा।

देश में थम नही रही महिला तस्करी, 50 फीसदी लापता महिलाओं का सुराग नहीं

नई दिल्ली। देश में खासतौर पर महिलाओं की तस्करी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। साल 2017 से 2021 के बीच देश में 1651809 महिलाएं गायब/लापता हुई थीं। इनमें से 866571 महिलाओं का पता लगाया जा सका है। मतलब, केंद्र एवं राज्यों की विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियां 50 फीसदी लापता महिलाओं का सुराग नहीं लगा पा रही हैं। महिलाओं के गायब होने के मामले में महाराष्ट्र पहले स्थान पर है, जबकि पश्चिम बंगाल का दूसरा नंबर है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मौजूदा मानव तस्करी रोधी इकाइयों (एएचटीयू) को सुदृढ़ करने के लिए निर्भया फंड के अंतर्गत 98.96 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की है। इसके बावजूद मानव तस्करी के मामलों की रफ्तार थम नहीं पा रही है। हाल ही में यह खबर सामने आई थी कि महाराष्ट्र में निर्भया फंड के तहत मिले 30 करोड़ रुपये से विधायकों के लिए वाहन खरीदे गए हैं।

पिछले पांच साल में गायब हुई हैं इतनी महिलाएं

साल 2017 के दौरान 18 वर्ष से अधिक आयु की 2,83,428 महिलाएं गायब हो गई थीं। इनमें से 15,359 महिलाओं का पता लगा लिया गया। 2018 में 3,06,733 महिलाएं गायब हुई थीं, जिनमें से 1,61,110 महिलाओं को ढूंढने में सफलता हाथ लगी। 2019 में विभिन्न राज्यों से 3,42,168 महिलाएं लापता हो गई थीं। इनमें से कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने 1,74,278 महिलाओं को खोज निकाला। 2020 में 3,44,422 महिलाएं लापता हुईं, जिनमें से 1,75,326 महिलाओं का पता लगा लिया गया। 2021 में 3,75,058 महिलाओं के गायब होने की सूचना मिली थी। इनमें से 2,02,298 महिलाओं को ढूंढने में सफलता मिली। केंद्रीय गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा ने संसद सत्र के दौरान पूछे गए एक सवाल के जवाब में बताया, चूंकि संविधान की सातवीं अनुसूची के तहत श्पुलिस और लोक व्यवस्थाश् राज्य सूची के विषय हैं। ऐसे में मानव तस्करी के अपराध को रोकने और उससे निपटने के लिए आवश्यक कदम उठाने की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों की है।

निर्भया निधि के तहत मिले 98.96 करोड़ रुपये

गृह मंत्रालय ने मौजूदा मानव तस्करी रोधी इकाइयों (एएचटीयू) को सुदृढ़ करने तथा राज्यों व संघ क्षेत्रों के सभी जिलों को कवर करते हुए नए एएचटीयू की स्थापना करने के लिए 2019-20 और 2020-21 के दौरान सभी राज्यों को निर्भया निधि के तहत 98.96 करोड़ रुपये वित्तीय सहायता प्रदान की है। एएचटीयू एकीकृत कार्यबल इकाइयां हैं, जिन्हें व्यक्तियों की तस्करी को रोकने और उससे निपटने तथा तस्करी के अपराध की जांच करने व अभियोजन चलाने का अधिदेश प्राप्त है। राज्यों और संघ राज्य प्रदेशों में कुल 768 एएचटीयू स्थापित किए गए हैं।

मानव तस्करी के पीड़ितों को बचाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्रों में एएचटीयू की स्थापना के लिए सीमा रक्षक बलों, जैसे बीएसएफ और एसएसबी को अनुदान सहायता भी प्रदान की गई है।

महिलाओं का गायब होना, पांच साल में टॉप 10 स्टेट

राज्य	महिलाएं गायब हुईं	पता लगाया गया
महाराष्ट्र	2,87,200	1,65,261
पश्चिम बंगाल	2,61,593	1,15,730
मध्यप्रदेश	2,40,506	1,02,256
दिल्ली	1,05,064	40,783
ओडिशा	97,834	37,104
राजस्थान	92,892	55,371
छत्तीसगढ़	73,467	32,810
तमिलनाडु	63,966	41,670
कर्नाटक	61,620	45,811
गुजरात	59,037	38,455

सम्मान | देश की रक्षा में सैनिकों के बलिदानों की सुनाई शौर्य गाथा

विजय दिवस पर सैनिकों के सम्मान में दौड़े बीआरजी के धावक

बहादुरगढ़। वैसे तो बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप दौड़ व फिटनेस के क्षेत्र में अपना लौहा मनवाता ही रहा है। लेकिन पिछले कुछ अरसे से बीआजी ग्रुप स्वास्थ्य व पर्यावरण को लेकर भी काफी सक्रिय रहा है। इतना ही नही देश के जवानों की हौंसला अफजाई में भी अब बीआरजी ग्रुप आगे बढ़कर अपना योगदान दे रहा है। विजय दिवस पर सैनिकों के सम्मान में युवाओं को देश के रक्षा बलों द्वारा किए गए अत्यधिक बलिदानों से अवगत कराने के लिए बीआरजी ग्रुप के धावकों ने न केवल दौड़ लगाई बल्कि सैनिकों के बलिदानों की शौर्य गाथा से भी लोगों को अवगत कराया।

भारत की यशस्वी सेनाओं की अनेकों विजय गाथाएँ प्रसिद्ध हैं, परंतु 16 दिसम्बर 1971 को पाकिस्तान को तोड़कर बांग्लादेश का निर्माण समकालीन विश्व सैन्य इतिहास की अविस्मरणीय घटना है। 93000 पाकिस्तानी सैनिकों के घुटने टेककर आत्मसमर्पण करवाना असाधारण विजय का प्रतीक रही है। अपने वीर सैनिकों के अदम्य शौर्य, अकाट्य साहस एवं अद्भुत रणनीति का स्मरण व सम्मान करते हुए हम सभी बहादुरगढ वासी और बहादुरगढ रनर्स ग्रुप के सदस्य इस विजय-रन में अपनी सहभागिता कर एक कीर्तिमान स्थापित किया। सोल्जरथॉन रन 18 दिसंबर को पुरे भारत मे हर शहर मे कराई गई। जिसमे सभी ने अपने अपने शहर मे वर्चुअल दौड लगाई। फिटिस्तान के वीएसएम, मेजर सुरेंद्र पूनिया, भारत की अखंडता, एकता, संप्रभुता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए हर दिन निस्वार्थ भाव से काम करने वाले सैनिकों के लिए जनता में गर्व की भावना जगाने के मिशन पर हैं। उन्हें उम्मीद है कि इस खास दिन पर सोल्जरथॉन के माध्यम से लोग न केवल बहादुरों के बलिदान का सम्मान करेंगे बल्कि उनके स्वास्थ्य पर भी जोर देंगे।

फिटिस्तान- एक फिट भारत ने विजय रन का आयोजन बीते रविवार को किया गया हमारे बहादुर सैनिकों के बलिदान को स्वीकार करने की एक पहल। जिसमे देश भर से अलग-अलग शहरो मे कैप्टन नियुक्त किए गए। बहादुरगढ शहर से कपल रनर दीपक छिल्लर और डा किरण छिल्लर को नियुक्त किया गया।

बी आर जी ग्रुप से प्रदीप दहिया, अवनेश, नरेश कुमार शर्मा, धर्मवीर, दीपक, सैलाब, मुकिम, शैलेश, प्रदीप सांगवान, गुलाब सिह, धर्मवीर सैनी रमेश, कविता, मिली, गायत्री, सुनता, उर्मिला डबास, रामरत्न, आनंद कुमार, शंशी कान्त, एस पी शर्मा, अजय सभी ने वर्चुअल दौड़ लगा कर युवाओं को देश के रक्षा बलिदानों से अवगत कराया। सोल्जरथॉन एक अनूठी पहल है जो न केवल घायल और शहीद व भारतीय सैनिकों को सम्मानित करने के लिए बनाई गई है, जिन्होंने देश की रक्षा में अपनी जान दी, बल्कि एक रोग मुक्त और फिटर भारत की दिशा में एक आंदोलन भी है। सोल्जरथॉन के प्रत्येक चरण का उद्देश्य न केवल भारत के बहादुरों का सम्मान करना है, बल्कि एक ऐसे माहौल को बढ़ावा देना भी है जहां भारत के लोगों, विशेष रूप से युवाओं को देश के रक्षा बलों द्वारा किए गए अत्यधिक बलिदानों से अवगत कराया।

सीबीपीएसीएस में किया गया दीक्षांत समारोह का आयोजन

बीएएमएस के 154 छात्रों को दी गई पीजी व यूजी की डिग्री

वैद्य निदान पर ध्यान करें केंद्रित, अच्छे परिणामों के लिए अभ्यास में निरन्तरता जरूरी

नजफगढ़/नई दिल्ली। नजफगढ़ के खेड़ा डाबर गांव में स्थित एशिया के सबसे बड़े आयुर्वेदिक संस्थान चौधरी ब्रह्मप्रकाश आयुर्वेदिक चरक संस्थान में मंगलवार को दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन के चेयरपर्सन वैद्य जयंत देवपुजारी, विशिष्ट अतिथि बीई आरआईएसएम के अध्यक्ष प्रो. वैद्य राकेश शर्मा तथा एमएआरबीआईएसएम व एनसीआईएसएम के अध्यक्ष डा. रघुराम भट्ट ने उपस्थिति होकर यूजी व पीजी के 154 विद्यार्थियों को मानद उपाधि प्रदान की। सीबीपीएसीएस की निदेशक प्रिंसिपल विदुला गुज्जरवार, संस्थान के वरिष्ठ वैद्य श्री एन आर सिंह व संस्थान के एडीए डा. अशोक मदन सिंह ने सभी मेहमानों का बुके देकर स्वागत किया। इस दीक्षांत समारोह की सबसे बड़ी बात यह रही की संस्थान के बीएएमएस कोर्स में भी छात्राऐं छात्रों से आग रही। इसके लिए मुख्यअतिथि ने विशेष रूप से छात्राओं को बधाई दी।

मुख्य अतिथि ने दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अब लोगों की जिंदगी आपके हाथ में है। आप का पहला कर्त्तव्य निस्वार्थ भाव से सभी को ईलाज सुलभ कराना है। अब आपको भावी चिकित्सक की बजाये जिम्मेदार वैद्य बनना होगा। आपका पूरा ध्यान आपके निदान पर होना चाहिए। साथ ही अच्छे परिणामों के लिए आपके अभ्यास में निरंतरता भी जरूरी है। हमें ध्यान रखना चाहिए की कल्प हमेशा समय के साथ बदलते रहते हैं लेकिन सिद्धांत हमेशा एक ही रहता है। इसलिए जरूरी है कि हम अपने अभ्यास को सूचिबद्ध करें ताकि आने वाली पीढ़ियां हमारे ज्ञान से लाभांवित हो सकें। नये युग में ईलाज के तरीके भी बदल रहे है। हम दूसरी पद्धतियों से सामजस्य बैठाकर आयुर्वेद में सुधार कर रहे हैं। क्योंकि यही समय की जरूरत है। मैं आप सभी को यह नही कहूंगा की आप पैसा ना कमाये लेकिन अपनी जिम्मेदारियों को भी ना भूलें। आपकी पहचान आपका काम होना चाहिए। उन्होने सभी भावी चिकित्सकों को जीवन में कुछ बड़ा करने के लिए प्रेरित किया। उन्होने कहा कि आज जिस सीट पर हम बैठे कल उसी सीट पर आप में से ही कोई बैठेगा। मेरी आप सभी को एक जिम्मेदारी भरे जीवन के लिए शुभ कामनाऐं हैं। वहीं विशिष्ट अतिथि राकेश शर्मा ने भावी चिकित्सकों को ईलाज व अभ्यास के कुछ अनछुए पहलुओं से अवगत कराया। उन्होने बताया कि किस तरह सरकार आपके लिए नई-नई योजनाऐं ला रही है। लेकिन हम सरकार द्वारा लाई गई योजनाओं से कोई लाभ नही उठा रहे हैं। हमे सरकारी ऐप पर अपने आपकों रजिस्टर्ड करना चाहिए ताकि सरकार को पता लग सके की देश में कितने बीएएमएस चिकित्सक है। हम नौकरियों के लिए सिर्फ सरकार को कोसते है लेकिन सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से अपने को दूर रखने की कोशिश करते है। हमे भी अपने क्षेत्र में स्टार्टअप की जरूरत है और यह काम हमे करना चाहिए। उन्होने महिला चिकित्सकों से अपील करते हुए कहा कि आपमें असीम उर्जा व ज्ञान है लेकिन आप चिकित्सक बनने के बाद देश सेवा करने की बजाये परिवार में लीन हो जाती है जो इस पेशे के लिए ठीक नही है। मैं आपसे अपील करूंगा की आप अपने कार्य व परिवार में सामजस्य बैठाकर काम करें। विशिष्ट अतिथि डा. रघुराम भट्ट ने अपना संबोधन संस्कृत में शुरू किया और काई श्लोकों के माध्यम से आयुर्वेद के बारें में महत्वपूर्ण जानकारियों छात्रों को दी। उन्होने बताया उन्होने जो पढ़ा था आज उसमें काफी बदलाव आया है और आज जो आप पढ़ रहे है वह भी समय के साथ बदल जायेगा। इसलिए अपने आपकों निदान व अभ्यास में बनाये रखने के लिए आपकों पढ़ते रहना होगा। तभी आप एक अच्छे वैद्य बन पायेंगे।

समारोह के दौरान कुछ ऐसे पल भी आये जब छात्रों ने अपनी भूली बिसरी यादें आपस में मिलकर एक बार फिर ताजा की। संस्थान की कुछ प्रतिभावान विद्यार्थियों ने अपनी उपलब्धियों के बारें में भी बताया और इसके श्रेय संस्थान में अपने गुरूओं द्वारा मिले ज्ञान को दिया। संस्थान के रेजिडेंट मेडिकल अधिकारी डा. जितेंद्र ने बताया कि दीक्षांत समारोह में 6 पाठ्यक्रमों में स्नातकोत्तर डिग्री कोर्स की शुरूआत हुई थी। दीक्षांत समारोह के दौरान वर्ष 2016, 2017 व 2018 बैच के स्नात्तकोतर व 2016-2022 बैच के स्नातक छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। पीजी कोर्स में 60 विद्यार्थियों को माानद उपाधि व यूजी कोर्स में 94 छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की गई।समारोह के अंत में संस्थान के एडीए डा. अशोक मदन सिंह ने सभी मेहमानों का धन्यवाद व आभार प्रकट किया। साथ ही उन्होने दीक्षांत समारोह को सफल बनाने के लिए संस्थान के स्टाफ, विद्यार्थियों व शिक्षकों का भी आभार प्रकट किया।

ख़ास ख़बर

सुकेश चंद्रशेखर का केजरीवाल सरकार पर बड़ा आरोप

नई दिल्ली। 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मंगलवार को सुकेश चंद्रशेखर को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। जहां उसने आम आदमी पार्टी को 60 करोड़ रुपए देने का दावा किया। इस दौरान कोर्ट में अभिनेत्री जैक्लीन फर्नांडीज भी मौजूद थी। सुकेश चंद्रशेखर के वकील अनंत मलिक के मुताबिक, आज सुकेश चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि उन्होंने आम आदमी पार्टी को 60 करोड़ रुपये दिए। एक उच्चस्तरीय समिति ने उनका बयान लिया और समिति ने अपनी सिफारिशें दी और कहा कि आरोप गंभीर हैं और जांच की जानी चाहिए।

अदालत ने ईडी को 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुकेश की पत्नी लीना मारिया पॉल से जुड़ी 26 कारों को अपने कब्जे में लेने की अनुमति दी है। वहीं, अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने 23 दिसंबर से बहरीन की यात्रा करने की अनुमति के लिए एक आवेदन दायर किया है। अदालत ने ईडी को 22 दिसंबर तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। बता दें कि महाठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जैकलीन फर्नांडीज का नाम भी शामिल है। जैकलीन पर आरोप है कि उन्होने सुकेश चंद्रशेखर से कार और घर समेत कई महंगे गिफ्ट लिए हैं। ईडी और दिल्ली पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। जैकलीन फर्नांडीज इससे पहले मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 12 दिसंबर को दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में पेश हुई थीं। कोर्ट में संक्षिप्त सुनवाई हुई थी। कोर्ट में विशेष न्यायाधीश शैलेंद्र मलिक ने शुरुआती दलीलें सुनने के बाद सुनवाई को स्थगित कर दिया गया था। इसके बाद केस की अगली सुनवाई 20 दिसंबर तक के लिए टाल दी गई थी।

देशभर में युवा डिजाइन फर्मो को अपने विचारों को प्रस्तूत करने का अच्छा मौका

नई दिल्ली। अपसर्ज एक वार्षिक कार्यक्रम श्रृंखला है। अपसर्ज द्वारा एक खास शाम की मेजबानी की जा रही है। इस कार्यक्रम में देशभर में युवा डिजाइन फर्मो को अपने विचारों को प्रस्तूत करना चाहते हैं उन्हें जोड़ने की कोशिश करेगा। अपसर्ज 2022 संस्करण चंडीगढ़, दिल्ली और मुंबई में आयोजित किया जाएगा। हमें प्रत्येक कार्यक्रम में लगभग 200.डिजाइन फर्मों की मेजबानी करने की उम्मीद है। इन आयोजनों में उद्योग के दिग्गजों, आपूर्तिकर्ता नेटवर्क और कई अन्य लोगों के जुटने की है। हमारे कार्यक्रम के कुछ हाइलाइट्स निम्नलिखित हैः डिजाइनरों के लिए आप एक युवा डिजाइन फर्म के रूप में उद्योग के दिग्गजों से मिलेंगे, जो आपको उन बेहतरीन विचारों से रूबरू कराएंगे, जिन्होंने उन्हें सफल बनाया है। पैनल चर्चा, व्यक्तिगत भाषण, बैठक और अभिवादन सत्र के जरिए अनुभवी लोगों के साथ मंच साझा करेंगे। आप समझेंगे कि मैप माई हाउस जैसे नए प्लेटफॉर्म डिजाइनरों को कई तरह की सुविधाएं और एक मंच दे रहे हैं।

26वें दिल्ली पुस्तक मेला में आजादी की अमृत गाथा के दौरान सेनानियों और महापुरुषों की स्मृति में सम्मान समारोह

नई दिल्ली। आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आईटीपीओ द्वारा एफआईपी के सहयोग से 22 दिसंबर से 26 दिसंबर तक 26वां दिल्ली पुस्तक मेला और स्टेशनरी ऑफिस ऑटोमेशन व उपहार मेला 2022 का आयोजन किया जाएगा। आरजेएस पॉजिटिव मीडिया और आरजेएस वाणी द्वारा प्रगति मैदान के हॉल नंबर 3-4 के मीडिया सेंटर में आजादी की अमृत गाथा- साहित्यिक गोष्ठी , पुस्तक वितरण और सम्मान समारोह का तीन दिवसीय कार्यक्रम किया जाएगा। आरजेएस राष्ट्रीय संयोजक उदय कुमार मन्ना ने बताया कि कार्यक्रम फिजिकल व वर्चुअल दोनों मोड में होगा जिसमें महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति में सम्मान समारोह भी होगा। सभी कार्यक्रमों का आरजेएस पॉजिटिव मीडिया के यूट्यूब चौनल पर लाईव प्रसारण होगा। श्री मन्ना ने कहा कि शुक्रवार 23 दिसंबर को राष्ट्रीय गणित दिवस पर खुसरो फाउंडेशन के सहयोग से सायं 3 बजे और राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस पर द अवेयर कंज्यूमर के सहयोग से रविवार 25 दिसंबर को सुबह 11 बजे ष्पुस्तकेंरूमन- मस्तिष्क की खुराकष् विषय पर सकारात्मक वार्ता का आयोजन किया जाएगा। शनिवार 24 दिसंबर को पुस्तक मेला में आए प्रकाशकों, लेखकों और मेला दर्शकों के बीच ग्राउंड रिपोर्टिंग की जाएगी। इस कार्यक्रम में अतिथियों व पुस्तक प्रेमियों को आरजेएस पॉजिटिव मीडिया द्वारा डायमंड बुक्स और द अवेयर कंज्यूमर तथा अन्य प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित पुस्तकें व पत्रिकाओं का वितरण किया जाएगा। मेला में अंग्रेजी नववर्ष से नवसंवत्सर 2023 तक आरजेएस प्रसारण-भवन की सकारात्मक पत्रकारिता मुहिम का लोकार्पण होगा। तीन दिवसीय संगोष्ठी में मेला आयोजक आईटीपीओ और एफआईपी के पदाधिकारीगण, पद्मश्री से सम्मानित प्रोफेसर अख्तरुल वासे, नेशनल बुक ट्रस्ट में संपादक व साहित्यकार डा.लालित्य ललित, हिंदी सलाहकार समिति (संस्कृति मंत्रालय,भारत सरकार) के सदस्य डॉ हरिसिंह पाल, उपभोक्ता मामलों के अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ प्रोफेसर बिजॉन कुमार मिश्रा, आरजेएस ऑब्जर्वर दीपचंद माथुर, हिंदी अकादमी के उप सचिव ऋषि कुमार शर्मा, वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव नरेंद्र भंडारी, द टेंपल ऑफ अंडरस्टैंडिंग के महासचिव डॉ एके मर्चेंट, मानवाधिकार कार्यकर्ता शबनम खान, कवि व चित्रकार संजय वशिष्ठ, कवयित्री सपना सक्सेना दत्ता सुहासिनी कवि व संपादक आर एस सुंदरम, एडवोकेट सुदीप साहू और गायक प्रशांत श्रीवास्तव को आमंत्रित किया गया है।

एमसीडी चुनाव में नजफगढ़ की जनता ने आप मंत्री को नकारा

चार सीटों में एक भी नही जीत पाई आप, अब कार्यकर्ताओं में असंतोष का माहौल

नजफगढ़/नई दिल्ली। दिल्ली में एमसीडी चुनाव हो चुके हैं और परिणाम भी सामने आ गये है। हालांकि दिल्ली के एमसीडी चुनाव में आम आदमी पार्टी ने बहुमत के साथ विजय हासिल की है लेकिन फिर भी कई विधानसभा ऐसी है जहां आप के दिग्गज नेता व कैबिनेट मंत्री होते हुए भी आम आदमी पार्टी को हार का मुह देखना पड़ा है। जी हां नजफगढ़ को दिल्ली देहात की राजनीति राजधानी माना जाता है और यहां से आम आदमी पार्टी के विधायक कैलाश गहलोत है जो दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री भी है लेकिन इस विधानसभा की चार पार्षद सीटों पर आप को हार का मुह देखना पड़ा है। या यूं कहें की नजफगढ़ की जनता ने आप के मंत्री को एमसीडी चुनाव में नकार दिया है। चुनाव परिणामों के करीब 15 दिन बाद अब आम आदमी पार्टी में जीत का खुमार उतरा है और पार्टी कार्यकर्ता अब अपने-अपने क्षेत्र का राजनीतिक आंकलन कर रहे है। ठीक इसी तरह नजफगढ़ विधान सभा की चारों पार्षद सीटों पर मिली हार पर भी अब कार्यकर्ता मंथन में जुट गये हैं। कुछ कार्यकर्ता सिर्फ एक सीट को छोड़कर इस हार को हालांकि मामुली अंतर की हार बता रहे है तो कुछ इसे लेकर मंत्री की कार्यशैली पर सवाल उठा रहें है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि सही मार्गदर्शन व दिशा निर्देश नही मिलने से हम सीटे हार गये। वहीं कुछ का कहना है कि पार्टी ने सही व्यक्तियों को उम्मीदवार नही बनाया जिसकारण हम हार गये हालांकि कार्यकर्ताओं ने अपना पूरा जोर लगाया और आम जन ने भी पूरा साथ दिया लेकिन उच्च नेतृत्व ने अपनी सही भूमिका नही निभाई। हर तरफ से रह-रहकर यही सवाल खड़ा हो रहा है कि आखिर मंत्री कैलाश गहलोत ने कार्यकर्ताओं का मार्ग दर्शन क्यों नही किया। आप मंत्री कैलाश गहलोत की कार्यशैली से असंतुष्ट कार्यकर्ता अब केजरीवाल का दरवाजा खटखटाने की बात भी कह रहे हैं। उनका कहना है कि कुछ नेता पार्टी में अपनी ही राजनीति कर रहे है जो आने वाले लोकसभा व विधानसभा चुनावों के लिए ठीक नही होगा। इसलिए उच्च स्तर पर भी पार्टी नेताओं का इस पर मंथन करना होगा।

दिल्ली में 24 दिसंबर को प्रवेश करेगी भारत जोड़ो यात्रा

नई दिल्ली। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा 24 दिसंबर को दिल्ली में प्रवेश कर रही है। जिसे देखते हुए कांग्रेस राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को सफल बनाने के लिए पुरजोर कोशिश कर रही है। भारी संख्या में लोगों के यात्रा में जुड़ने से कांग्रेस का उत्साह बढ़ गया है। दिल्ली में भी यात्रा को सफल बनाने के लिए भारी संख्या में लोगों को जोड़ने की कोशिश की जा रही है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने एक मोबाइल नंबर (9625777907) जारी किया है, जिस पर मिस्ड कॉल कर यात्रा से जुड़ा जा सकता है। इस मोबाइल नंबर पर व्हाट्सएप से मैसेज करके जुड़ा जा सकता है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में इसके लिए विशेष पास भी जारी किए जा रहे हैं। मोबाइल पर लोगों को ई-पास भी जारी किया जायेगा। इसके अलावा वेबसाइट पर जाकर एक फॉर्म भरकर भी यात्रा से जुड़ा जा सकेगा। यात्रा में लोग व्यक्तिगत, कांग्रेस कार्यकर्ता या किसी स्वतंत्र संगठन की हैसियत से भी जुड़ सकेंगे। कांग्रेस इन सूचनाओं को जनता तक पहुंचाने के लिए विभिन्न माध्यमों का इस्तेमाल करेगी। सोशल मीडिया, मुख्य धारा की मीडिया के साथ-साथ रेडियो एफएम और अन्य माध्यमों से भी यात्रा का प्रचार किया जायेगा। यात्रा बदरपुर से आश्रम और निजामुद्दीन के मार्ग से निकलेगी। राहुल गांधी इस बीच राजघाट पर जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने मंगलवार को एक प्रेस कांफ्रेंस करते हुए बताया कि यात्रा को सफल बनाने के लिए पार्टी ने पूरी तैयारी कर रखी है।

पंजाब में युवाओं में बढ़ रहा विदेश जाने का क्रेज, हर चौथे व्यक्ति के पास है पासपोर्ट

चंडीगढ़। पंजाब में युवाओं में विदेश जाने का क्रेज बढ़ रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार पंजाब के हर चौथे व्यक्ति के पास पासपोर्ट मौजूद है। पंजाबी विदेशों में कामकाज व पढ़ाई को काफी तरजीह दे रहे हैं। आंकड़ों की माने तो पंजाब में अभी तक कुल 77.17 लाख पासपोर्ट लोगों के पास है जिसके साथ पंजाब सबसे ज्यादा पासपोर्ट रखने वाला देश का चौथा राज्य बन गया है। खास बात यह है कि केवल इसी साल नवंबर तक राज्य में 7.40 लाख पासपोर्ट बन चुके हैं, जबकि बीते वर्ष यह आंकड़ा 6.44 लाख था। विदेश मंत्रालय के ताजा आंकड़ों पर गौर करें तो 1.12 करोड़ पासपोर्ट के साथ केरल पहले स्थान पर, जबकि 12 करोड़ से अधिक आबादी वाला राज्य महाराष्ट्र, 1.4 करोड़ पासपोर्ट के साथ दूसरे स्थान पर है। इसी तरह उत्तर प्रदेश में लोग विदेश जाने के मामले में पीछे नहीं हैं, 87.4 लाख पासपोर्ट के साथ यह राज्य तीसरे स्थान पर है। वहीं, करीब तीन करोड़ की आबादी वाला पंजाब इस मामले में देश भर में चौथे स्थान पर है। स्टडी वीजा और कामकाज के लिए पंजाबी लगातार विदेश जा रहे हैं। वैसे तो विश्व के हर कोने में पंजाबी पाये जाते है लेकिन कनाडा, यूके, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन आदि देशों में पंजाबियों की खासी संख्या है। कनाडा में तो पंजाबियों का ऐसा जलवा है कि वहां कई सूचना बोर्ड भी पंजाबी भाषा में लग चुके हैं। पंजाब के अग्रणी ट्रेवल एजेंट निधि बहल, गुरप्रीत सिंह चावला और गौरव शर्मा ने बताया कि इस साल पासपोर्ट बनवाने वालों की संख्या में इजाफा हुआ है। लोग स्टडी वीजा और वर्क परमिट पर विदेश जा रहे हैं। पंजाब के जालंधर में सर्वाधिक 9.58 लाख पासपोर्ट धारक हैं।

लुधियाना में 7.28 लाख, होशियारपुर में 5.67 लाख, पटियाला में 4.88 लाख, संगरूर में 3.20 लाख, बठिंडा में 2.47 लाख और मानसा जिले में 86,352 पासपोर्ट धारक हैं।

ऐटा फर्जी एनकाउंटर में पांच पुलिसकर्मियों को आजीवन कारावास

गाजियाबाद। एटा में 16 साल पहले फर्नीचर कारीगर राजाराम की हत्या कर मुठभेड़ का रूप देने के मामले में आरोपी नौ पुलिसकर्मियों को बुधवार को सीबीआई की अदालत ने 20-20 साल कैद की सजा सुनाई। इसके अलावा दोषी पुलिसकर्मियों पर जुर्माना भी लगा है। एक आरोपी पुलिसकर्मी की मुकदमे की सुनवाई के दौरान मौत हो चुकी है। वर्ष 2009 में आरोप पत्र दाखिल होने के बाद 13 साल चली सुनवाई में 202 लोगों की गवाही के बाद साबित हुआ कि सिपाही राजेंद्र ने राजाराम से अपने घर की रसोई में काम कराया था। राजाराम ने मजदूरी के पैसे मांग लिए थे। सिपाही ने मना किया तो राजाराम अड़ गया था। इसी पर सिपाही ने साजिश रच ली। राजाराम पर एक भी केस दर्ज न होने के बावजूद सिढ़पुरा थाने की पुलिस ने उसे लुटेरा बताया। उसका शव परिवारवालों को देने के बजाय खुद ही अज्ञात में दाह संस्कार कर दिया था। सीबीआई के विशेष लोक अभियोजक अनुराग मोदी ने अदालत को बताया कि हाईकोर्ट में दर्ज परिवाद में राजाराम की पत्नी संतोष कुमारी ने बताया था कि उसके पति को थाना सिढ़पुरा जिला एटा के पुलिसकर्मी पवन सिंह, पालसिंह ठेनुवा, अजंट सिंह, सरनाम सिंह और राजेन्द्र प्रसाद ने 18 अगस्त 2006 को दोपहर तीन बजे उठा लिया था।

कोरोना | देश में फिर लागू हो सकते हैं कोरोना के ये नियम, समझें सरकार की तैयारी

पडौसी के कारण भारत में फिर कोरोना का खौफ

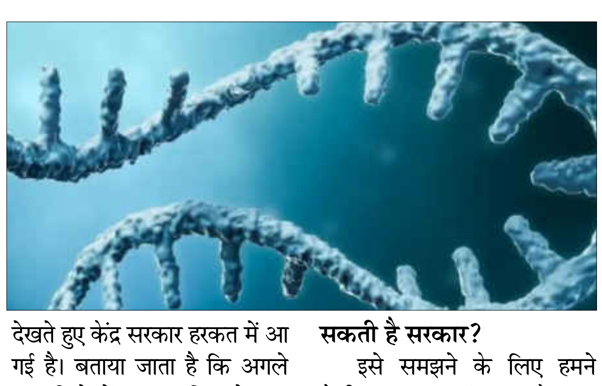

नई दिल्ली। विश्व में एक बार फिर कोरोना की नई लहर की आशंका बल पकड़ती जा रही है। चीन, जापान, ब्राजील व अमेरिका सहित कई देशों में कोरोना का संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। अकेले चीन में अगले तीन महीने के अंदर 80 करोड़ से ज्यादा लोगों के संक्रमण की चपेट में आने की आशंका है। जिसे देखते हुए भारत में भी अब कोरोना का खौफ दिखने लगा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के 10 प्रतिशत से ज्यादा लोग अगले तीन महीने के अंदर संक्रमण की चपेट में आ सकते हैं।

ऐसे में भारत के अंदर भी संक्रमण के बढ़ने का खतरा बढ़ गया है। दुनियाभर में बढ़ रहे मामलों को देखते हुए केंद्र सरकार हरकत में आ गई है। बताया जाता है कि अगले कुछ दिनों में सरकार फिर से कुछ नियमों को लागू कर सकती है, जिसे सभी को मानना अनिवार्य होगा। आइए समझते हैं कि कोरोना के रोकथाम के लिए सरकार ने क्या-क्या तैयारियां की हैं?

किन नियमों को लागू कर सकती है सरकार?

इसे समझने के लिए हमने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अफसर से बात की। उन्होंने कहा, श्कोरोना की हर परिस्थिति से निपटने के लिए अभी हम तैयार हैं। भारत में अभी ज्यादा खतरा नहीं है, लेकिन फिर भी ऐहतियातन हमें हर तरह की सावधानी बरतनी चाहिए। इसी को देखते हुए हम कोविड प्रोटोकॉल को फिर से लागू करने पर विचार कर रहे हैं।

1. सार्वजनिक स्थानों पर मास्क को फिर से किया जा सकता है अनिवार्य रू कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए सार्वजनिक स्थानों पर फिर से मास्क पहनने को अनिवार्य किया जा सकता है। खासतौर पर उन लोगों के लिए जिनमें कोरोना के लक्षण हैं। मसलन खांसी, जुखाम या किसी तरह के वायरल होने पर लोगों को मास्क पहनना अनिवार्य होगा।

2. सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का करना होगा पालनरू कोरोना के घटते केस के बाद लोगों ने सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करना भी छोड़ दिया था। अब एक बार फिर से इसे सख्ती से लागू करवाया जा सकता है।

3. एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर रैंडम टेस्टिंगरू दिल्ली, मुंबई समेत सभी बड़े एयरपोर्ट पर रैंडम कोरोना टेस्टिंग की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। खासतौर पर उन लोगों की जांच पर फोकस किया जाएगा, जो कोरोना प्रभावित देश से लौट रहे हैं। ऐसे लोगों की जांच होगी और अगर उनमें संक्रमण मिलता है जो जीनोम सिक्रेंसिंग करके कोविड के अन्य प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा। इसी तरह रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर भी रैंडम टेस्टिंग शुरू कराने की तैयारी है।

4. बूस्टर डोज में लाई जाएगी तेजीरू अब तक 23 करोड़ से ज्यादा लोगों को कोरोना वैक्सीन का बूस्टर डोज लगाया जा चुका है। अब इसकी संख्या तेजी से बढ़ाने पर सरकार फोकस कर रही है। ज्यादा से ज्यादा लोगों को बूस्टर डोज लग सके, इसलिए व्यवस्था होगी।

5. जिनोम सिक्रेंसिंग शुरू हुईरू देश के कई लैब में जिनोम सिक्रेंसिंग की प्रक्रिया फिर से शुरू कर दी गई है। यहां कोरोना मरीजों के सैंपल लाकर चेक किए जाते हैं कि कहीं संक्रमण का कोई नया वैरिएंट तो नहीं आ गया है। जिससे समय रहते बचाव के लिए कदम उठाए जा सकें।

6. टेस्टिंग, ट्रेसिंग और ट्रिटमेंट पर फोकसरू कोरोना के मामलों को भारत में बढ़ने से रोकने के लिए सरकार ने टेस्टिंग, ट्रेसिंग और ट्रिटमेंट वाले फॉर्मूले पर फोकस करने का फैसला लिया है।

खास ख़बर

दिल्ली में 1 से 12 जनवरी तक बंद रहेंगे सरकारी स्कूल

नई दिल्ली। दिल्ली में शीतकालीन अवकाश के तहत सभी सरकारी स्कूल एक जनवरी से 12 जनवरी तक बंद रहेंगे। प्रदेश सरकार ने गुरुवार को यह घोषणा की। दिल्ली सरकार ने एक विज्ञप्ति जारी कर बताया कि शिक्षा निदेशालय के आदेश के तहत सभी सरकारी स्कूल 1 जनवरी से 12 जनवरी 2023 तक शीतकालीन अवकाश के दौरान बंद रहेंगे। नौवीं से 12वीं कक्षा के लिए दो जनवरी से 14 जनवरी 2023 तक रेमेडियल क्लास आयोजित की जाएंगीं।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी रोकने के लिए दिल्ली पुलिस ने चलाया ऑपरेशन मासूम, -105 केस दर्ज, 36 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की आईएफएसओ यूनिट ने चाइल्ड पोर्नोग्राफी रोकने के लिए ऑपरेशन मासूम चलाया है। जिसके तहत पुलिस ने बाल अश्लील सामग्री से संबंधित उल्लंघन के मामलों की जानकारी जुटाई और कई आरोपियों को गिरफ्तार किया। इस संबंध में सौ से ज्यादा मामले दर्ज किए गए।जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने पूरी दिल्ली में छापेमारी के बाद चाइल्ड पोर्नोग्राफी से जुड़े 105 केस दर्ज किए गए और 36 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

आप उम्मीदवार शैली ओबराय का मेयर चुना जाना लगभग तय

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने शुक्रवार को महापौर और उपमहापौर समेत एमसीडी के विभिन्न पदों के लिए अपने छह उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप दिया, जिसमें महापौर पद के लिए शैली ओबरॉय का नाम है जिसका दिल्ली का मेयर चुना जाना लगभग तय है। 'आप के वरिष्ठ नेता पंकज गुप्ता ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान नामों की घोषणा की। पार्टी ने अपनी राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) की बैठक की और चर्चा के बाद छह नामों को चुना गया है। पार्टी की तरफ से महापौर पद की उम्मीदवार के तौर पर शैली ओबेरॉय का नाम तय हुआ है जबकि उपमहापौर पद के लिए 'आप के विधायक शोएब इकबाल के बेटे आले मोहम्मद इकबाल का नाम सामने आया है।

स्थायी समिति के लिए चुने गए चार नाम में करावल नगर से पार्षद आमिल मलिक, हरि नगर से पार्षद रमिंदर कौर, सीमापुरी से पार्षद मोहिनी जीनवाल और जंगपुरा से पार्षद सारिका चौधरी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि सात दिसंबर को 'आप ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की 250 में से 134 सीट पर जीत हासिल करके भाजपा के 15 साल तक चले शासन पर विराम लगा दिया था।

फिर डरा रहा कोरोना, भारत में भी पैर फैलाने लगा चीन का कोरोना वैरिएंट!

➲ पल-पल रंग बदल रहा कोरोना, ये 16 लक्षण दिखें तो हो जाएं सावधान

हैल्थ डेस्क। दुनिया के कई देशों में कोविड-19 संक्रमण फिर से फैलने लगा है। समय के साथ कोरोना पल-पल रंग बदल रहा है। इस वायरस के नए-नए वैरिएंट सामने आ रहे हैं और म्यूटेशन के कारण यह वायरस अपने लक्षण भी बदल रहा है। चीन में कोहराम मचा रहा कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वैरिएंट के बीएफ-7 सब-वैरिएंट के मामले अब भारत में भी सामने आए हैं। इसके लक्षण क्या हैं, ये विस्तार से जानिए?

कोविड-19 के बढ़ते हुए मामलों ने एक बार फिर दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। कोरोना से लोगों को थोड़ी राहत मिली ही थी कि फिर से चीन, जापान, अर्जेंटीना, दक्षिण कोरिया, अमेरिका और ब्राजील जैसे देशों में केस बढ़ने शुरू हो गए हैं। मरीजों के बढ़ते हुए आंकड़ों को देखते हुए भारत के स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी मीटिंग बुलाई जिसमें कई अहम फैसले लिए गए। चीन में कोविड-19 मामलों में उछाल के लिए

जिम्मेदार ओमिक्रॉन के बीएफ-7 वैरिएंट के चार मामले भारत में भी पाए गए हैं। गुजरात में जो 61 वर्षीय एनआरआई महिला कोविड पॉजिटिव पाई गई है, उसे वैक्सीन की तीन डोज लगी हुई थीं। कोरोनावायरस लगातार म्यूटेट हो रहा है और म्यूटेशन के कारण इसके लक्षण भी बदल रहे हैं। कई ऐसे मामले भी सामने आए हैं जिनमें वैक्सीनेशन करा चुके लोग भी कोविड पॉजिटिव हो रहे हैं। दरअसल, कई ऐसे लक्षण हैं जिन्हें कोई भी इंसान सामान्य मानकर अनदेखा कर देता है लेकिन वे लक्षण कोरोना के भी हो सकते हैं। यूके की हेल्थ स्टडी ऐप जोए पर संक्रमित हुए लोग अपने लक्षण बताते हैं। इस ऐप पर पिछले कुछ दिनों में संक्रमित लोगों ने कौन से लक्षणों के बारे में बताया है? इस बारे में जान लीजिए.

एक्सप्रेस.को.यूके के अनुसार, कोरोना महामारी की शुरुआत के बाद से जोए ऐप लगातार कोविड के लक्षणों के बारे में यह जानकारी दे रहा है कि समय के साथ लोगों में लक्षण किस तरह बदल रहे हैं। हर वायरस की तरह सार्स-कोव-2 कोरोना वायरस जो कोविड-19 का कारण

बनता है, फैलने की क्षमता और इसके लक्षणों के कारण म्यूटेट हो रहा है।

आज हम आप सभी को सावधान व सुरक्षित रहने के लिए कोविड-19 के सबसे आम लक्षण बताने जा रहे हैं जिन्हें अनदेखा नहीं करना चाहिए-

- गले में खराश
- छींक
- बहती नाक
- बंद नाक
- बिना कफ वाली खांसी
- सिरदर्द
- कफ के साथ खांसी
- बोलने में परेशानी
- मांसपेशियों में दर्द
- गंध ना आना
- अधिक बुखार
- कंपकंपी के साथ बुखार
- लगातार खांसी
- सांसों लेने में समस्या
- थकान महसूस होना
- भूख में कमी
- डायरिया
- बीमार होना

अब खास से बहुत आम हो गया है कोरोना

जोए हेल्थ स्टडी के मुताबिक, गंध की कमी और सांस लेने में तकलीफ होना कोविड-19 के बीएफ-7 वैरिएंट के समान लक्षण हैं। कोरोना के अन्य वैरिएंट में भी यह सबसे कॉमन लक्षण था। एनोस्मिया कोविड-19 का एक मुख्य संकेत हुआ करता था लेकिन जिन लोगों को कोविड हो रहा है उनमें से सिर्फ 16 प्रतिशत लोग ही इसे अनुभव कर रहे है।

लक्षण दिखें तो क्या करें?

नेशनल हेल्थ सर्विस का कहना है कि कई लोग पांच दिन बाद भी दूसरों में संक्रमण नहीं फैलाते लेकिन कुछ लोग संक्रमित होने के 10 दिन बाद तक संक्रमण फैला सकते हैं इसलिए जिन लोगों को कोई लक्षण नजर आ रहे हैं उन्हें अनदेखा करने की जगह पांच दिन तक अन्य लोगों के संपर्क में आने से बचना चाहिए और कम से कम 10 दिनों तक बुजुर्ग-बच्चों या बीमार लोगों से मिलने से बचना चाहिए।

सावधान रहने की जरूरत

हालांकि भारत में कोविड वैक्सीनेशन अभियान पूरी तरह से हो चुका है लेकिन चीन में कोरोना का नया वैरियंट कोहराम मचा रहा है। चीन में फैला वर्तमान कोरोना न केवल चीन के लिए एक दुःखद त्रासदी है, बल्कि वैश्विक आबादी को

रॉबर्ट वाड्रा व उनकी मां की बढने वाली है मुश्किल, हाईकोर्ट ने याचिका की खारिज

➲ राजस्थान के बीकानेर में रॉबर्ट वाड्रा और उनकी मां मौरीन वाड्रा की कंपनी स्काइलाइट हॉस्पिटैलिटी के खिलाफ फर्जीवाड़ा करने का है मामला

जयपुर। बीकानेर में जमीन के फर्जीवाड़े को लेकर सोनिया गांधी के दामाद और प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा और उनकी मां मौरीन वाड्रा की मुसीबतें बढ़ने वाली हैं। राजस्थान हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी है। हालांकि, दो हफ्ते तक अपील की इजाजत देकर उनकी गिरफ्तारी में राहत दी गई है।

राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस पुष्पेंद्र सिंह की बेंच ने साफ कहा है कि रॉबर्ट और उनकी मां को इस मामले में ईडी की जांच में सहयोग करना होगा। दो हफ्ते में अपील की मोहल्लत दी गई है। तब तक गिरफ्तारी पर रोक कायम रहेगी। मामला बीकानेर में सरकारी जमीन की खरीद-फरोख्त में हुई धोखाधड़ी से जुड़ा है। इस मामले में रॉबर्ट और

उनकी मां मौरीन की गिरफ्तारी पर पहले भी रोक लगा रखी थी। बीकानेर के कोलायत में जमीन की खरीद-फरोख्त के मामले में रॉबर्ट वाड्रा और उनकी मां मौरीन वाड्रा की कंपनी स्काइलाइट हॉस्पिटैलिटी के खिलाफ फर्जीवाड़ा होने के आरोप होने के चलते ईडी ने कार्यवाही शुरू की थी। 2018 में हाईकोर्ट में वाड्रा ने याचिका लगाकर ईडी की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की थी। इस मामले में 80 से अधिक सुनवाई के बाद सिंगल बेंच ने ईडी की करवाई पर रोक लगाने से इंकार कर दिया है। इसके बाद ईडी किसी भी समय रॉबर्ट वाड्रा को पूछताछ के लिए नोटिस जारी कर सकती है।

क्या है मामला

यह मामला 2018 में बीकानेर के कोलायत में सरकारी जमीन की खरीद-फरोख्त से जुड़ा हुआ है। पुलिस ने कोलायत में सरकारी जमीन फर्जीवाड़े के मामले में एफआईआर दर्ज की थी। इसके बाद सीबीआई ने इस मामले की जांच अपने हाथ में ली।

सरकारी जमीन के फर्जीवाड़े को देखते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक ईसीआर दर्ज की थी। स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी एलएलपी कंपनी के साझेदारों के खिलाफ ईडी ने साक्ष्य एकत्रित किए हैं। ईडी ने रॉबर्ट और उनकी मां मौरीन की गिरफ्तारी के लिए भी याचिका लगाई थी, जिस पर कोर्ट ने रोक लगा रखी है। बीकानेर के कोलायत क्षेत्र स्थित जमीन खसरा नंबर 711/499 , 710/499 की 120 बीघा जमीन की अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में खरीद कर वर्ष 2010 में रजिस्ट्री करवाई गई। इसके लिए रॉबर्ट वाड्रा और मां मौरीन वाड्रा ने एक चेक दिया था। इस चेक द्वारा बिचौलिए महेश नागर ने अपने ड्राइवर के नाम जमीन खरीदकर पूरे घोटाले को अंजाम दिया था। मामले में 2014 में एफआईआर दर्ज हुई थी। इसमें 12.65 हैक्टेयर सरकारी जमीन के लिए सरकारी कर्मचारी व अधिकारी व भू-माफिया से सांठगांठ कर दस्तावेज बनाकर खरीद-फरोख्त कर सरकारी जमीन हड़पने के मामले में कोलायत के तत्कालीन थानाधिकारी बूटा सिंह ने धारा 420, 467, 468, 471, 120ठ में मामले की जांच कर रिपोर्ट पेश की हैं।

फडणवीस की पत्नी अमृता ने अपने बयान से चौंकाया, मोदी को बताया राष्ट्रपिता

नागपुर/नई दिल्ली। महाराष्ट्र के डिप्टी ब्ड देवेंद्र फडणवीस की पत्नी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आधुनिक भारत का राष्ट्रपिता बताया है। उनसे जब महात्मा गांधी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि देश के दो राष्ट्रपिता हैं।

अमृता फडणवीस मंगलवार को नागपुर में 'अभिव्यक्ति वैदर्भीय लेखिका संस्था' की ओर से 'अभिरूप न्यायालय' कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंची थीं। इस दौरान ही डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता ने यह बयान दिया।

महात्मा गांधी पुराने समय के राष्ट्रपिता- अमृता

अमृता फडणवीस सिर्फ दो राष्ट्रपिता कहकर ही नहीं रुकीं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी पुराने समय के, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नए भारत के राष्ट्रपिता हैं। बता दें कि 3 महीने पहले भी अमृता फडणवीस ने नरेंद्र मोदी का जिक्र राष्ट्रपिता कह कर किया था। 17 सितंबर को पीएम मोदी के जन्मदिन के मौके पर ट्वीट में फादर ऑफ मॉडर्न इंडिया लिखा था। हालांकि इसके बाद उन्होंने यह भी कहा- मेरी राजनीति में आने में कोई रुचि नहीं है। मैं राजनीति के काम में अपने 24 घंटे नहीं दे सकती। मेरे पति 24 घंटे समाज के काम के लिए देते हैं, इसलिए जो 24 घंटे राजनीति और समाज के लिए दे सकते हैं, वही राजनीति करने लायक हैं। देवेंद्र जी को मुख्यमंत्री होना चाहिए।

डोनाल्ड ट्रम्प ने भी मोदी को कहा था फॉदर ऑफ इंडिया

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद उन्हें फादर ऑफ इंडिया कहा था। एक औपचारिक मुलाकात के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ट्रम्प ने कहा था।

यूपी को लेकर सीएम योगी ने की पीएम मोदी से मुलाकात

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रधानमंत्री आवास पर पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान कई मुद्दों पर चर्चा हुई। कोविड की चीन में जो स्थिति चल रही है उसे लेकर इस मुलाकात को अहम माना जा रहा है। विकास योजनाओं के साथ ही कोविड को लेकर सतर्कता और उसकी तैयारियों को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश से संबंधित जानकारी पीएम मोदी के साथ शेयर की। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी को फूलों का गुलदस्ता भी भेंट किया।

इसके साथ ही नगरीय निकाय चुनाव को लेकर दायर याचिका पर उच्च न्यायालय के फैसले से यदि निकाय चुनाव टालने की नौबत आई तो भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी की नई टीम की घोषणा जनवरी में हो सकती है। प्रदेश टीम में जातीय समीकरण के हिसाब से कुछ नए चेहरों को जगह मिलेगी वहीं सालों से जमे कुछ पदाधिकारी बाहर हो जाएंगे। प्रदेश मंत्री और उपाध्यक्ष स्तर के मौजूदा पदाधिकारियों को पदोन्नति मिलेगी तो क्षेत्रीय अध्यक्ष और मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष भी बदले जाएंगे। इन चुनावों को भाजपा 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से जोड़कर देख रही है। इसकी तैयारियों के बारे में योगी जी ने पीएम मोदी को अवगत कराया। इसके साथ ही उन्होंने कोरोना की स्थिति को लेकर चर्चा की और पीएम को बताया कि स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारियों को अलर्ट करते हुए चिकित्सा संबंधी सारी व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए हैं।

रामसेतु पर राजनीति करने वालों की केंद्र सरकार ने निकाली हवा

नई दिल्ली। पिछले काफी समय से रामसेतु को लेकर अपनी राजनीति चमका रहे भाजपा नेताओं व दूसरे धार्मिक संगठनों के नेताओं की केंद्र सरकार ने हवा निकाल दी है। गुरूवार को रामसेतु पर राज्य सभा में प्रश्नकाल के दौरान विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी तथा अंतरिक्ष विभाग के मंत्री डा. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि मौजूदा अवशेषों से रामसेतु की पुष्टि संभव नही है। श्री सिंह ने राज्य सभा में कहा कि रामसेतु को लेकर अंतरिक्ष प्रोद्योगिकी के माध्यम से जिन अवशेषों की खोज हुई है, उन्हे निश्चित राम सेतु पुल का हिस्सा या अवशेष नही कहा जा सकता। मगर रामसेतु वाले स्थान पर उस सामग्री की एक निश्चित मात्रा में मौजूदगी से कुछ अनुमान लगाया जा सकता है। उनसे कार्तिकिय शर्मा ने सवाल पूछा था कि क्या सरकार आधुनिक प्रौद्योगिकी के जरिये देश के गौरवशाली अतीत का

मूल्याकंन करने का प्रयास कर रही है। इसके जवाब में श्री सिंह ने कहा कि उन्हे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि अंतरिक्ष विभाग इस कार्य को कर रहा है। इस दिशा में हड़प्पा सभ्यता के संबंध में भी हमने कुछ अवशेष और जानकारी हासिल की है। रामसेतु के विषय में पता लगाने की हमारी कुछ सीमाएं हैं, क्योंकि इसका इतिहास 18 हजार साल से ज्यादा पुराना है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा अंतरिक्ष विभाग के मंत्री डा. जितेन्द्र सिंह ने बताया कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के जरिए हमने कुछ टूकड़े, द्वीपों के अवशेष, चूना पत्थरों के समूह की खोज की है। लेकिन इन्हे निश्चित रूप से अवशेष या पुल के हिससे नही कहा जा सकता है। हालांकि उस स्थान पर निश्चित मात्रा में उनकी मौजूदगी से कुछ अनुमान लगाया जा सकता है। संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि वास्तव में वहां मौजूद संरचना को चिन्हित करना मुश्किल है।

सवाल पुलिस ने पॉक्सो कानून के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

दिल्ली में रूक नही रही बच्चियों के प्रति दरिंदगी, कानून व्यवस्था पर उठ रहे सवाल

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में महिलाओं व बच्चियों के खिलाफ दरिंदगी रूकने का नाम नही ले रही है। हालांकि दिल्ली पुलिस महिलाओं को कई योजनाओं के जरिये सशक्त बनाने का दावा करती है तथा कई ऐप के सहारे उनकी सुरक्षा का दावा भी करती है लेकिन फिर भी दिल्ली में महिलाओं के प्रति अपराध रूकने की बजाये बढ़ते ही जा रहे हैं। जिसे देखते हुए लोग अब कानून व्यवस्था पर सवाल उठाने लगे हैं।

दिल्ली के भलस्वा डेयरी इलाके में चार साल की बच्ची को अगवा कर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। घटना के समय बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। अगले दिन गुरुवार सुबह बच्ची एक पार्क के पास गंभीर अवस्था में मिली। मासूम को बाबू जगजीवन राम अस्पताल ले जाया गया जहां से डॉक्टरों ने उसे रोहिणी स्थित आंबेडकर अस्पताल रेफर कर दिया है। बच्ची की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने पॉक्सो कानून के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

जांच के दौरान पुलिस को एक सीसीटीवी फुटेज मिला है, जिसमें एक युवक बच्ची को ले जाते हुए दिखाई दे रहा है। बुधवार शाम बच्ची के गायब होने के बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। काफी तलाश के बाद जब बच्ची नहीं मिली, तो पीड़ित परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। गुरुवार सुबह बच्ची एक पार्क के पास गंभीर

अवस्था में मिली। परिवार ने पुलिस पर छानबीन में कोताही बरतने का आरोप लगाया है।

3 साल की मासूम बच्ची के साथ नशेड़ी ने किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली/- इंसानियत को तार-तार कर देने वाला एक मामला उस समय प्रकाश में आया जब एक मासूम अपने घर के बाहर खेल रही

थी तभी एक नशेड़ी बच्ची को बहला-फुसलाकर एक मकान में ले गया और वहां उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। मामला हर्ष विहार इलाके का है जहां बच्ची ने जब शोर मचाया तो आसपास के लोगों आ गए और आरोपी को पकडक़र पुलिस के हवाले कर दिया। पकड़ा गया आरोपी 32 साल का सुंदर नगरी निवासी है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता तीन साल की बच्ची हर्ष विहार इलाके में रहती है। उसके परिवार में माता-पिता के अलावा एक भाई है। पिता इलाके में सब्जी बेचने का काम करते हैं। और किराए के मकान में रहते हैं। सोमवार शाम बची घर के बाहर खेल रही थी तभी आरोपी वहां घूमता हुआ पहुंच गया बच्ची का अकेला देख उसे बहला-फुसलाकर एक दूसरे मकान में ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता के शोर मचाने पर आसपास के लोग वहां पहुंचे और आरोपी को मौके पर पकड़ लिया और घटना की जानकारी पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और पीड़िता को इलाज के लिए अस्पताल लेजाया गया। मेडिकल जांच के बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच में पता चला कि आरोपी नशे का आदि है।

पड़ोसी के घर में ले जाकर दिया वारदात को अंजाम...

पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस मामले की जांच की जा रही है कि आखिर पड़ोसियों को कैसे नहीं पता चला कि उनके घर में कोई वारदात को अंजाम दे रहा है। पुलिस उस मकान मालिक से भी पूछताछ कर रही है जिस घर में बच्ची के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया।

दखल

सीने में लाक्षागृह, अधरों पर कोलाहल

सोशल मीडिया के शोर में संवेदना रूपी द्रोपदी का सरेआम चीरहरण हो रहा है और वे लोग जो इससे दुखी और व्यथित हैं वो भीष्म पितामह की तरह खामोशी से तमाशा देख रहे हैं। दुर्योधन और शकुनी के दांव में फंसकर पांडव चुप हैं और धृतराष्ट्र के पुत्र मोह ने राजसभा के मुंह पर ताला डाला हुआ है। ऐसा ही कुछ महसूस हो रहा है जब एक मां के निधन के समाचार के बाद सोशल मीडिया पर अभिव्यक्ति के नाम पर कुछ भी परोसा जा रहा है।

कोई महिला बहुत सुंदर हो सकती है, वो हीरोइन या विश्वसुंदरी हो सकती है...लेकिन दुनिया की कोई भी खूबसूरत महिला मां से सुंदर और अच्छी नहीं हो सकती। मां किसी की भी हो उसे धरती पर ईश्वर का स्वरूप और प्रथम गुरु के रूप में माना जाता है। कोहरे की सर्द सुबह में रजाइयों में अंगड़ाई लेते उठने के बाद एक मां के निधन का समाचार चारों तरफ छाया रहा। और ऐसा हो भी क्यों ना, क्योंकि यह मां साधारण नहीं देश के प्रथम सेवक की मां थी। ऐसी मां हीरा बा जिसने अपने अंश को शक्तिपुंज बनाकर राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित कर दिया। जिनका बेटा आज ध्रुवतारे के समान देश और विश्व में ना सिर्फ चमक रहा है बल्कि उसमें आम लोग एक शक्तिशाली विश्वनेता की छवि देख रहे हैं।

टेलीविजन और सोशल मीडिया के माध्यम से सुबह-सुबह देश के पीएम नरेंद्र मोदी की मां हीरा बा के नहीं रहने का समाचार लोगों को मिला। उम्मीद थी कि अब अहमदाबाद में एक-दो दिन वीवीआईपी मूवमेंट रहेगा। देश के बड़े-बड़े राजनेता व ताकतवर लोग जाकर प्रधानमंत्री की मां को श्रद्धांजलि देंगे। बड़े नेताओं के घरों में किसी मौत के बाद इस तरह के दृश्य कोई नई बात तो नहीं हैं। ऐसा होता रहा है और शायद आगे भी होता रहेगा। मगर इससे उलट ऐसा कुछ नहीं हुआ और बड़े ही साधारण ढंग से उनकी अंत्येष्टि कर दी गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बेटे का फर्ज निभाते हुए मां की अर्थी को कांधा दिया और चरणों में जल समर्पित कर उसे प्रसाद के रूप में ग्रहण किया।

दोपहर होने तक शवयात्रा से लेकर अंतिम विदाई तक की प्रक्रिया पूरी हो गई और मां को नम आँखों से विदा करने के कुछ देर बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर्तव्य के पथ पर आगे बढ़ गए। उन्होंने तय कार्यक्रमों के तहत कोलकत्ता में पूर्वी भारत की पहली वंदे भारत ट्रैन को वर्चुअल हरी झंडी दिखाई और पश्चिम बंगाल के लिए 58 हजार करोड़ की कई योजनाओं का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कोलकत्ता नहीं पहुंच पाने का दुख भी जताया और रेलवे और अन्य क्षेत्रों में देश जिस तेजी से तरक्की कर रहा है, उसके बारे में भी बात की। परिजनों ने भी सबसे आग्रह किया कि सब अपना काम करें, यहीं सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

एक तरफ जहां शोक संदेशों की बाढ़ आ गई और नेताओं और आम लोगों ने अपने-अपने तरीके से श्रद्धा सुमन अर्पित कर अपनी भावनाओं का इजहार किया, वहीं दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर एक वर्ग ऐसा प्रकट हुआ जिसने इस गमगीन माहौल में भी मोदी पर अपने तरकश से एक के बाद एक तीर चलाना शुरू कर दिए। मां के निधन के बाद आयोजनों में भाग लेने को किसी ने इंवेट बताया तो किसी ने पब्लिसिटी की भूख। जिसके भीतर जो विष था वह विभिन्न तरीकों से बाहर आने लगा। सोशल मीडिया पर इस विषय को लेकर कई तरह के मीम बनाए गए। सोशल मीडिया के माध्यम से जिस तरह के विचार प्रकट किए गए, वह इस नाजुक मौके पर किसी तरह से भी सही नहीं ठहराए जा सकते हैं। कुछ का स्तर तो इतना गिरा हुआ था कि उसे लिखा भी नहीं जा सकता है।

इन सबके बीच एक बात तो सामने आई कि धर्म, समाज, संस्कृति, जीवन मूल्यों, परिवार की दुहाई देने वाले देश में संवेदनाओं का स्तर बहुत निचले स्तर पर आ रहा है। हालांकि यह पहला मौका नहीं है। इसके पहले भी कई गंभीर व संवेदनशील मुद्दों पर सोशल मीडिया में ऐसा ही ऊटपटांग होता आया है। जिस देश में मृत्यु के बाद हम सबको स्वर्गीय, गौलोकवासी आदि शब्दों से संबोधित कर सम्मान देते रहे हैं, उस देश में एक मां की मृत्यु पर भी इतनी असंवेदनशीलता कहीं ना कहीं खलती जरूर है। ऐसे अवसरों पर तो हमारी संस्कृति और सभ्यता में दुश्मन और खराब से खराब व्यक्ति को भी मृत्यु के बाद अच्छे शब्दों से संबोधित कर सम्मान दिया जाता रहा है। पर पता नहीं क्या हुआ है और ऐसा क्यों हो रहा है यह समझ से परे है।

तारीफ करनी पड़ेगी कांग्रेस पार्टी की, जिसने संवेदनशीलता को महसूस किया और ना सिर्फ अफसोस जताया बल्कि देश के कई स्थानों पर आयोजन कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीरा बा को श्रद्धांजलि भी दी। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने अस्पताल में भर्ती होने के समय से लेकर निधन के बाद स्पष्ट रूप से यह जताया कि हम इस दुख की घड़ी में परिजनों के साथ पूरी तरह से खड़े हुए है। राहुल ने यहां तक लिखा कि मां और बेटे का रिश्ता अनमोल होता है। गम के इस समय में हम भी इस दुख को महसूस कर रहे है।

राहुल और प्रियंका गांधी के अलावा कांग्रेस के सभी बड़े नेताओं ने भी पूरी संवेदना दिखाते हुए अपने-अपने शब्दों में हीरा बा को याद किया। शायद यही इस देश की परंपरा है और इसे आगे भी बना रहना चाहिए। आजादी के 75 वें वर्ष में देखें तो यह तो साफ नजर आता है कि देश ने प्रगति की है। शासन किसी भी दल का रहा हो, हमने दलों की राजनीति से ऊपर उठकर देश को निर्णय लेते देखा है। जवाहरलाल नेहरू से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी के समय पर नजर डाली जाए तो ऐसे कई उदाहरण मिल जाएंगे, जो बाद में नजीर बने। पक्ष-विपक्ष के बीच आपसी सामंजस्य व विरोधी दलों के बड़े नेताओं के आपसी स्नेह व प्यार की कई कहानियां आज भी राजनीतिक गलियारों में सुनाई देती हैं।

खैर जो होना था हो गया और आगे भी कभी-कभार ऐसा ही होता रहे। लेकिन सबको इस बात पर जरूर विचार करना चाहिए कि लोकतंत्र के कारण हमें विचार व्यक्त करने की जो आजादी मिली है, उसका सही तरीके से और शिष्टता के साथ कैसे उपयोग किया जाए। इस मुद्दे को लेकर सोशल मीडिया से लेकर इलेक्ट्रानिक मीडिया को आए दिन कठघरे में खड़ा किया जाता है। कौन सही है और कौन गलत, यह कहना तो मुश्किल है। आने वाले समय में भी सही-गलत के फैसले पर निर्णय लेना कठिन ही रहेगा और बस बहस ही चलती रहेगी।

फिलहाल संवेदनाओं का चीरहरण हो रहा है । महाभारत काल में भी द्रोपदी का चीरहरण हुआ और भीष्म अपने प्रण के कारण, पांडव अपने धर्म के कारण मौन रहे। लगता है जीवन एक महाभारत ही है, जहां अच्छाई और बुराई के बीच युद्ध चलता ही रहता है। आज के हालात को बयां करती हरिओम पंवार की ये पंक्तियां...

इच्छाओं के कुरुक्षेत्र में, हर एक भीष्म का प्रण घायल है।
हर सीने में लाक्षागृह है, अधर-अधर पर कोलाहल है।
संघर्षों की समरभूमि में, हमसे पूछो हम कैसे हैं।
कालचक्र के चक्रव्यूह में, हम भी अभिमन्यू जैसे हैं।

विचार

लोकतंत्र में बढ़ेगी जनता की रुचि

चुनाव आयोग घरेलू प्रवासी वोटर्स के लिए नई सुविधा शुरू करने जा रहा है। अब चुनाव के दौरान प्रवासी मतदाताओं को वोट डालने के लिए गृह राज्य जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह व्यवस्था लोकतंत्र में भागीदारी बढ़ाने में कारगर साबित हो सकती है।

2019 के आम चुनाव में वोटर टर्नआउट 67.4 फीसदी था। 30 करोड़ से ज्यादा वोटर्स ने मताधिकार का इस्तेमाल ही नहीं किया। यह आंकड़ा चिंता पैदा कर रहा था। दरअसल, यह लोग लोकतंत्र में भरोसा न होने की वजह से मतदान से दूर नहीं थे, बल्कि रोजी रोटी की चिंता में अपने घर से दूर थे। लिहाजा वोट नहीं कर पाए। घरेलू प्रवासियों के वोटिंग करने में असमर्थ होने को लेकर 2019 से शुरू हुई कवायद अब अंजाम तक पहुंचती दिख रही है। यह कारगर रही तो ईवीएम के बाद यह प्रयोग दूसरा मील का पत्थर साबित होगा। चुनाव आयोग ने चुनाव आयोग ने घर से दूर रहने वाले मतदाता के लिए रिमोट वोटिंग सिस्टम (आरवीएम) तैयार कर लिया है। रिमोट इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की मदद से अब घर से दूर, किसी दूसरे शहर और राज्य में रहने वाला मतदाता विधानसभा या लोकसभा चुनाव में वोट डाल सकेगा। यानी अब वोटिंग के लिए उसे काम धंधा बंद कर अपने घर नहीं आना पड़ेगा।

चुनाव आयोग 16 जनवरी को सभी राजनीतिक दलों को इस आरवीएम का लाइव डेमोन्स्ट्रेशन देगा। आयोग की इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए वोटिंग के दिन रिमोट वोटिंग स्पॉट पर पहुंचना होगा। इसका मतलब घर से मतदान करना नहीं है। अनुमान के मुताबिक, देश में 45 करोड़ लोग ऐसे हैं, जो घर और शहर छोड़कर दूसरे राज्यों में रह रहे हैं। इसे लागू करने से पहले आने वाली कानूनी, प्रशासनिक और तकनीकी चुनौतियों पर राजनीतिक दलों के विचार भी मांगे गए हैं। पोल पैनल ने रिमोट वोटिंग पर सिर्फ कॉन्सेप्ट नोट जारी किया है। इसके बाद चुनाव आयोग इसे लागू करने की प्रक्रिया पर आगे बढ़ेगा। 2023 में जम्मू-कश्मीर के अलावा 9 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2024 में लोकसभा चुनाव भी होंगे। जिन राज्यों में चुनाव होने हैं उनमें त्रिपुरा, मेघालय, नगालैंड, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, मिजोरम, तेलंगाना और राजस्थान शामिल हैं। आरवीएम सिस्टम का लागू होने डेमो, राजनीतिक दलों और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े लोगों की राय पर निर्भर करता है।

मतपत्रों के जरिए वोटिंग की जटिल और थका देने वाली प्रक्रिया से निजाद दिलाने के लिए 1977 में चुनाव आयोग ने ईसीआईएल को मतदान के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन बनाने की जिम्मेदारी सौंपी थी। ईवीएम का पहला प्रयोग 1982 में केरल में आम चुनावों में किया गया था। साल 2001 के बाद सभी विभानसभा चुनावों में इसका इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके साथ ही 2004 में हुए लोकसभा चुनावों में 543 संसदीय क्षेत्रों में मतदान के लिए इसका इस्तेमाल किया गया था। ईवीएम के आने के बाद से मतदान करने और वोटों की गिनती की प्रक्रिया आसान हुई है। हालिया दिनों में चुनावों के प्रति युवाओं और शहरी लोगों के घटते रुझान की वजह से ही लंबे समय से रिमोट इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। अब यह व्यवस्था भी साकार हो गई है।

तुनिषा शर्मा की मौत के सबक

मुंबई में टीवी एक्ट्रेस तुनिषा शर्मा ने बीते दिनों शूटिंग के सेट पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। 20 साल की तुनिषा एक म्यूजिक वीडियो शूट करने वाली थीं। सेट पर लोगों ने उन्हें फांसी पर झूलते देखा तो उतारकर अस्पताल ले गए, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद से तुनिषा की आत्महत्या तक की सारी खबरें चौंकाने वाली हैं। आखिर चकाचौंध के बीच कोई इंसान अकेला कैसे हो सकता है। सवाल यह भी है कि तमाम कोशिशों के बावजूद खुदकुशी की प्रवृत्ति पर काबू नहीं पाया जा पा रहा है। आत्महत्या करने वालों में किशोर, युवा, ढलती उम्र के लोग तक शामिल हैं। इसके पीछे कॅरियर का तनाव, कारोबार में विफलता, मानसिक अवसाद, प्रेम में विफलता, घरेलू कलह, गरीबी, कर्ज का चक्र आदि कई वजहें बताई जाती हैं। इन प्रत्यक्ष कारणों के अलावा कई परोक्ष कारण भी दिखाई पड़ते हैं। पर कारण कोई भी हो, जिंदगी से बड़ी और महत्वपूर्ण तो कोई चीज नहीं हो सकती।

भारत में आत्महत्या करने वालों की संख्या हत्या में जान गंवाने वालों से पांच गुना अधिक है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2019 में 1.39 लाख लोगों ने आत्महत्या कर ली। इसमें 67 फीसद 18 से 45 साल की उम्र के बीच के लोग ही थे। आत्महत्या करने वालों में पढ़े-लिखे लोगों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2019 में हर चार मिनट में किसी न किसी व्यक्ति ने मौत को गले लगा लिया। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आत्महत्याओं पर रिपोर्ट में कहा है कि दुनिया भर में हर साल आठ लाख लोग आत्महत्या करते हैं, जिनमें से लगभग 21 फीसद भारत में करते हैं। इनमें पंद्रह से 29 साल की उम्र के लोग बड़ी संख्या में होते हैं। यानी ऊर्जा, उत्साह और सपनों से लबरेज उम्र में जिंदगी से पलायन एक भयानक सच्चाई है। महानगरों, बड़े शहरों के साथ-साथ छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में भी ऐसी घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं।

गौरतलब है कि भारत में आत्महत्या की दर महिलाओं के मुकाबले पुरुषों में ज्यादा है। तेजी से शिक्षित और विकसित होते भारत में बढ़ती आत्महत्या की मनोवृत्ति से जीवन शैली, सोच, बदलता पारिवारिक और सामाजिक परिवेश, शिक्षा और रोजगार की स्थिति, व्यवस्था की फितरत सब पर एक प्रश्नवाचक चिह्न लगता है। जीवन सबको प्रिय होता है। व्यक्तिवादी होते इस

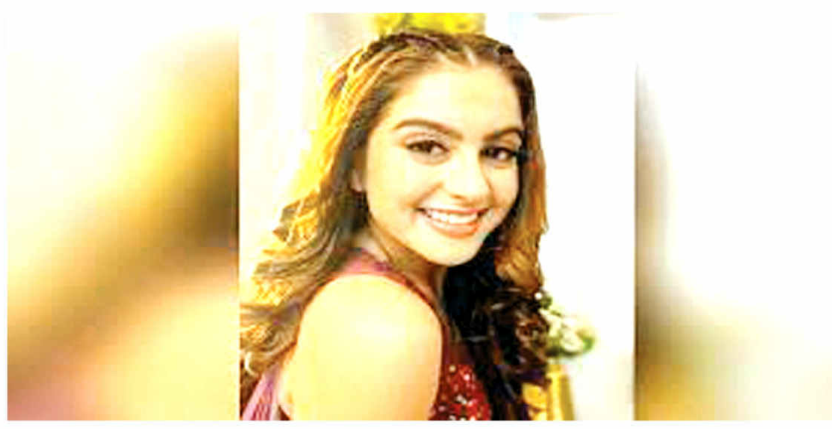

मुंबई में टीवी एक्ट्रेस तुनिषा शर्मा की आत्महत्या की खबर ने एक बार फिर समाज में बढ़ रहे अकेलेपन की बहस को तेज कर दिया है। सवाल यही है कि आखिर हम किसी को भी जान देने से क्यों नहीं रोक पा रहे हैं। रोजमर्रा की मुश्किलों व जद्दोजहद को लेकर जीवन की अंगुली ही छोड़ देना, किन मानसिक, सामाजिक और पारिवारिक दुरूहताओं का परिणाम है? यह प्रश्न विचारणीय है।

दौर में तो स्वयं के प्रति मुग्धता और बढ़ी है। खुद के विकास, पहचान, महत्व के प्रति लोग पहले से ज्यादा जागरूक हुए हैं। समान्यतया लोग आज सबसे ज्यादा खुद की चिंता करते हैं, उसके बाद किसी और की। खासकर युवा अपने रहन-सहन, पहनावे आदि पर ज्यादा ध्यान देने लगे हैं। शायद इसी आत्ममुग्धता में आत्महत्या का बीज भी छिपा है। इसने लोगों को परिवार और सामाजिकता से दूर भी किया है। इससे व्यक्ति में अकेलापन बढ़ा है। वह अपनी समस्याएं किसी से साझा करने में कतराने लगा है। या फिर उसकी नजर में ऐसा कोई होता ही नहीं, जिससे वह अपने दिल की बात कह सके। इससे हताशा बढ़ी है और आत्महत्या की दर भी। छोटे-बड़े शहरों, गांवों, घरों, कार्यस्थलों के साथ-साथ आईआईटी, आईआईएम जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृति इसी ओर इशारा करती है।

पिछले कुछ दशक से लोगों की इच्छाएं और उम्मीदें तेजी से बढ़ी हैं। सब कुछ मुट्ठी में कर लेने का दौर-सा चल पड़ा है। सामने वाला व्यक्ति इतना संपन्न हो सकता है, तो मैं क्यों नहीं? मैं सब कुछ क्यों नहीं पा सकता या जो चाहूं वह क्यों नहीं बन सकता जैसी बातें खूब होने लगी हैं। मगर इसके बरक्स अवसर उतने नहीं बढ़े हैं। उम्मीदों और यथार्थ के बीच बड़ा फर्क होता है। यही फर्क लोगों को पहले अवसाद, फिर खुद को मिटाने की ओर धकेल रहा है। नब्बे के दशक में भारत में उदारवाद और खुली अर्थव्यवस्था की शुरुआत हुई। तब से जहां एक ओर भौतिक तरक्की की बयार बही, वहीं उपभोक्ता संस्कृति भी तेजी से बढ़ी है। बढ़ते बाजारवाद ने हर घर में विलासिता के संसाधन भर दिए हैं। हमारी सरकारों ने देश की अर्थव्यवस्था की गुलाबी तस्वीरें पेश की और इसी दौर में महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में कर्ज की मार से परेशान किसानों की आत्महत्या का दौर भी आरंभ हुआ। समाज का एक बड़ा तबका विलासिता के संसाधनों से वंचित है और उसके लिए व्यग्र भी। इन परिस्थितियों ने लोगों में आत्महीनता और आत्महत्या का भाव पैदा किया है। खुदकुशी रोकने के लिए अनेक नियम-कानून, संस्थाएं तो प्रयासरत हैं, पर इस दिशा में कामयाबी नहीं मिल पा रही। 1917 में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम बनने से पहले तक मानसिक रूप से परेशान कोई व्यक्ति अगर आत्महत्या करता था, तो उसे अपराध की श्रेणी में रखा जाता था। इस अधिनियम के बाद स्थितियां बदली हैं। इलाज को लेकर भी थोड़ी संवेदनशीलता आई है।

वास्तव में अधिकांश मानसिक रोगी और अवसाद पीड़ित व्यक्ति परिवार तथा मित्रों-परिचितों के प्रेम, समझ-बूझ, समाज के साथ और आवश्यकतानुसार चिकित्सीय परामर्श से स्वस्थ हो सकते हैं। ऐसे लोगों को एकांतवास नहीं, प्रेमिल साथ की आवश्यकता होती है। उनके मन की तहों को खोलने, उनके अंदर चल रहे विचारों के झंझावातों को जानने-समझने और नकारात्मकता को दूर करने की आवश्यकता है। इस प्रवृत्ति को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका परिवार की है, क्योंकि ज्यादातर मामलों में इसका बीज यहीं पर पड़ता है। विकास, पैसा, पद, प्रतिष्ठा की चाहतें इंसान यहीं से पालना सीखता है। आवश्यकतानुसार सब जरूरी तो है, पर जीवन से बढ़ कर कुछ भी नहीं। यह बात उसे बताना और दिखावे से दूर सहज, सामान्य जीवन जीने की कला सिखाना परिवार का कर्तव्य है। सबसे बड़ी बात, सच्ची खुशी हासिल करना है। बाजारवाद की फितरत को जानना भी जरूरी है।

आत्महत्या की प्रवृत्ति को रोकने में केंद्र और राज्य सरकारों को जमीनी पहल करना होगा। महज हेल्पलाइन जारी करने और कुछ प्रचार के जरिए इसे नहीं रोका जा सकता। सभी छोटे-बड़े अस्पतालों, शिक्षण संस्थानों तथा अन्य आवश्यक स्थलों पर मानसिक चिकित्सकों की कारगर नियुक्ति आवश्यक है। इसके लिए बड़े स्तर पर देश के हर हिस्से में जागरूकता अभियान चलाने की भी जरूरत है। वास्तव में आत्महत्या न तो कायरता है, न कमजोरी, न ही हिम्मत और साहस। यह एक हताश, निराश व्यक्ति द्वारा उठाया गया कदम भर होता है। आवश्यकता किसी भी व्यक्ति को इस हद तक टूटने से बचाने और उसका साथी बन कर, उसके मन में उतर कर, उसके भीतर की पलायनवादी गांठों को खोलने की होती है।

ट्विटर

चुनाव के प्रति युवाओं व शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में उदासीनता के मद्देनजर रिमोट वोटिंग मशीन लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ाने में कारगर पहल साबित होगी।

राजीव कुमार, मुख्य चुनाव आयुक्त

चुनाव आयोग को कोई भी नई व्यवस्था करने के पहले इसके फुल सिक्योर और फुलप्रूफ होने की पूरी गारंटी करनी होगी। सभी पार्टियों को भरोसे में लेना होगा।

राजीव रंजन सिंह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जदयू

सत्यार्थ

भीम-दुर्योधन युद्ध की सीख

महाभारत युद्ध का अंतिम चरण आ चुका था। गांधारी को लगने लगा था कि अब दुर्योधन के प्राण संकट में आ गए हैं। तभी गांधारी ने दुर्योधन को आदेश दिया कि तुम स्नान करके पूरी तरह नग्न अवस्था में मेरे सामने आओ। गांधारी ने धृतराष्ट्र से विवाह के बाद से ही आंखों पर पट्टी बांध ली थी। गांधारी को वरदान मिला था कि जब भी वह आंखें खोलकर जिस इंसान को देखेगी, उसका पूरा शरीर लोहे का हो जाएगा। गांधारी चाहती थी कि दुर्योधन का पूरा शरीर लोहे का हो जाए, ताकि कोई उसे मार न सके। माता का आदेश मानकर दुर्योधन पूरी तरह नग्न होकर अपनी माता गांधारी के शिविर में जा रहा था। रास्ते में दुर्योधन को श्रीकृष्ण मिल गए। श्रीकृष्ण ने दुर्योधन से कहा कि तुम अब बड़े हो गए हो और अपनी माता के सामने इस अवस्था में जाना अच्छी बात नहीं है। तुम्हें कम से कम जांघों पर तो कुछ ढंक लेना चाहिए। उसने कुछ पत्तों से अपनी जांघ का हिस्सा ढंक लिया और इसी अवस्था में गांधारी के सामने पहुंच गया। गांधारी ने जैसे ही अपनी आंखों की पट्टी उतारी और दुर्योधन को देखा तो उसका पूरा शरीर लोहे का हो गया, सिर्फ वह हिस्सा सामान्य रह गया, जहां उसने पत्ते ढंके थे। जब गांधारी ने पत्तों को देखा तो वे समझ गई कि दुर्योधन ने गलती कर दी है। युद्ध के अंतिम चरण में भीम और दुर्योधन का गदा युद्ध हुआ। भीम दुर्योधन के शरीर पर लगातार गदा से वार कर रहा था, लेकिन दुर्योधन का शरीर तो लोहे का बन चुका था। उस समय श्रीकृष्ण ने भीम को इशारा किया कि वह जांघ पर प्रहार करें। श्रीकृष्ण का इशारा मिलते ही भीम ने दुर्योधन की जांघ पर वार करना शुरू कर दिया। जांघ का हिस्सा लोहे का नहीं बना था, इस कारण वह घायल हो गया। इसके बाद उसकी मौत हो गई। इस किस्से की सीख यह है कि हम जब भी कोई काम करते हैं तो उसे सही तरीके से, सही नियम के साथ, जैसा आदेश दिया गया है, वैसा ही करना चाहिए। अगर हम अंतिम समय में छोटी सी भी गलत कर देते हैं तो पूरा काम बिगाड़ सकता है।

खास ख़बर

चोरी हुआ फोन खोजना होगा बेहद आसान, गूगल ला रहा जबरदस्त फीचर, तुरंत मिलेगी लोकेशन

नई दिल्ली। गूगल जल्द ही अपने फाइंड माय डिवाइस फीचर को अपडेट कर सकता है। इस अपडेट के बाद यूजर्स के लिए अपने खोए हुए या चोरी हुए स्मार्टफोन्स को खोजना आसान हो जाएगा। गूगल अपने इस फीचर को ऐपल के फाइंड माय नेटवर्क फीचर के मुकाबले में बेहतर करना चाहता है। गूगल एंड्रॉयड फोन्स में एक खास फीचर देता है। इस फीचर की मदद से यूजर्स अपने खोए या फिर चोरी हुए फोन की लोकेशन ट्रैक कर सकते हैं। इस फीचर का नाम फाइंड माय डिवाइस है। गूगल एंड्रॉयड स्मार्टफोन्स में मिलने वाले इस फीचर को बेहतर करने में लगा हुआ है, जिससे ऐपल को टक्कर दी जा सके। ऐपल अपने यूजर्स को फाइंड माय नेटवर्क फीचर ऑफर करता है। इस फीचर की मदद से यूजर्स अपने खोए या चोरी हुए आईफोन, आईपैड, मैक और एयरटैग्स को ट्रैक कर सकते हैं। ऐपल का यह फीचर तब भी काम करता है, जब डिवाइस वाईफाई या ब्लूटूथ रेंज के बाहर हो। यहां तक कि डिवाइस के ऑफ होने पर भी ये फीचर उसकी लोकेशन बता सकता हैं।

गूगल ला सकता है नया अपडेट

वहीं दूसरी तरफ गूगल का फाइंड माय डिवाइस फीचर सिर्फ उन्हीं फोन्स को ट्रैक कर सकता है, जो यूजर के गूगल अकाउंट से लिंक होंगे। जल्द ही इसमें बदलाव हो सकता हैं दिसंबर 2022 में जारी हुए प्ले सिस्टम अपडेट पैच नोट में इसके हिंट्स मिले हैं। गूगल ने संकेत दिया है कि जल्द ही ..एंड्रॉयड यूजर्स को फाइंड माय डिवाइस नेटवर्क जैसा फीचर मिल सकता है। इस फीचर की मदद से यूजर्स अपने खोए या चोरी हुए एंड्रॉयड फोन्स को ट्रैक कर सकेंगे। गूगल जल्द ही इस अपडेट को रोलआउट कर सकता है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि का भी ज्ञानवापी की तरह होगा सर्वे

मथुरा। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मस्थान और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद के मामले में हिंदू सेना के दावे पर सुनवाई करते हुए सिविल जज सीनियर डिवीजन (तृतीय) की अदालत ने शाही ईदगाह मस्जिद का वाराणसी में ज्ञानव्यापी मस्जिद मामले की तरह अमीन सर्वे करने का आदेश किया है। बृहस्पतिवार को इस पर प्रतिवादियों को नोटिस जारी होने थे, लेकिन सुनवाई नहीं हो सकी। इसकी रिपोर्ट 20 जनवरी तक पेश करनी होगी। विगत आठ दिसंबर को दिल्ली निवासी हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता व उपाध्यक्ष सुरजीत सिंह यादव ने सिविल जज सीनियर डिवीजन (तृतीय) की न्यायाधीश सोनिका वर्मा की अदालत में दावा किया था। इसमें कहा कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान की 13.37 एकड़ जमीन पर मंदिर तोड़कर औरंगजेब द्वारा ईदगाह तैयार कराई गई थी।

भारत ने दी दुनिया की पहली नेजल कोरोना वैक्सीन को मंजूरी

भारत बायोटेक ने बनाई, बूस्टर डोज के तौर पर लगेगी; आज से ही प्राइवेट अस्पतालों में मिलेगी

नई दिल्ली। दुनिया की पहली नेजल कोरोना वैक्सीन को भारत सरकार ने मंजूरी दे दी है। कोवैक्सिन बनाने वाली हैदराबाद की भारत बायोटेक ने इसे वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के साथ मिलकर बनाया है। नाक से ली जाने वाली इस वैक्सीन को बूस्टर डोज के तौर पर लगाया जा सकेगा।

सबसे पहले नेजल वैक्सीन को प्राइवेट अस्पतालों में उपलब्ध कराया जाएगा, जिसके लिए लोगों को पैसे देने होंगे। न्यूज एजेंसी के मुताबिक इसे आज से ही कोरोना वैक्सीनेशन प्रोग्राम में शामिल कर लिया गया है। भारत बायोटेक की इस नेजल वैक्सीन का नाम आईइनकोवैक्स रखा गया है। पहले इसका नाम बीबीवी-154 था। इसे नाक के जरिए शरीर में पहुंचाया जाएगा।

इसकी खास बात यह है कि शरीर में जाते ही यह कोरोना के इन्फेक्शन और ट्रांसमिशन दोनों को ब्लॉक करती है। इस वैक्सीन में इंजेक्शन की जरूरत नहीं पड़ती, इसलिए इससे चोट लगने का खतरा नहीं है। साथ ही हेल्थकेयर वर्कर्स को भी खास ट्रेनिंग की जरूरत नहीं पड़ेगी।

नेजल वैक्सीन क्या होती है?

फिलहाल हमें मांसपेशियों में इंजेक्शन के जरिए वैक्सीन लगाई जा रही है। इस वैक्सीन को इंट्रामस्कुलर वैक्सीन कहते हैं। नेजल वैक्सीन वो होती है जिसे नाक के जरिए दिया जाता है। क्योंकि ये नाक के जरिए दी जाती है इसलिए इसे इंट्रानेजल वैक्सीन कहा जाता है। यानी इसे इंजेक्शन से देने की जरूरत नहीं है और न ही ओरल वैक्सीन की तरह ये पिलाई जाती है। यह एक तरह से नेजल स्प्रे जैसी है। कोरोनावायरस समेत कई माइक्रोब्स (सूक्ष्म वायरस) म्युकोसा (गीला, चिपचिपा पदार्थ जो नाक, मुंह, फेफड़ों और पाचन तंत्र में होता है) के जरिए शरीर में जाते हैं। नेजल वैक्सीन सीधे म्युकोसा में ही इम्यून रिस्पॉन्स पैदा करती है। यानी, नेजल वैक्सीन वहां लड़ने के लिए सैनिक खड़े करती है जहां से वायरस शरीर में घुसपैठ करता है। नेजल वैक्सीन आपके शरीर में इम्युनोग्लोबुलिन ए (आइजीए) प्रोड्यूस करती है। माना जाता है कि पह। इन्फेक्शन को अर्ली स्टेज में रोकने में ज्यादा कारगर होता है। ये इन्फेक्शन रोकने के साथ-साथ ट्रांसमिशन को भी रोकता है। नेजल वैक्सीन को एक पंप के जरिए नाक में भेजा जाता है। एक डोज में इसकी कुछ बूंदें ही देने की जरूरत होती है।

यह बाकी वैक्सीन से कितनी अलग है?

देश में अब तक 8 वैक्सीन को मंजूरी मिल चुकी है। ये सभी इंट्रामस्कुलर वैक्सीन हैं, यानी इन्हें इंजेक्शन के जरिए दिया जाता है। वहीं, पछब्ब्ट।ब्ब् इंट्रानेजल वैक्सीन है। सरकार से इसे मंजूरी मिलने के बाद अब ये देश की पहली इंट्रानेजल वैक्सीन हो गई है। अभी तक देश में स्पूतनिक, कोवीशील्ड और कोवैक्सिन लगाई जा रही है। ये तीनों वैक्सीन डबल डोज वैक्सीन हैं। पछब्ब्ट।ब्ब् को केवल एक बार ही दिया जाएगा।

नेजल वैक्सीन की एक डोज ही कारगर

इस समय भारत में लग रही वैक्सीन के दो डोज दिए जा रहे हैं। दूसरे डोज के 14 दिन बाद वैक्सीनेट व्यक्ति सेफ माना जाता है। ऐसे में नेजल वैक्सीन 14 दिन में ही असर दिखाने लगती है।

इफेक्टिव नेजल डोज न केवल कोरोना वायरस से बचाएगी, बल्कि बीमारी फैलने से भी रोकेगी। मरीज में माइल्ड लक्षण भी नजर नहीं आएंगे। वायरस भी शरीर के अन्य अंगों को नुकसान नहीं पहुंचा सकेगा।

यह सिंगल डोज वैक्सीन है, इस वजह से ट्रैकिंग आसान है। इसके साइड इफेक्ट्स भी इंट्रामस्कुलर वैक्सीन के मुकाबले कम हैं। इसका एक और बड़ा फायदा यह है कि सुई और सीरिंज का कचरा भी कम होगा।

बूस्टर डोज की तरह दी जाएगी वैक्सीन

इंट्रानेजल वैक्सीन को कोवैक्सिन और कोवीशील्ड जैसी वैक्सीन्स लेने वालों को बूस्टर डोज के तौर पर दिया जाएगा। हालांकि इसे प्राइमरी वैक्सीन के तौर पर भी इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत बायोटेक के मैनेजिंग डायरेक्टर और चेयरमैन डॉ. कृष्णा एल्ला ने कुछ समय पहले कहा था कि पोलियो की तरह इस वैक्सीन की भी 4 ड्रॉप्स काफी हैं। दोनों नॉस्ट्रिल्स में दो-दो ड्रॉप्स डाली जाएंगी।

निजामुद्दीन दरगाह में राहुल गांधी ने चढ़ाई चादर, पुलिस और समर्थकों के बीच धक्का-मुक्की

नई दिल्ली। तीन हजार किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा शनिवार सुबह बदरपुर बॉर्डर से दिल्ली में प्रवेश कर गई। राहुल का काफिला इंडिया गेट से भी होकर गुजरेगा। दिल्ली के सात संसदीय क्षेत्रों में अलग-अलग पड़ाव होंगे। यात्रा में पार्टी के आला नेताओं, कलाकारों खिलाड़ियों, युवाओं के साथ सभी वर्ग और समुदाय के लोगों के साथ-साथ कांग्रेस पार्टी के हजारों कार्यकर्ता भी शामिल होकर राहुल के साथ यात्रा कर रहे हैं। अपनी यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने दिल्ली में हजरत निजामुद्दीन औलिया की दरगाह पर चादर चढ़ाई। इस दौरान पुलिस और समर्थकों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई है। भारत जोड़ो यात्रा के दिल्ली में प्रवेश करते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि कुछ लोग नफरत फैला रहे हैं लेकिन देश का आम आदमी अब प्यार की बात कर रहा है. हर राज्य में लाखों लोग यात्रा में शामिल हुए हैं। मैंने आरएसएस-बीजेपी के लोगों से कहा है कि हम यहां आपके नफरत के बाजार में प्यार की दुकान खोलने आए हैं।

राहुल गांधी के बयान पर अनुराग ठाकुर का पलटवार-

राहुल गांधी के बयान पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि जो देश का नामोनिशान मिटाने की सोचते हो वो भारत जोड़ने की बात कैसे कर सकते हैं। जिनकी यात्रा में नफरत का बीज बोने वाले हों वो मोहब्बत की दुकान खोलने की बात ही कैसे कर सकते हैं... राहुल गांधी को तो देश हित नहीं परिवार हित पहले है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने आगे कहा कि चीन, कोरिया और जापान में कोविड के मामले बढ़ रहे हैं, लेकिन कांग्रेस को केवल एक परिवार की चिंता है। यह समय कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने का है। मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं कि क्या वह या कांग्रेस के अन्य नेता जो हिमाचल के सीएम के संपर्क में आए थे और जिनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी, उन्हें क्वारंटाइन किया गया है? भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी दिल्ली में अटल बिहारी वाजपेयी की समाधि स्थल भी जाएंगे। इसके अलावा, राजघाट, शक्ति स्थल, वीर भूमि, शांति वन और विजय घाट जाने का भी प्लान है। कांग्रेस की प्रेस वार्ता में पवन खेड़ा ने 108 अंक का महत्व बताया है। उन्होंने इस अंक को राहुल गांधी की यात्रा से जोड़ा है। कहा कि हिंदू मुस्लिम और सिख धर्म में 108 अंक का बहुत बड़ा महत्व है।

बच्चों को आकर्षित कर रहा दिल्ली बुक फेयर, बड़ी संख्या में मेले में पंहुच रहे बच्चे

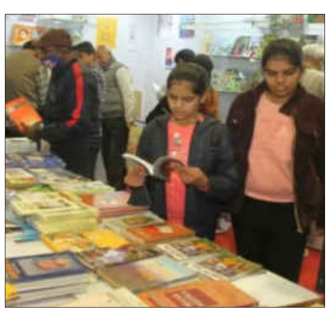

नई दिल्ली। दिल्ली का बुक फेयर बच्चों को आकर्षित कर रहा है जिसके चलते बड़ी संख्या में बच्चे मेले में पंहुच रहे है। वही दिल्ली बुक फेयर भी बच्चों को ज्ञानवर्धक पुस्तकों में 90 प्रतिशत की छूट पर किताबें उपलब्ध करा रहा है। कई बेस्ट सेलर हिंदी-अंग्रेजी उपन्यास, कविताएं, कहानी व बाल साहित्य की किताबें बेहद कम कीमत पर यहां उपलब्ध हैं। मेले में नन्हे मुन्ने बच्चे अपने माता पिता के कंधों पर बैठे मेला घूमते व किताबें खरीदते नजर आ रहे हैं।

बच्चे बुक फेयर में से ढेरों नवीनतम स्टेशनरी खरीद रहे हैं, जो अभी बाजार में उपलब्ध नहीं हैं। बच्चों के लिए मनभावन टॉय पेंसिल, क्यूट पेन, इरेजर, कलर स्केच, डॉल वाले स्कूल बैग और जमेट्री बॉक्स इत्यादि की अनेक वैरायटी यहां मिल रही हैं। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज करा चुके जापानी अंतरराष्ट्रीय अध्यात्मिक गुरु रयूहो ओकावा की लिखी चालीस भाषाओं में अनुवादित 100 से ज्यादा किताबें भी मेले में आई हैं। हिंदी में ''मसीहा के नियम'' इनकी नवीमतम रचना भी यहां उपलब्ध है। इसके अन्य अनुवाद को दुनियाभर में खूब पसंद किया गया है। इसके अलावा सूर्य के नियम, बुद्ध की शिक्षा का सार, आस्था के नियम, अजेय नेतृत्व के नियम, प्रसन्नता के नियम, आध्यात्म के चमत्कार, खुश हूं मैं जैसी महत्वपूर्ण किताबें हिंदी में उपलब्ध हैं।

मेले में नई तकनीक वाली कई ऐसी स्टेशनरी उपलब्ध है, जो कि लोगों को लुभा रही है। डॉक्स के स्टॉल पर ऐसी पेंसिल, इरेजर, ब्रश पेन है, जिससे एक साथ मोटा पतला लिखा जा सकता है। इसमें 26 कलर एक साथ हैं। स्पोकीन के स्टॉल पर चिल्ड्रेन टैबलेटवेयर सेट, पेन डेस्क एसेसरीज, बुक मार्क्स, चिल्ड्रेन डायरी, टॉय पेन, पेंसिल, क्यूट पेन व पेंसिल उपलब्ध है, जिन्हें बच्चे पसंद कर रहे हैं। लोग अपने छोटे बच्चों को लेकर इन स्टॉल पर पहुंच रहे हैं।

केंद्र सरकार ने दी गरीबों व पूर्व सैनिकों को नए साल की सौगात

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने शुक्रवार को गरीबों व पूर्व सैनिकों को नए साल की सौगात देते हुए कुछ अहम फैसले किए। मोदी सरकार ने गरीबों को मुफ्त राशन देने की योजना दिसंबर 2023 तक और बढ़ा दिया है। इस पर करीब 2 लाख करोड़ रुपए खर्च होंने का अनुमान है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत अभी 81.35 करोड़ लोगों को राशन दिया जा रहा है। साथ ही कैबिनेट ने सैन्य बलों के लिए वन रैंक वन पेंशन में संशोधन को भी मंजूरी दी। हालांकि जिन रक्षा कार्मिकों ने एक जुलाई 2014 के बाद अपनी इच्छा से सेवानिवृत्ति ली है, उन्हें यह लाभ नहीं मिलेगा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने मीटिंग के बाद बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत गरीबों को दिया जाने वाला अनाज अगले एक साल यानी दिसंबर 2023 तक मुफ्त दिया जाएगा। इससे केंद्र सरकार को 2 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। मार्च 2020 से लागू योजना को 7 चरणों में बढ़ाया जा चुका है। इसके पहले सितंबर में इसे तीन महीने बढ़ाया गया था।

25 लाख पूर्व सैनिकों को फायदा

ओआरओपी के तहत हुए पेंशन संशोधन से 4.5 लाख से ज्यादा नए लाभार्थियों समेत 25,13,002 सशस्त्र बल पेंशनर्स/ फैमिली पेंशनर्स लाभान्वित होंगे।

गांवों का ले आउट प्लान तैयार करवाए एमसीडी- थान सिंह

नई दिल्ली। मूलभूत सुविधाओं को लेकर सालों से उपेक्षा का दंश झेल रहे ग्रामीणों की आवाज उठा रही दिल्ली पंचायत संघ ने अब सभी शहरीकृत व ग्रामीण गांवों में लाल डोरा विस्तारित लाल डोरा आबादी को मालिकाना हक देने के लिए गांवो के ले आउट प्लान तैयार करवाने की मांग की है। दिल्ली पंचायत संघ ने प्रधानमंत्री व उप राज्यपाल से गांवों के लेआउट प्लान तैयार कराने की अपील की है। केंद्र सरकार व राज्य सरकार का ध्यान आकर्षित करवाते हुए दिल्ली पंचायत संघ ने कहा है कि ग्रामीणों को राहत देने के लिए प्रधानमंत्री व उपराज्यपाल से आग्रह है कि वह समस्त गांवों के ले.आउट प्लान तैयार करवाने के निर्देश दें। पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि गांव वालों से एमसीडी तमाम टैक्स व चार्ज वसूल कर रहा है, लेकिन गांवों के ले.आउट प्लान तैयार नहीं कर रहा है। जिसकारण ग्रामीणों को अपने मकान बनाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होने बताया कि दल्ली के 130 गांवों की लाल डोरा, विस्तारित लाल डोरा आबादी की 244 फाइलें वर्ष 2013 से दिल्ली सरकार के शहरी विकास विभाग में धूल चाट रही हैं। उन्होंने बताया कि पीएम उदय पोर्टल पर गांवों को लेकर पूरी जानकारी उपलब्ध नहीं है। पीएम पोर्टल पर लिखा हुआ है कि गांवों के लालडोरा, विस्तारित लालडोरा आबादी को अनधिकृत कॉलोनी के समान माना जाएगा, लेकिन गांव वालों को मालिकाना देने के संबंध में जानकारी उपलब्ध नहीं है। ग्राम पंचायत के सुरेश शौकीन ने सुझाव दिया कि ग्रामीणों को मालिकाना हक देने के लिए सभी गांवों का सर्वे कर पीएम उदय पोर्टल या अन्य विकल्प तैयार किया जाए। उन्होने चेतावनी दी कि इस दिशा में प्रशासन की ओर से जल्द पहल नहीं होने की स्थिति में पंचायत संघ सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू करेगा।

निर्देश

केंद्र सरकार व राज्य सरकार का ध्यान आकर्षित करवाते हुए दिल्ली पंचायत संघ ने कहा है कि ग्रामीणों को राहत देने के लिए प्रधानमंत्री व उपराज्यपाल से आग्रह है

यमुना को प्रदुषित करने में हरियाणा का बड़ा योगदान- उपराज्यपाल

चंडीगढ़। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना हरियाणा से नाराज चल रहे हैं। उन्होंने यमुना के प्रदूषण में हरियाणा का 36 फीसदी योगदान बताया है। इसको लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर से बात की है। अब बताया जा रहा है कि वह जल्द मामले को हल करने के लिए हरियाणा का दौरा कर सकते हैं। हरियाणा सीएमओ के सूत्रों के अनुसार, विधानसभा सत्र के बाद नए साल में वह हरियाणा आएंगे। अभी तक की आई रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि नजफगढ़ नाला यमुना को 40 प्रतिशत प्रदूषित करता है। इस नाले में हरियाणा के कई फीडर नालों से 36 फीसदी वेस्ट गिरता है। यदि हरियाणा की तरफ से गिरने वाले वेस्ट को रोक लिया जाए तो यमुना के प्रदूषण को काफी कम किया जा सकता है। दिल्ली के उपराज्यपाल की अब तक की जांच में यह बात सामने आई है कि जब यमुना पल्ला में हरियाणा से दिल्ली में प्रवेश करती है, तो इसमें कुल मलीय कोलीफॉर्म की संख्या 1,100 होती है। जब यह पैठज् के पास पहुंचती है तो नजफगढ़ नाले से स्राव के कारण इसका मलीय कोलीफॉर्म 2.1 लाख बढ़ जाता है। यही वजह है कि दिन प्रतिदिन यमुना का जल प्रदूषित होता जा रहा है।

हरियाणा और दिल्ली के बीच यमुना प्रदूषण को लेकर जल्द ही बड़ी बैठक होगी। इस बैठक में दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों के साथ ही उपराज्यपाल वीके सक्सेना और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल मौजूद रहेंगे। उपराज्यपाल को खट्टर ने आश्वासन दिया है।

टिप्पणी इससे जो दबाव बना, उससे केंद्र सरकार ने योजना लागू कर दी है।

वन रैंक वन पेंशन स्कीम के लागू होने का श्रेय भारत जोड़ों यात्रा को

नई दिल्ली। शनिवार को आश्रम चौक पर मीडिया से बात करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ों यात्रा में उमड़ रहे जनसैलाब से बीजेपी बुरी तरह से घबरा गई है। उन्होने वन रैंक वन पेंशन योजना के लागू होने का श्रेय भारत जोड़ो यात्रा को देते हुए कहा कि वन रैंक वन पेशन के तहत आला सैन्य अधिकारी और जेसीओ मेवात में राहुल गांधी से मिले थे। इससे जो दबाव बना, उससे केंद्र सरकार ने योजना लागू कर दी है।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का दावा है कि वन रैंक वन पेंशन योजना की केंद्रीय कैबिनेट से शुक्रवार मिली मंजूरी भारत जोड़ो यात्रा से बने दबाव का नतीजा है। मेवात में पूर्व सैन्य अधिकारियों की राहुल गांधी से मुलाकात के बाद हरकत में आई केंद्र सरकार ने आनन-फानन में इसे लागू करने का एलान किया है। वहीं, कोविड की नई लहर की आशंका के बीच चल रही भारत जोड़ो यात्रा पर केंद्र सरकार की नसीहत के बारे में कांग्रेस नेताओं का कहना है कि कांग्रेस को कोविड प्रोटोकाल का पूरा ख्याल है। केंद्र सरकार और भाजपा अपनी तरफ देखे। आश्रम चौक पर शनिवार दोपहर मीडिया से बात करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने कहा कि वन रैंक वन पेंशन के तहत आला सैन्य अधिकारी और जेसीओ मेवात में राहुल गांधी से मिले थे। इससे जो दबाव बना, उससे केंद्र सरकार ने योजना लागू कर दी है। हालांकि, अभी कई चीजें इसकी और भी सरकार को माननी हैं। फिर भी, यह यात्रा के सार्थक नतीजा रहा है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि यात्रा और राहुल गांधी को भाजपा ने कई बार बदनाम करने की कोशिश की। खेड़ा ने कोविड के बढ़ते मामलों के बाद भी कांग्रेस नेताओं की तरफ से प्रोटोकॉल का पालन नहीं किए जाने पर कहा कि रोजाना धमकी दी जा रही है। सरकार चाहे तो घोषित कर दे, सभी पालन करेंगे।

चिंता कोरोना की नहीं है, नागपुर से दिल्ली तक यही सवाल है कि 108 दिन चलने के बाद भारत जोड़ो यात्रा दिल्ली कैसे पहुंच गई। कई नेता संसद में मास्क पहनकर आते हैं, लेकिन शाम के वक्त शादी में भूल जाते हैं। 2020 में कांग्रेस नेता ने ही इस पर आगाह किया था, लेकिन उस वक्त भाजपा वाले मध्यप्रदेश में सरकार गिराने की साजिश कर रहे थे। सरकार कोरोना को हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने की जगह विशेषज्ञों की सलाह पर कोई निर्णय ले।

कांग्रेस नेताओं ने यूं दिए कुछ सवालों के जवाब

स्वास्थ्य मंत्रालय की टिप्पणी के बाद कांग्रेस, कोविड के दौरान मास्क की अहमियत नहीं समझ रही है? कोविड की हर लहर में राहुल ही सबसे पहले हर जगह मास्क पहने दिखते थे। देश के प्रधानमंत्री उस वक्त बंगाल में दीदी ओ दीदी कहते थे। यह कोरोना का नहीं भारत जोड़ो यात्रा का डर है। कोरोना के नाम पर राजनीति से लोग भ्रमित हो रहे हैं।

आरोप है कि यात्रा में टुकड़े टुकड़े गैंग भी चल रहा है? अभी हिमाचल में रिजल्ट आए हुए हैं आगे कुछ टिप्पणी नहीं करेंगे। आरोप है कि यात्रा में परिवार और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है? जो परिवार छोड़ चुके हैं, वे मानवीय मूल्यों को नहीं समझते हैं। उनके लिए कुछ कहने की जरूरत नहीं है।

26 जनवरी को जम्मू में फहराएंगे तिरंगा

दिल्ली कांग्रेस के प्रभारी शक्ति सिंह गोहिल ने कहा कि ठिठुरती सर्दी और धुंध के बीच भी हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली में मिलने वाला प्यार और समर्थन, भारत जोड़ो यात्रा की सफलता की दास्तां बयां करती है। यात्रा का मकसद चुनाव में जीतना नहीं, देशहित है। उधर, जयराम रमेश ने बताया कि हरियाणा में यात्रा सात या आठ को पहुंचेगी। तीन जनवरी को दिल्ली से रवाना होने के बाद उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के बाद अंत में जम्मू-कश्मीर जाएगी। 30 जनवरी के पहले यात्रा का समापन हो जाएगा। 26 जनवरी को राहुल गांधी जम्मू में तिरंगा फहराएंगे।

इसलिए दिया गया है यात्रा को विराम

जयराम रमेश ने बताया कि यात्रा के साथ चलने वाले 62 कंटेनर के रखरखाव की जरूरत है। बदलते मौसम में हरियाणा, पंजाब और जम्मू पहुंचने पर कंटेनर में सर्दियों से बचाव का इंतजाम जरूरी है। करीब 3000 किलोमीटर की यात्रा के दौरान कंटेनर के रखरखाव की जरूरतों को देखते हुए यात्रा को दिल्ली में विश्राम दिया गया है। यात्रा में मौजूद 135 यात्री भी इस दौरान अलग-अलग राज्यों में अपने घरों को जाएंगे।

खास ख़बर

एंजल वन की वृद्धि का सिलसिला जारी; एनएसई पर सक्रिय ग्राहकों की संख्या में 47.9: की जबरदस्त वार्षिक बढ़ोतरी

मुंबई। फिनटेक कंपनी एंजल वन लिमिटेड (जिसे पहले एंजल ब्रोकिंग लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) का शानदार प्रदर्शन जारी है और यह एनएसई पर 4.23 मिलियन सक्रिय ग्राहकों के साथ तीसरा बड़ा ब्रोकर बनने में सफल रहा है। इस संख्या में सालाना आधार पर 47.9: की वार्षिक वृद्धि दर्जकी गई है। डिजिटल फर्स्ट कंपनी की यह शानदार तरक्की आक्रामक तकनीकी प्रगति के आधार पर आई है ताकि ग्राहकों को सहज अनुभव प्रदान किया जा सके।

इस साल की शुरुआत में, एंजल वन ने अपने सुपर एप का रोल-आउट आरंभ किया था। शुरुआत में इसे आईओएस और वेब यूजर्स के लिए लॉन्च किया गया था। एंड्रॉएड संस्करण नवंबर 2022 में सीमित यूजर्स के लिए पेश किया गया था। सुपर एप, स्टार्स यानी- सरलता, पारदर्शिता, उपलब्धता, विश्वसनीयता और तेजी - जैसे पांच प्रमुख स्तंभों पर निर्मित है, जिसका मकसद ग्राहकों को एक सुरक्षित, सहज और व्यक्तिगत निवेश अनुभव प्रदान करता है।

एंजल वन लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री नारायण गंगाधर ने कहा, श्हमारी नजर भविष्य पर है और हम नए-नए नवाचार लाने के मोड में हैं। मौजूदा आंकड़ें इस बात का संकेत है कि हम अपने यूजर्स को समझते हैं कि उन्हें सहज अनुभव की आवश्यकता है। हम मिलेनियल्स और जेनरेशन जेड के लिए उनकी निवेश जरूरतों को पूरा करने के लिए सबसे पसंदीदा ब्रोकर बनने के लिए विकसित हो रहे हैं। हमारा सुपर एप इसी मंशा से विकसित किया गया है। हम इस गति जारी रखने के लिए तत्पर हैं।'' नवंबर में, एंजल वन ने 0.32 मिलियन के सकल ग्राहक अधिग्रहण के साथ अपने ग्राहकों की संख्या में 66.5: की वृद्धि दर्ज की और इसके साथ कुल संख्या बढ़कर 12.19 मिलियन हो गई। फिनटेक कंपनी अपने ग्राहकों के जीवन भर की निवेश जरूरतों के लिए अपने डिजिटल-फर्स्ट दृष्टिकोण और अभूतपूर्व प्रतिबद्धता के साथ उद्योग में एक बदलाव लाने वाली कंपनी बनने का वादा करती है।

खेलों से बढ़ता है आत्मविश्वास- उप राज्यपाल

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली लोकसभा में आयोजित सांसद खेल स्पर्धा के अंतगर्त दक्षिणी दिल्ली लोक सभा की सभी विधानसभाओं में शुरू हुए क्रिकेट, वॉलीबॉल और खो खो टूनार्मेन्ट के फाइनल मुकाबले महरौली-बदरपुर रोड़ स्थित तुगलकाबाद ग्राऊण्ड में खेले गए। टूनार्मेन्ट के समापन अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली मौजूद रहे। इस अवसर पर उपराज्यपाल ने खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए कहा कि खेलों से आत्मविश्वास बढ़ता है। हमें युवाओं को और ज्यादा खेलों से जोड़ने के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होने सांसद खेल प्रतियोगिता के आयोजकों को बधाई का पात्र बताया।

दक्षिणी दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी ने ग्रामीण क्षेत्र से खेल स्पर्धा देखने आए बुजुर्गों व गणमान्य लोगों को शॉल भेंट कर सम्मानित किया। टीमों के बीच हुए रोमांचक मुकाबले देखे गए जहां खिलाडियों ने अपनी प्रतिभाओं का उत्साह के साथ प्रदशर्न किया। साथ हीं क्रिकेट का फाइनल मैच संगम विहार से कप्तान मोन्टी की टीम ने जीता। वॉलीबॉल शूटिंग फाइनल मैच देवली के हंसराज की टीम ने जीता, दूसरे पर लाड़ो सराय से विशाल की, तीसरे स्थान पर महिपालपुर के सागर की टीम रही। जबकि वॉलीबॉल स्मैश फाइनल खानपुर के राहुल, अंकित, मीठापुर के खालिद अली की टीम रही। खोखो फाइनल मुकाबला पालम की टीम ने जीता। दूसरे स्थान पर प्रहलादपुर व बदरपुर-राजनगर तीसरे स्थान पर रही।

हरियाणा स्टेट मास्टर्स एथलीट चौम्पियनशिप में छाये बीआजी के धावक

गुरूग्राम। 31वी हरियाणा स्टेट मास्टर्स एथलीट चौम्पियनशिप 24 और 25 दिसंबर को ताऊ देवीलाल स्टेडियम, गुडगाँव मे कराई गई जिसमे पुरे हरियाणा स्टेट के सभी जिलो से खिलाडियो ने हिस्सा लिया। दीपक छिल्लर ने बताया बहादुरगढ र्रनस ग्रुप के 12 धावको ने हिस्सा लेकर 10 मेडल अपने नाम किए।

महिलाओ मे डा किरण छिल्लर (डते प्दकपं) ने हैमर थ्रो मे प्रथम स्थान (गोल्ड), 5000 मीटर वाक मे गोल्ड, 100 मीटर दौड मे दुसरा स्थान (सिल्वर)हासिल किया और साथ ही डॉ किरण छिल्लर को गेस्ट ऑफ आनर ट्रॉफी से भी नवाजा गया। साथ ही सभी महिलाओं को स्वस्थ रहने का संदेश दिया।

- उर्मिला डबास ने 800 मीटर प्रथम स्थान (गोल्ड), 5000 मीटर मे प्रथम स्थान (गोल्ड)।
- धर्मवीर सेन ने 35आयु मे 100 मीटर मे तृतीय स्थान (कास्य)और लम्बी कुद मे दुसरा स्थान (सिल्वर)।
- वही धर्मवीर सैनी ने 45आयु 400 मीटर मे दुसरा स्थान (सिल्वर) ओर 5000 मी मे चौथा स्थान हासिल किया।
- सिकंदर लाम्बा ने 800 मीटर मे 35आयु मे दुसरा स्थान (सिल्वर) ओर 5000 मीटर मे तृतीय स्थान (कास्य)पदक।

800 मीटर दीपक ने प्रथम स्थान 35. आयु मे गोल्ड प्रवीन सांगवान ने 5000 मीटर मे चौथा स्थान वही सतपाल रायका ने पाँचवा स्थान हासिल किया। इस अवसर पर दीपक छिल्लर एवं डॉ किरण छिल्लर को गेस्ट ऑफ आनर ट्रॉफी से भी नवाजा गया। सभी टाप थ्री खिलाडी अब नेशनल खेलने 14 से 18 फरवरी मे कोलकत्ता जाएगे बहादुरगढ र्रनस ग्रुप और बहादुरगढ शहर के लोगो ने ढेर सारी शुभकामनाए दी।

विश्व पुस्तक मेला 25 फरवरी से 5 मार्च 2023 तक प्रगति मैदान में लगेगा-डा.लालित्य ललित

नई दिल्ली। इंडिया ट्रेड प्रमोशन आर्गेनाइजेशन,आईटीपीओ द्वारा दिल्ली के प्रगति मैदान में 22 से 26 दिसंबर तक चल रहे 26 वें दिल्ली पुस्तक मेला में राष्टीय उपभोक्ता दिवस के उपलक्ष्य में श्रृंखलाबद्ध आजादी की अमृत गाथा के सह-आयोजक द अवेयर कंज्यूमर पत्रिकाष् का ऑथर्स कॉर्नर के मंच पर मुख्य अतिथि राष्टीय पुस्तक न्यास में संपादक डा लालित्य ललित ने विमोचन किया। इस साल उपभोक्ता दिवस की थीमष् उपभोक्ता आयोगों में मामलों के प्रभावी निपटानष् है। इस अवसर पर डा. लालित्य ललित ने जानकारी देते हुए बताया कि विश्व पुस्तक मेला 25 फरवरी से 5 मार्च 2023 तक प्रगति मैदान में लगेगा। आरजेएस पॉजिटिव मीडिया प्रमुख उदय कुमार मन्ना ने कहा कि इस अवसर पर मुख्य वक्ता हिन्दी अकादमी दिल्ली सरकार में उपसचिव ऋषि कुमार शर्मा, मानवाधिकार कार्यकर्ता शबनम फाजिल खान, कवयित्री सपना दत्ता सुहासिनी, कवि रामानुज सिंह सुंदरम् , आरजेएस स्वागत समिति के चेयरमैन राजेन्द्र सिंह कुशवाहा ,एजुकेशन पोस्ट के तनय ने भी आजादी की अमृत गाथा के 109वें कार्यक्रम को संबोधित किया। स्वरवेणी म्यूजिक गुरुकुल गाजियाबाद के गायक कलाकारों के देशभक्ति गीतों पर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। अंतर्राष्टीय ख्याति प्राप्त कंज्यूमर पॉलिसी के विशेषज्ञ प्रो. बिजॉन कुमार मिश्रा ने वर्चुअली संबोधित किया। कार्यक्रम में ष्द अवेयर कंज्यूमरष् और विभिन्न प्रकाशकों की पुस्तकों और पत्रिकाओं को दर्शकों को भेंट किया गया। कार्यक्रम फिजिकल व वर्चुअल दोनों मोड़ में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि राष्टीय पुस्तक न्यास में संपादक और साहित्यकार डॉ लालित्य ललित ने कहा कि शब्द ब्रह्म हैं, हमारे जीवन में मुद्रित शब्द का बहुत महत्व है।

फ़ैशन रनवे शो में छत्तीसगढ़ के मॉडल्स ने बिखेरा अपना जलवा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में ब्यूटी इंडस्ट्रीज तथा फ़ैशन वर्ल्ड को नया आयाम देने तथा मॉडलिंग के क्षेत्र में रूचि रखने वाले युवाओं को एक सशक्त प्लेटफॉर्म प्रदान करने की दृष्टिकोण से ष्फेडरेशन ऑफ इंडियन प्रोफेशनल ब्यूटीशियन एण्ड ऑल इंडिया ब्यूटी पार्लर ऑर्गनाइजेशन तथा ष्क्षितिज इंडियाष् एंटरटेनमेंट एंड इवेन्ट मैनेजमेंट कॉर्पोरेशन , क्षितिज इंडिया म्यूज़िक एंड फिल्मस प्रोडक्शन द्वारा अखिल भारतीय नारी शक्ति संगठन ष्तेजस्विनीष् तथा छत्तीसगढ़ कला, साहित्य एवं सांस्कृतिक विकास परिषद के सहयोग से रामा मैग्नेटो मॉल में ष्फ़ैशन रनवे- 2/22- एक्सक्लुसिव लाइव फ़ैशन शो का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

फेडरेशन ऑफ इंडियन प्रोफेशनल ब्यूटीशियन एंड ऑल इण्डिया ब्यूटी पार्लर ऑर्गनाइजेशन तथा क्षितिज इंडिया एंटरटेनमेंट एंड इवेन्ट मैनेजमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा आयोजित फ़ैशन रनवे शो में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से आये हुए युवा मेल- फिमेल मॉडल्स ने रैम्प पर अपना जलवा बिखेरा । फ़ैशन रनवे शो में युवा मॉडल्स ने बेहतरीन मॉर्डन तथा कलरफुल यूनिक ड्रेसेस के साथ ही ट्रेडिशनल ड्रेसेस में वॉक करके अपने टैलेंट को प्रदर्शित किया । फैशन रनवे शो में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से आई हुई प्रोफ़ेशनल ब्यूटी एक्सपर्ट तथा मेकअप आर्टिस्ट महिलाओं ने अपने मॉडल्स युवतियों एवं युवकों को मेकअप करके रैम्प वॉक के लिये तैयार किया। फ़ैशन रनवे शो में सम्मिलित हुए सभी मेल-फिमेल मॉडल्स के सभी डिज़ाइनर ड्रेसेस को बिलासपुर, कोरबा , रायपुर की प्रतिष्ठित ड्रेस डिज़ाइनर्स, बुटिक डिज़ाइनर्स के द्वारा प्रदान किया गया । ड्रेस डिज़ाइनर्स में प्रमुख रूप से- पिनाकेल डिजाइन एरिना बिलासपुर सुलक्षणा जिल्लारे, दीवानी हुमने, मनसिरा शास्त्री, आशा चौधरी, इन्दु चन्द्रा आईडीए, शबा खान, अंजली देवांगन, उमंग उइके, दीपा पुरसेठ, गुनगुन, जेही प्रिया,रीतु साहू, सईदा वनक आईडीए बिलासपुर शामिल थे। फैशन रनवे शो में मुख्य रूप से क्राउन होल्डर के रूप में उड़ीसा ब्यूटी एक्सपो 2020 मिस बेस्ट वॉक मिस तियारा क्वीन ऑफ भारत 2021 फर्स्ट रनर अप रही फेस ऑफ सेंट्रल इंडिया अंजू कुमारी बेहरा उड़ीसा उपस्थित थी । क्राउन होल्डर अंजू कुमारी बेहरा तथा अतिथियों के द्वारा फ़ैशन रनवे के सभी पार्टीसिपेंट्स मॉडल्स को सर्टिफिकेट, मोमेंटो तथा पुरुस्कार से सम्मानित किया गया । फ़ैशन रनवे शो में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिले और शहरों से आये हुए मॉडल्स ने रैम्प वॉक कर अपने टैलेंट को प्रदर्शित किया।

अब मदर डेयरी ने दिया लोगों को झटका, दो रूपये बढ़ाये दूध के दाम

नई दिल्ली। मदर डेयरी ने एक महीने बाद फिर से दूध की कीमतों में बढ़ोतरी की है। मदर डेयरनी ने इससे पहले नवंबर में मदर डेयरी ने फुल क्रीम दूध की कीमत एक रुपये प्रति लीटर और टोकन दूध की कीमत दो रुपये प्रति लीटर बढ़ाने का फैसला किया था। अब मदर डेयरी ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में उपभोक्ताओं को एक बार फिर बड़ा झटका देते हुए फुल क्रीम, टोन्ड और डबल टोन्ड दूध की कीमतों में दो रुपये की वृद्धि कर दी है। ये दरें मंगलवार से लागू होंगी। वहीं, गाय के दूध और टोकन मिल्क की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। बता दें कि मदर डेयरी वर्ष 2022 में दूध की कीमतें पांच बार बढ़ा चुका है। ताजा बढ़ोतरी से पहले मार्च, अगस्त,अक्तूबर और नवंबर महीने में कीमतें बढ़ाई गई थी। बार-बार बढ़ रही कीमतों पर आम लोगों का कहना है कि दूध जैसी जरूरी चीज अब गरीबों की पहुंच से बाहर होती जा रही है। लोगों का आरोप है कि सरकार खाद्य वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित रखने में कोई रूचि नही दिखा रही है। सरकारी तंत्र पूरी तरह से फेल हो गया है और कंपनियां मनमर्जी कर रही है। लोगों का कहना है कि सर्दियों के मौसम में आमतौर पर दूध की बहुतायत होती है।

दिल्ली में और बड़ा होगा इलेक्ट्रिक बसों का बेड़ा,, 2025 तक 80 फीसदी होंगी इलेक्ट्रिक बसें

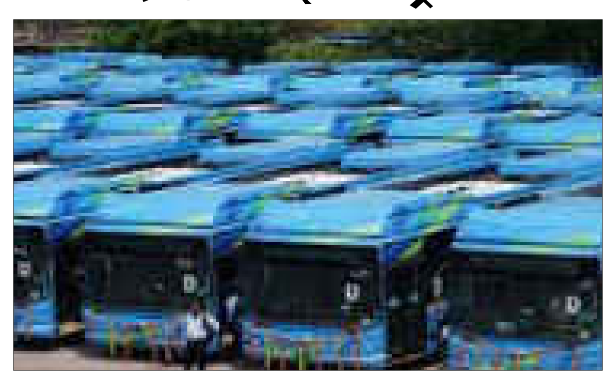

नई दिल्ली। दिल्ली में पर्यावरण प्रदुषण से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने अपनी बसों के बेड़े को इलेक्ट्रिक बसों में तब्दील करने की कवायद तेज कर दी है। जिसके तहत अगले साल दिल्ली सरकार इलेक्ट्रिक बसों के बेड़े में 2000 नई बसें जोड़ने जा रही है।

डीटीसी की प्रबंध निदेशक शिल्पा शिंदे ने बताया कि अगले साल दिसम्बर तक 1500 नई इलेक्ट्रिक एसी बसें आ जाएंगी। टाटा मोटर्स कंपनी वातानुकूलित लो फ्लोर इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति, परिचालन और रखरखाव का जिम्मा 12 साल तक संभालेगी। शिंदे ने बताया कि पहले की 300 इलेक्ट्रिक बसों में से बाकी की 50 ई-बसें इस महीने सड़कों पर आ जाएंगी। वहीं, कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड (सीईएसएल) की एमडी और सीईओ महुआ आचार्य ने बताया कि दिल्ली सरकार के लिए हाल में 3980 और इलेक्ट्रिक एसी बसों के लिए टेंडर खोला गया है, जिसका मूल्यांकन चल रहा है। महुआ ने कहा कि इस खेप में से न्यूनतम 500 इलेक्ट्रिक बसें दिल्ली सरकार को अगले साल मिल जाएंगी। इस तरह दिल्ली की सड़कों पर अगले साल दिसम्बर तक 2300 इलेक्ट्रिक बसें दौड़ती नजर आएंगी। अभी दिल्ली में 250 ई-बसें चल रही हैं। डीटीसी की प्रबंध निदेशक ने कहा कि पर्यावरण अनुकूल बसों को शामिल करने से वायु प्रदूषण में कमी के साथ लाखों नागरिकों को लाभ होगा। बता दें कि दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) बोर्ड ने एफएएमई-2 (फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल) श्रेणी के तहत कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड (सीएसईएल) की ग्रैंड चौलेंज स्कीम के तहत 921 बसों और नॉन एफएएमई-2 श्रेणी के तहत शेष 579 बसों की खरीद के लिए मंजूरी दी थी। गैर-फेम श्रेणी के 579 बसों के लिए दिल्ली सरकार एफएएमई-2 सब्सिडी के समान स्तर पर 262.04 करोड़ रुपए की सब्सिडी देगी। दिल्ली सरकार इन बसों के संचालन, रखरखाव और बुनियादी ढांचे के विकास पर लगभग 7145 करोड़ रुपए खर्च करेगी। इसी के साथ सरकार डीटीसी और क्लस्टर बस डिपो में इलेक्ट्रिक बसों के लिए चार्जिंग की सुविधा तेजी से विकसित कर रही है। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने हाल में इसे लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक बुलाई थी और चार्जिंग स्टेशन बनाने के काम को तेज करने के लिए कहा है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों की राजधानी बनाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए चार्जिंग स्टेशन बनाने का काम तेज करें।

डीटीसी की प्रबंध निदेशक ने बताया कि 2025 तक 80 फीसद इलेक्ट्रिक बसों के साथ 10 हजार से ज्यादा बसें दिल्ली की सड़कों पर होंगी। राजधानी की सड़कों पर इस समय 4010 बसें डीटीसी की और 3310 बसें क्लस्टर की तथा 250 इलेक्टिक बसें दौड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि 1500 और लो फ्लोर जीरो एमिशन इलेक्ट्रिक बसों का ठेका दे दिया गया है और दिसम्बर 2023 तक ये बसें आ जाएंगी। ये बसें अप्रैल से आनी शुरू हो जाएंगी और जून तक करीब 800 बसें आ जाएंगी। वहीं, 2025 तक 6380 और इलेक्ट्रिक बसें सार्वजनिक परिवहन के बेड़े में शामिल की जाएंगी। 2025 के अंत तक दिल्ली में कुल 10380 बसें हो जाएंगी, जिसमें 8180 इलेक्ट्रिक बसें होंगी।

वंचितों को गले लगाकर स्वामी जी का सपना करेंगे साकार

- स्वामी श्रद्धानंद के बलिदान दिवस पर आर्य समाज के अनुयायियों ने लिया संकल्प

नई दिल्ली। स्वामी श्रद्धानंद के बलिदान दिवस पर निकाली गई शोभा यात्रा में शामिल हुए अनन्य अनुयायियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए वंचित वर्ग को गले लगाकर समरसता के आधार पर स्वामी जी के स्वप्नों को साकार करने का संकल्प लिया। हिन्दू समाज को बांटने के षड्यंत्रों के खिलाफ स्वामी जी के चलाए शुद्धि आन्दोलन से घबराकर 23 दिसम्बर 1926 को महान संत स्वामी श्रद्धानंद की हत्या एक कट्टरवादी ने गोली मारकर कर दी। स्वामी जी की अंतिम यात्रा 25 दिसम्बर को निकाली गई थी और 96 वर्षो से निरंतर चली आ रही इस परंपरा को निभते हुए आर्य समाज के अनुयाईयों ने स्वामी श्रद्धानंद बलिदान दिवस पर इस साल भी शोभा यात्रा का आयोजन किया जिसमें विभिन्न आर्य समाजों, विद्यालयों, कालेजों और गुरुकुलों से स्वामी जी के श्रद्धालुओं ने भारी संख्या में भाग लिया। यात्रा का समापन विशाल समारोह के साथ रामलीला मैदान में सम्पन्न हुआ। केन्द्रीय सभा के प्रधान सुरेंद्र कुमार रैली ने कहा, स्वामी श्रद्धानंद भारत के शिक्षाविद, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तथा आर्यसमाज के संन्यासी थे जिन्होंने स्वामी दयानन्द सरस्वती की शिक्षा का प्रसार किया। यूपी के शिया बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष जितेन्द्र नारायण सिंह ने कहा मैंने स्वामीजी को जेल में पढ़ा और आंदोलन से प्रभावित हुआ। सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद, स्वामी प्रणवानंद, विहिप अध्यक्ष कपिल खन्ना, सतीश चड्डा सहित कई अतिथियों ने स्वामी जी के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।

प्रदर्शन निवासियों का कहना है कि जाने किस मुहूर्त में वह इस नोएडा एक्सटेंशन में आकर फंस गए

फ्लैट की ना रजिस्ट्री ना कब्जा, लोगों में फूटा गुस्सा

ग्रेटर नोएडा। दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा वेस्ट की करीब 16 हाउसिंग सोसायटी के निवासियों ने रविवार को फ्लैट रजिस्ट्री का मुद्दा उठाते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने एक मूर्ति गोल चक्कर पर प्रदर्शन किया और सरकार को दौबारा से अपनी मांग याद दिलाई। लोगों ने कहा कि उन्हे आज तक ना फ्लैट की रजिस्ट्री मिली है और ना ही कब्जा मिला है।

रविवार को प्रदर्शन में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ भी जमकर नारेबाजी हुई। इस दौरान लोगों ने आरोप लगाया कि बिल्डर और प्राधिकरण दोनों की आपस में सांठगांठ है, जिसके चलते जानबूझकर निर्दोष घर खरीददारों को परेशान किया जा रहा है। प्राधिकरण के द्वारा अब तक जो भी कार्रवाई की जा रही है या की गई है, वह सब दिखावा एवं छलावा है। निवासियों का कहना है कि जाने किस मुहूर्त में वह इस नोएडा एक्सटेंशन में आकर फंस गए और समस्याएं जो है, वह खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है। पिछले 12 साल से ये घर खरीदार संघर्ष कर रहे हैं। चुनाव के वक्त नेता रजिस्ट्री करवाने और घर दिलवाने का सिर्फ वादा करते हैं और चुनाव पूर्ण होते ही वो नदारद हो जाते हैं।

प्रदर्शन के साथ-साथ किए लाखों ट्वीट, लेकिन सुनवाई नहीं

निवासियों का कहना है कि वह लगातार प्रदर्शन करने के साथ-साथ पीएम, सीएम सहित प्रशासनिक अधिकारियों को लाखों ट्वीट किए गए, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। रविवार के शांतिपूर्ण प्रदर्शन में सुपरटेक इको विलेज 1, 2 और 3, एपेक्स गोल्फ एवेन्यू, जेएम फ्लोरेंस, कासा ग्रीन्स वन, आमात्रा होम्स, अजनारा होम्स, अर्थकॉन, ला रेज़ीडेंशिया, ला सलोरा, गुलशन बलेना, विक्ट्री वन सेंट्रल, विक्ट्री वन अमारा, गौर सिटी सहित कई प्रोजेक्ट के घर खरीदार पहुंचे। घर खरीदारों ने सरकार को उनका वादा याद दिलाया और बेइमान बिल्डरों के खिलाफ नारेबाजी की।

ग्रेनो वेस्ट की ज्यादातर सोसाइटियों में निवासी रजिस्ट्री के लिए कर रहे इंतजार

घर खरीदार आशीष विजय पुरिया, मनोज, आशीष, दिलीप, दीपक और विनीत का कहना है कि अब हर हफ्ते हम इसी तरह अपनी आवाज उठाते रहेंगे और अपना अधिकार लेकर रहेंगे। वहीं, अपैक्स गोल्फ एवेन्यू के रोहित मिश्रा का कहना है कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट की ज्यादातर सोसाइटीज की रजिस्ट्री पेंडिंग है ये बड़ी विचित्र परिस्थिति है। बैंक ब्याज ले रहे है, प्राधिकरण रजिस्ट्री की रकम ले चुका है, बिल्डर पैसे ले चुका है, लेकिन रजिस्ट्री है जो अबतक दीर्घकालीन परियोजना जैसी फंसी पड़ी है।

अब सिर्फ आश्वासन पर नहीं रुकेगा आंदोलन

नेफोवा अध्यक्ष अभिषेक कुमार का कहना है कि अब आंदोलन सिर्फ आश्वासन पर नहीं रुकेगा। सरकार घर खरीदारों की समस्या की इस तरह अनदेखी नहीं कर सकती। उन्हें तुरंत रजिस्ट्री शुरु करनी चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी की मां के निधन पर दुनिया भर के नेताओं ने जताया शोक

एजेंसी ■तोक्यो/कोलंबो

हीराबेन (फाइल फोटो)

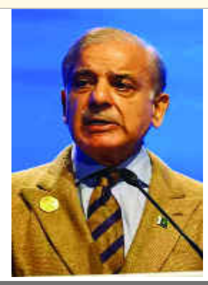

विश्व के कई नेताओं ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां हीराबेन के निधन पर शोक व्यक्त किया। हीराबेन (99) का अहमदाबाद के एक अस्पताल में शुक्रवार तड़के निधन हो गया। हीराबेन का गांधीनगर के एक श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया।

जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने एक ट्वीट में कहा, प्रधानमंत्री मोदी, मैं आपकी प्यारी मां के निधन पर गहरी संवेदनाएं प्रकट करता हूं। उनकी आत्मा को शांति मिले। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंडे ने कहा कि मोदी की मां के निधन के बारे में जानकर उन्हें बहुत दुख हुआ है। उन्होंने ट्वीट किया, दुख की इस घड़ी में मैं प्रधानमंत्री मोदी जी और परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने एक बयान में कहा, प्रधानमंत्री मोदी की प्यारी मां के निधन से गहरा दुख हुआ। दुख की इस घड़ी में प्रधानमंत्री मोदी और उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने प्रधानमंत्री मोदी की मां हीराबेन के निधन पर शोक प्रकट किया। शरीफ ने ट्वीट किया मां को खोने से बड़ा नुकसान और कोई नहीं हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी की मां के निधन पर मेरी ओर से शोक संवेदनाएं। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे ने भी हीराबेन के निधन पर मोदी के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने भी मोदी की मां के निधन पर दुख जताते हुए उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

कनाडा के लोक गायक इयान टायसन का 89 साल की उम्र में निधन

टोरंटो। कनाडा के लोक गायक इयान टायसन का 89 साल की उम्र में बृहस्पतिवार को निधन हो गया। टायसन ने फोर स्ट्रांग विंड्स जैसे आधुनिक लोकगीत लिखे हैं और कई युगल गीत भी गाए हैं। उन्होंने भविष्य में सुपरस्टार बनने वाले जोनी मिशेल और नील यंग जैसे गायकों का करियर संवारने में भी अहम भूमिका निभाई। 25 सितंबर 1933 को जन्मे टायसन के माता-पिता इंग्लैंड से आकर कनाडा में बसे थे। मैसिओली ने कहा कि ब्रिटिश कोलंबिया स्थित विक्टोरिया के निवासी इयान को स्वास्थ्य संबंधी कई जटिलताएं थीं।

पुतिन, शी ने वार्ता की, रूस ने यूक्रेन पर दागीं कई मिसाइलें

एजेंसी ■कीव

यूक्रेन में 10 महीने से जारी युद्ध के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अपने द्विपक्षीय सहयोग को और प्रगाढ़ करने का शुक्रवार को संकल्प लिया। इस बीच, रूस की ओर से यूक्रेन पर बृहस्पतिवार रात और शुक्रवार तड़के ड्रोन और रॉकेट से हमले किए गए।

पुतिन और शी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए द्विपक्षीय वार्ता के दौरान यूक्रेन का सीधे तौर पर कोई उल्लेख नहीं किया लेकिन उन्होंने भू-राजनीतिक तनाव और मुश्किल अंतरराष्ट्रीय स्थिति के बीच मास्को और बीजिंग के बीच मजबूत होते संबंधों की सराहना की। पुतिन ने कहा, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के मद्देनजर, रूसी-चीनी रणनीतिक साझेदारी बढ़ रही है। पुतिन ने शी को वसंत के मौसम में मास्को आने का न्यौता दिया।

यूक्रेन में, अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को ऊर्जा केंद्र और अन्य महत्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए रूसी मिसाइल हमले में मृतकों की संख्या बढ़ने की बात कही। पिछले कुछ हफ्तों में रूसी सुरक्षा बलों का यह सबसे भीषण हमला था। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के उप प्रमुख किरिलो टिमोशेंको के मुताबिक हमले में चार लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन की सेना ने शुक्रवार को कहा कि रूसी सेना ने पिछले 24 घंटों में यूक्रेन के महत्वपूर्ण केंद्रों को निशाना बनाकर कुल 85 मिसाइल दागीं और 35 ड्रोन हमले किए। सेना की रिपोर्ट में कहा गया कि रूस ने मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम से भी 63 हमले किए।

यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि बृहस्पतिवार सुबह को मिसाइल हमले के बाद रूसी सेना ने ईरान निर्मित शाहेद-131/136 ड्रोन से बृहस्पतिवार रात और शुक्रवार तड़के हमले किए। वायु सेना ने कहा कि सभी ड्रोन को गिरा दिया गया। कीव के महापौर विताली क्लित्स्को ने कहा कि राजधानी को निशाना बनाकर ए हमले किए गए। क्लित्स्को के अनुसार, यूक्रेन की राजधानी कीव की तरफ उड़ान भरने वाले सात कामीकेज़ ड्रोन में से दो को शहर के छोर पर और पांच को कीव में गिरा दिया गया। इसके अलावा दोनेत्स्क, लुहांस्क प्रांत, उत्तर में चेर्नीहाइव, सूमी, खारकीव प्रांतों और दक्षिण में जापोरिज्जिया तथा खेरसॉन में भी हमले किए गए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने वीडियो संबोधन में कहा कि रूस ने दोनेत्स्क पर कब्जा करने के इरादों को नहीं छोड़ा है।

जेलेंस्की ने यूक्रेन के लोगों को आगाह किया कि रूसी सैन्य बल नव वर्ष पर हमले और तेज कर सकते हैं। उन्होंने कहा, इस साल के दो दिन शेष हैं। शायद दुश्मन एक बार फिर कोशिश करेंगे कि हम नए साल को अंधेरे में मनाएं। वे हमारे शहरों पर हमले की तैयारी कर रहे हैं।

सीरिया में हमले में 10 की मौत, 52 आतंकियों को गिरफ्तार किया

बेरूत। पूर्वी सीरिया में शुक्रवार को तेल उद्योग के कर्मचारियों को लेकर जा रही एक बस को निशाना बनाकर आतंकवादियों ने रॉकेट हमला किया, जिसमें कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। सरकार ने यह जानकारी दी। उत्तर में, सीरियाई कुर्द के नेतृत्व वाली सेना ने घोषणा की कि उन्होंने इस्लामिक स्टेट समूह के स्लीपर सेल के खिलाफ एक अभियान में 52 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया।

सीरिया के पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, रॉकेट पूर्वी दीर अल-जौर प्रांत में अल-तैम गैस क्षेत्र में गिरा। इस हमले की जिम्मेदारी का तत्काल किसी ने दावा नहीं किया लेकिन ब्रिटेन के एक युद्ध निगरानी समूह ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि हमले के पीछे आईएस का हाथ है। ऑब्जर्वेटरी ने रॉकेट हमले से मरने वालों की संख्या भी अधिक होने की सूचना देते हुए कहा कि कम से कम 12 कर्मचारी मारे गए। अमेरिका समर्थित और कुर्द नेतृत्व वाले सीरियन डेमोक्रेटिक बलों ने शुक्रवार को यह भी कहा कि उनके छापे ने कथित तौर पर नए साल की पूर्व संध्या पर हमले की योजना को विफल कर दिया।

श्रीलंका में 2022 में रहा अभूतपूर्व आर्थिक एवं राजनीतिक संकट, भारत से मिली राहत

एजेंसी ■कोलंबो

लेखा-जोखा

श्रीलंका 2022 में एक अभूतपूर्व वित्तीय संकट की चपेट में आया, जिसके चलते द्वीपीय देश में राजनीतिक उथल-पुथल हुई जिसके कारण राजपक्षे परिवार को सत्ता गंवानी पड़ी। जुलाई में राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और मई में उनके बड़े भाई प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के इस्तीफों के बीच बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शन उनके सहयोगी रानिल विक्रमसिंघे के नेतृत्व वाली सरकार के गठन के साथ कम हुए। विक्रमसिंघे पर अब अर्थव्यवस्था को स्थिर करने और उसे पटरी पर लाने की जिम्मेदारी है जो पहले महामारी से बुरी तरह प्रभावित हुई थी।

अप्रैल से जुलाई तक, श्रीलंका में अराजकता जैसी स्थिति थी। ईंधन स्टेशनों पर लंबी कतारें लगी दिखती थीं और खाली रसोई गैस सिलेंडरों के साथ सड़कों को अवरुद्ध करने वाले हजारों लोगों में गुस्सा था। लंबी लाइनों में लगने और कुछ मामलों में 72 घंटे से अधिक की प्रतीक्षा के कारण थकावट होने से कतारों में 20 से अधिक लोगों की मौत हो गई। अप्रैल में, राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने अपने भाई एवं वित्त मंत्री बासिल राजपक्षे को देश में आर्थिक उथल-पुथल की स्थिति के बीच बर्खास्त कर दिया था। मई में श्रीलंका सरकार ने विदेशी ऋण में 51 अरब अमरीकी डालर से अधिक की ऋण चूक घोषित की जो देश के इतिहास में पहली घटना थी। पड़ोसी देश श्रीलंका को जरूरत के समय मदद के लिए भारत आगे आया और उसे वर्ष के दौरान लगभग चार अरब अमेरिकी डालर की वित्तीय सहायता दी।

जनवरी में, भारत ने वित्तीय संकट के सामने आने के बाद श्रीलंका को 90 करोड़ अमेरिकी डालर का ऋण देने की घोषणा की। उस समय श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से कम हो रहा था। बाद में, भारत ने श्रीलंका को ईंधन खरीद के लिए 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर की ऋण सुविधा की पेशकश की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ऋण सुविधा को बाद में बढ़ाकर 70 करोड़ अमेरिकी डॉलर कर दिया गया। विदेशी मुद्रा की लगातार कमी और बढ़ती महंगाई के कारण दवाओं, ईंधन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की भारी कमी हो गई। ऋण चूक 1948 में स्वतंत्रता के बाद से देश के सबसे खराब आर्थिक संकट से निपटने में तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे की सरकार के कुप्रबंधन को लेकर अप्रैल में सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन के बीच हुई।

विदेश मंत्री एस जयशंकर अभूतपूर्व अराजकता के बीच द्वीप का दौरा करने वाले पहले विदेशी गणमान्य व्यक्ति थे। जयशंकर ने मार्च में कहा था कि श्रीलंका हमारा सबसे करीबी पड़ोसी है और हम उसकी हरसंभव मदद करेंगे। भारत ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से श्रीलंका को तत्काल वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए भी कहा। जून में श्रीलंका के तत्कालीन प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे ने कहा था कि श्रीलंका की अर्थव्यवस्था' पूरी तरह से चरमरा गई है। जून में, भारत ने देश में आर्थिक संकट का आकलन करने के लिए चार वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों को कोलंबो भेजा था।

जयशंकर ने साइप्रस में कोणार्क चक्र का दौरा किया, दोनों देशों की गहरी मित्रता का प्रतीक बताया

एजेंसी ■निकोसिया

विदेश मंत्री एस जयशंकर साइप्रस की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा के दौरान कोणार्क चक्र देखने गए जो दोनों देशों के बीच गहरी मित्रता का प्रतीक है। जयशंकर 29 से 31 दिसंबर तक साइप्रस की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। दोनों देश अपने राजनयिक संबंध स्थापित होने की 60वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर बृहस्पतिवार को कोणार्क चक्र देखने गए जिसे भारत ने वर्ष 2017 में साइप्रस को भेंट किया था। जयशंकर ने ट्वीट किया, साइप्रस के विदेश मंत्री लोआनिस कासोउलिडेस और गृह मंत्री नोउरिस निकोस के साथ वहां के विदेश मंत्रालय में स्थापित कोणार्क चक्र देखा। उन्होंने कहा, वर्ष 2017 में भारत की ओर से भेंट किया गया, यह हमारे देशों के बीच मजबूत मित्रता का प्रतीक है। जयशंकर ने साइप्रस के अपने समकक्ष लोआनिस कासोउलिडेस के साथ सार्थक चर्चा करने के बाद एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, भारत साइप्रस मुद्दे के समाधान के तौर पर संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों पर आधारित द्वि-क्षेत्रीय संघ की ओर अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है। वहीं, कासोउलिडेस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और अंतरराष्ट्रीय कानून के संबंध में साइप्रस का एक व्यवहार्य तथा व्यापक समझौते पर पहुंचने का समर्थन करने के लिए भारत का आभार जताया था। उन्होंने कहा था, जैसा कि हमने भारत के मामले में देखा है, देश का विभाजन एक खतरनाक यात्रा की शुरुआत थी और निश्चित तौर पर अंत नहीं था।

बम फेंकने के मामले में दो सैनिकों के खिलाफ अभियोग दायर किया

यरुशलम। इजराइली सेना ने कहा कि उसके अभियोजकों ने वेस्ट बैंक में एक फलस्तीनी के घर पर कथित तौर पर विस्फोटक फेंकने वाले दो सैनिकों के खिलाफ अभियोग दायर किया है। यह अपने आप में एक दुर्लभ मामला है जिसमें फलस्तीनियों के खिलाफ अपराध को लेकर इजराइल अपने सैनिकों पर अभियोग चला रहा है। इजराइली सेना ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि अभियोजकों ने दो सैनिकों पर विस्फोटक उपकरण बनाने, इरादतन हमला करने और जानबूझकर संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप लगाए हैं।

म्यांमा में अदालत ने सू ची को भ्रष्टाचार के मामले में फिर दोषी करार दिया

एजेंसी ■बैंकॉक

सैन्य शासित म्यांमा की एक अदालत ने शुक्रवार को देश की अपदस्थ नेता आंग सान सू ची को उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के एक और मामले में दोषी ठहराया और उन्हें सात साल जेल की सजा सुनाई। फरवरी 2021 में सेना द्वारा सू ची की निर्वाचित सरकार को गिराए जाने के बाद से उन पर कई राजनीतिक अभियोग लगाए गए और अब इस सजा के जुड़ने के साथ उन्हें कुल 33 वर्ष जेल में बिताने होंगे। शुक्रवार को समाप्त हुए मामले में भ्रष्टाचार विरोधी कानून के तहत सू ची के खिलाफ पांच आरोप थे। सू ची (77) को कई अन्य आरोपों में भी दोषी ठहराया गया है जिनमें अवैध रूप से वॉकी-टॉकी का आयात करने और उन्हें रखने, कोरोना वायरस प्रतिबंधों का उल्लंघन करने, देश के सरकारी गोपनीयता कानून का उल्लंघन करने, देशद्रोह और चुनाव में धोखाधड़ी जैसे आरोप शामिल हैं। इससे पहले उन्हें विभिन्न अपराधों के लिए कुल 26 साल की कैद की सजा सुनाई गई है। उनके समर्थकों और स्वतंत्र विश्लेषकों का कहना है कि उनके खिलाफ लगाए गए विभिन्न आरोपों का उद्देश्य सत्ता को अपने अधिकार में लेने के सैन्य शासन के प्रयास को वैध बनाना और चुनाव से पहले उन्हें राजनीति से दूर रखना है। म्यांमा के सैन्य शासन ने अगले साल चुनाव कराने का वादा किया है। अधिकारियों द्वारा दंडित किए जाने के डर से नाम नहीं छापने के अनुरोध पर राजधानी के बाहरी इलाके में मुख्य जेल में विशेष रूप से बनाए गए अदालत कक्ष में शुक्रवार के फैसले से एक कानूनी अधिकारी ने अवगत कराया।

कंबोडिया के कसीनो होटल में लगी आग में मृतक की संख्या बढ़ी

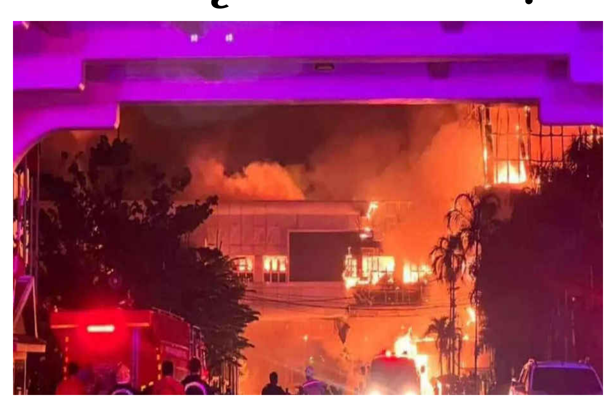

एजेंसी ■नोम पेन्ह

पश्चिमी कंबोडिया के एक कसीनो होटल में लगी भीषण आग में मरने वालों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर 25 हो गई। पीड़ितों की तलाश में खोज अभियान अब भी जारी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

थाईलैंड की सीमा से लगते पोईपेट में ग्रैंड डायमंड सिटी कसीनो एंड होटल में बुधवार आधी रात के करीब आग लग गई थी जिस पर 12 घंटे से अधिक समय बाद बृहस्पतिवार दोपहर को काबू पाया जा सका। बंटेय मीनचे प्रांत के सूचना विभाग के प्रमुख सेक सोखोम के अनुसार, शुक्रवार सुबह निकाले गए छह शवों के साथ ही अब तक घटनास्थल से 25 शव निकाले जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि कुछ शव कमरे में तो कुछ सीढ़ियों पर पड़े थे। उन्होंने कहा कि 60 से अधिक लोग घायल हुए हैं और मरने वालों की संख्या में इजाफा होने की आशंका है क्योंकि बचावकर्मी मलबे के नीचे से, बंद कमरों के अंदर से पीड़ितों को निकालने का प्रयास कर रहे हैं। कंबोडिया की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन समिति के प्रवक्ता सोथ किमकोलमोनी ने बताया कि ग्रैंड डायमंड सिटी कसीनो परिसर में 500 कर्मचारी हैं और बुधवार को वहां1,000 लोग आए थे। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि आग लगने के दौरान वहां कितने लोग मौजूद थे और कितने वहां से सुरक्षित निकल पाने में सफल रहे। जोर शोर से चलाए जा रहे अभियान के बीच हताहतों की सटीक संख्या का पता लगाना अभी मुश्किल है क्योंकि अफरा तफरी के माहौल में कई जीवित बचे घायल उपचार के लिए सीमा पार कर पड़ोसी देश थाईलैंड चले गए जहां चिकित्सा सुविधाएं बेहतर हैं।

यूक्रेन में जारी जंग के बीच बड़े पैमाने पर रूसी युद्ध अपराधों के प्रमाण मिले

एजेंसी ■कीव

यूक्रेन में दस महीने से जारी युद्ध के बीच इस बात के पर्याप्त प्रमाण मिले हैं कि रूसी सैनिकों ने युद्ध भूमि में आचरण और नागरिकों के साथ बर्ताव संबंधी अंतरराष्ट्रीय कानूनों की धज्जियां उड़ाते हुए पूर्ण युद्ध छेड़ रखा है। यूक्रेन अभी रूस के संभावित युद्ध अपराधों के 58 हजार से अधिक मामलों की जांच कर रहा है, जिनमें हत्या, अपहरण, अंधाधुंध बमबारी और यौन हमलों से जुड़े मामले शामिल हैं।

द एसोसिएटेड प्रेस (एपी) और फ्रंटलाइन की रिपोर्ट में स्वतंत्र रूप से 600 से अधिक ऐसे मामलों की पहचान की गई है, जिनमें युद्ध कानूनों का उल्लंघन किए जाने के संकेत मिलते हैं। इनमें से कुछ मामले सैकड़ों नागरिकों का नरसंहार करने वाले हमलों से जुड़े हैं। द हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय में मुख्य अभियोजक करीम खान ने एपी से कहा, यूक्रेन एक अपराध स्थल है।

उनकी यह टिप्पणी एक कड़वा सच है। प्राधिकारियों के पास यूक्रेन में बड़े पैमाने पर रूसी युद्ध अपराधों के प्रमाण हैं।

ईरान ने सैन्य अभ्यास किया

दुबई। ईरान की सेना ने शुक्रवार को ओमान की खाड़ी के तटीय क्षेत्र में और सामरिक होर्मुज जलडमरूमध्य के पास अपना वार्षिक अभ्यास शुरू कर दिया। यह सैन्य अभ्यास ऐसे समय हो रहा है जब देश में तीन महीने से अधिक समय से सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी है। जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी के मुहाने पर स्थित है और यह वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण है।

तलाश महापौर बायरन ब्राउन ने घोषणा की कि वाहन चलाने पर लगा प्रतिबंध हटा लिया गया।

बुफालो में बर्फीले तूफान में लापता लोगों की तलाश तेज

एजेंसी ■बुफालो (अमेरिका)

अमेरिका में बर्फीले तूफान से तबाह हुए बुफालो में बृहस्पतिवार को सड़कें यातायात के लिए खोल दी गईं। हालांकि, अधिकारी लगातार उन लोगों की तलाश में जुटे हैं, जो पिछले सप्ताह आए बर्फीले तूफान के बाद से लापता हैं।

न्यूयॉर्क के दूसरे सबसे अधिक आबादी वाले शहर के महापौर बायरन ब्राउन ने घोषणा की कि बृहस्पतिवार मध्य रात्रि के बाद से वाहन चलाने पर लगा प्रतिबंध हटा लिया गया। पश्चिम न्यूयॉर्क में कम से कम 40 लोगों की मौत हुई है और इनमें से अधिकतर बुफालो से हैं। ब्राउन ने बुधवार देर रात को संवाददाता सम्मेलन में कहा, बर्फ हटाने के काम में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उपनगरीय सड़कें, प्रमुख राजमार्ग और बुफालो नियाग्रा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहले ही खोले जा चुके हैं। हालांकि, ब्राउन ने निवासियों से अभी भी बिना किसी जरूरी काम के सड़क पर वाहन लेकर निकलने से बचने का अनुरोध किया है। नेशनल गार्ड बुफालो में घर-घर जाकर लोगों की जरूरतों का पता लगा रहे हैं, जहां तूफान के कारण घरों में बिजली आपूर्ति ठप पड़ गई है। मौसम खुलने के साथ बर्फ के पिघलने पर पीड़ितों के मिलने की संभावना को देखते हुए अधिकारी उनकी तलाश में जुटे हैं। बुफालो पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारी भी पीड़ितों की तलाश में जुटे हैं। एरी काउंटी के कार्यकारी मार्क पोलोनकार्ज ने बृहस्पतिवार को तूफान के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि कुछ पीड़ितों की अब भी पहचान नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा, समुदाय में ऐसे परिवार हैं, जो अब तक अपने लापता प्रियजनों की तलाश कर रहे हैं।

दक्षिण चीन सागर के ऊपर अमेरिकी विमान के सामने आया चीनी विमान, दुर्घटना टली : अमेरिका

एजेंसी ■बीजिंग

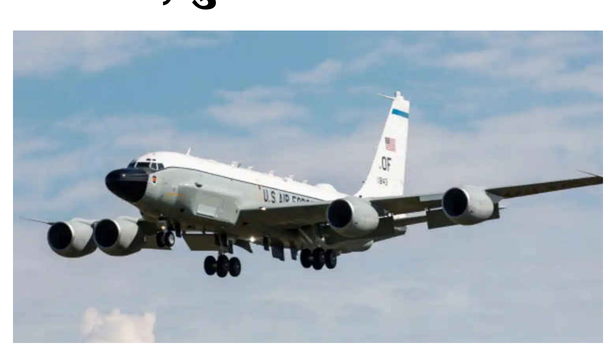

अमेरिकी सेना ने कहा है कि चीनी नौसेना के लड़ाकू विमान ने इस महीने दक्षिण चीन सागर पर अमेरिकी वायुसेना के एक टोही विमान के पास खतरनाक तरीके से उड़ान भरी थी, लेकिन अमेरिकी पायलट ने अपनी कुशलता से दोनों विमान को भिड़ने से बचा लिया।

अमेरिकी सेना की हिंद-प्रशांत कमान ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा घटना 21 दिसंबर को हुई थी, जब चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) का जे-11 विमान अमेरिकी वायुसेना द्वारा संचालित विशाल टोही विमान आरसी-135 के सामने छह मीटर की दूरी से गुजर गया। बयान में कहा गया है कि अमेरिकी विमान कानून के अनुसार अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में दक्षिण चीन सागर पर नियमित अभियान पर था। इसके मुताबिक, अमेरिकी विमान के पायलट ने अपनी कुशलता से दोनों विमान को भिड़ने से बचा लिया। चीन दक्षिण चीन सागर को अपना क्षेत्र बताता है और उसमें उड़ान भरने वाले अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के विमानों का पीछा भी करता है। हिंद-प्रशांत कमान ने अपने बयान में कहा, अमेरिकी और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति संयुक्त बल एक मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए प्रतिबद्ध है।

जागरुकता

कोविड रोधी टीके की चौथी खुराक अभी जरूरी नहीं

कई देश अपने नागरिकों को कोविड रोधी टीके की तीसरी और यहां तक कि चौथी एहतियाती (बूस्टर) खुराक दे रहे हैं, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में अभी चौथी खुराक की जरूरत नहीं है। उल्लेखनीय है कि कोविड के खिलाफ दोनों टीके लगवा टीकाकरण पूरा करवा चुके कई लोगों ने भी अब तक एक भी एहतियाती खुराक नहीं ली है। विशेषज्ञों का कहना है कि इसके लिए एक ढांचागत और व्यवस्थित प्रतिक्रिया की जरूरत है।

चीन में वृद्धि के बाद कोविड एक बार फिर रडार पर है और लोग भारत में संक्रमण की एक और लहर की आशंका को लेकर चिंतित है। ऐसे में क्या सरकार को दो टीकों की सुरक्षा में वृद्धि के लिए दूसरी एहतियाती खुराक की अनुमति देनी चाहिए इस पर कुछ वैज्ञानिक जमीनी स्तर पर हालात परखने का आह्वान करते हैं।

उन्होंने कहा कि कोविड रोधी टीके की चौथी खुराक इस समय अनुचित है क्योंकि देश में अधिकांश लोगों को अभी तक तीसरी खुराक नहीं मिली है और वर्तमान में उपयोग किए जा रहे टीकों को दूसरी एहतियाती खुराक के तौर पर दिए जाने की उपयोगिता पर कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है।

इसके अलावा, भारत में बड़ी संख्या में लोग वायरस के संपर्क में आ चुके हैं और उन्हें टीका भी लगाया गया है, ऐसे में स्थिति काफी अलग है। भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर), पुणे में शिक्षण कार्य से जुड़े सत्यजीत रथ ने कहा, यह उम्मीद करने का कोई कारण नहीं है कि चीनी स्थिति भारत के लिए कुछ भविष्यवाणी करेगी। चीन में हालात विशेष रूप से देश द्वारा लगभग तीन वर्षों से अपनाई जा रही शून्य-कोविड नीतियों की वजह से है। चीन में पिछले कुछ सप्ताह में प्रतिदिन हजारों मामले सामने आ रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि बुधवार को, भारत ने 0.14 प्रतिशत की दैनिक संक्रमण दर और 0.18 प्रतिशत की साप्ताहिक संक्रमण दर के साथ कोरोना वायरस संक्रमण के 188 नए मामले दर्ज किए।

रथ ने कहा, टीकाकरण के अलावा व्यापक वास्तविक संक्रमण के साथ भारतीय स्थिति काफी अलग है। और कोविड वायरस आखिरकार फैल रहा है और इसलिए केवल चीन में ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के समुदायों में उत्परिवर्तित हो रहा है, इसलिए हर जगह नए स्वरूप (वेरिएंट) उभर रहे हैं। आईआईएसईआर पुणे से ही प्रतिरक्षा विज्ञानी विनीता बल ने कहा, करीब एक साल पहले ही भारत में ओमीक्रॉन लहर आई थी। अगर इस संक्रमण की वजह से पर्याप्त ओमीक्रोन प्रतिरक्षा नहीं बनी तो भारत में फिलहाल उपलब्ध कोई भी टीका और सुरक्षा प्रदान नहीं करेगा। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देश पूरी तरह से टीकाकृत व्यक्तियों को तीसरी और चौथी बूस्टर खुराक के साथ-साथ प्रतिरक्षा में अक्षम लोगों को अतिरिक्त खुराक दे रहे हैं।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ. जे.ए. जयलाल ने मंगलवार को कहा कि आईएमए ने एक बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया से स्वास्थ्य कर्मियों और अग्रिम पंक्ति के कर्मियों को चौथी खुराक दिए जाने पर विचार करने का आग्रह किया। यह बैठक चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और थाईलैंड जैसे देशों में बढ़ते मामलों की पृष्ठभूमि में हुई थी।

हालांकि बल चौथी खुराक दिए जाने के विचार से इत्तेफाक नहीं रखतीं और उनका मानना है कि कई कारणों से फिलहाल इसकी आवश्यकता नहीं है। आईआईएसईआर, पुणे से जुड़ीं बल ने बताया, 18 वर्ष से अधिक आयु के अधिकांश भारतीयों को पहली खुराक मिल चुकी है, लेकिन बहुत बड़ी संख्या में लोगों को दूसरी या तीसरी खुराक नहीं मिली है। इसलिए अगर डॉक्टर अतिरिक्त बूस्टर खुराक की मांग कर रहे हैं, तो यह वास्तविकता की जांच के बिना घबराहट की प्रतिक्रिया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, लगभग 22.35 करोड़ एहतियाती खुराक दी गई है, जो तीसरी खुराक के लिए पात्र कुल जनसंख्या का 27 प्रतिशत है। बड़ी आबादी को अब भी एहतियाती खुराक दी जानी बाकी है।

बल का कहना है कि दैनिक मामलों की निगरानी की जानी चाहिए। शुरू में हवाईअड्डे पर लैंड करने वाले यात्रियों की रैंडम जांच की जानी चाहिए और अगर मामले बढ़ते हैं तो उनकी नियमित जांच होनी चाहिए। रथ ने बल के विचारों से सहमति जताते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि अधिकारियों ने सभी को तीसरी एहतियाती खुराक देने के लिए कोई बड़ा प्रयास नहीं किया है। रथ के विचार में, गंभीर कोविड बीमारी की किसी भी बड़ी राष्ट्रव्यापी लहर का संकेत देने के लिए अभी तक कोई सबूत नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार और समाज दोनों यह पहचानने में विफल रहे हैं कि महामारी अब भी जारी है और दीर्घकालिक व्यवस्थित सार्वजनिक स्वास्थ्य-उन्मुख और सुगठित प्रतिक्रिया की आवश्यकता है।

काम की बात

किसी को ठंड नहीं लगती, क्यों?

जो लोग ज्यादा ठंड वाली जगह पर रहते हैं उनका शरीर उसी हिसाब से खुद को एडजस्ट कर लेता है। इसे ऐसे समझें, दिल्ली में रहने वाले को 2 डिग्री सेल्सियस टेम्प्रेचर में ठंड लगती है। अगर वह व्यक्ति भोपाल आएगा तो यहां 10 डिग्री में उसे ठंड नहीं लगेगी। इसी तरह भोपाल में रहने वाले को 10 डिग्री में काफी ठंड लगेगी और संभव है कि वह स्वेटर, कोट और टोपी पहने दिखे। कई लोग अपनी हैबिट्स की वजह से ठंड महसूस नहीं करते। जैसे कुछ लोग सर्दियों में भी सुबह ठंडे पानी से नहाने के बावजूद बीमार नहीं पड़ते। मगर गर्म पानी से नहाने वाले एक दिन अचानक ठंडे से नहाएंगे तो बीमार हो जाएंगे।

फिजिकल एक्टिविटी- रोजाना फिजिकल एक्टिविटी करने वालों का मेटाबॉलिज्म अच्छा होता है। इसलिए ऐसे लोगों को ठंड ज्यादा नहीं लगती है। जैसे भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी रोजाना कई किलोमीटर वॉक करते हैं। इस रेगुलर एक्सरसाइज की वजह से संभव है कि उनकी फिजिकल फिटनेस अच्छी हो गई है। इसलिए ठंड नहीं लगती। ऐसा कई स्पोटर्सपर्सन के साथ भी होता है।

हाइट कम तो ठंड लगेगी कम- बेक की लावल यूनिवर्सिटी के रिसर्चर जैकस ली ब्लैंक के अनुसार ठंड लगने या न लगने का सीधा संबंध हमारी शारीरिक बनावट से है। छोटे कद के लोगों की मसल्स से एन्वायर्नमेंट में कम हीट यानी गर्माहट रिलीज होती है। वहीं लंबे कद के लोगों की मसल्स से ज्यादा हीट एन्वायर्नमेंट में रिलीज होती है। इस वजह से छोटे कद के लोगों को कम ठंड लगती है।

बॉडी फैट का असर- हमारा बॉडी फैट भी हमें ठंड से बचाता है। स्किन के नीचे मौजूद बॉडी फैट एक इंसुलेटर का काम करता है। इससे शरीर की गर्माहट बाहर नहीं निकल पाती।

एल्फा एक्टिनिक प्रोटीन की कमी से बढ़ जाती है ठंड झेलने की शक्ति- अमेरिकन जर्नल ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स में छपी एक स्टडी में भी इस मिस्ट्री के बारे में बताया गया है। इसमें कहा गया कि जिन लोगों के मसल फाइबर में एल्फा एक्टिनिक 3 नाम का प्रोटीन कम होता है, उन लोगों में ठंड झेलने की शक्ति बाकी लोगों से बेहतर होती है।

नर्व डैमेज- सर्दी या गर्मी महसूस करने में हमारे नर्वस सिस्टम का अहम रोल होता है। ऐसे में अगर नर्व पाथ-वे यानी नसों का वो रास्ता जिससे सिग्नल ब्रेन को जाता है उसमें कोई डैमेज हो जाए या ब्रेन में कोई इंजरी हो या ब्रेन स्ट्रोक हो जाए, तो सर्दी या गर्मी महसूस नहीं होती है।

कोंजिनेंटल इंसेंसिटिविटी- यह कंडीशन जन्म से ही होती है। यह एक बहुत रेयर कंडीशन है। इसमें पेशेंट को इंजरी होने पर भी दर्द का अहसास नहीं होता। साथ ही कुछ कंडीशन में सर्दी और गर्मी का अहसास भी नहीं हो पाता।

हाइपरथायराइडिज्म- जब थायराइड हार्मोन ज्यादा रिलीज होने लगता है तो इस कंडीशन को हाईपरथायराइडिज्म कहते हैं। इससे शरीर का मेटाबॉलिज्म बढ़ जाता है। जिससे गर्मी ज्यादा लगती है और ठंड का एहसास नहीं होता।

जागरुकता

सेप्सिस : कोशिका मृत्यु का कारण बन सकता है

सेप्सिस जीवन को जोखिम में डालने वाली एक स्थिति है, जो एक संक्रमण के खिलाफ शरीर की अत्यधिक प्रतिक्रिया से उत्पन्न होती है, जब यह अपने स्वयं के ऊतकों और अंगों को नुकसान पहुंचाने पर उतारू हो जाती है। सेप्सिस का पहला ज्ञात संदर्भ 2,700 साल से अधिक पुराना है, जब ग्रीक कवि होमर ने इसे 'सेपो' शब्द के व्युत्पन्न के रूप में इस्तेमाल किया था, जिसका अर्थ है- मैं सड़ा। सेप्सिस के पीछे के प्रतिरक्षात्मक तंत्र को समझने में नाटकीय सुधार के बावजूद, यह अभी भी एक प्रमुख चिकित्सा चिंता बनी हुई है, जो अमेरिका में 750,000 लोगों को प्रभावित करती है और हर साल वैश्विक स्तर पर लगभग पांच करोड़ लोगों को प्रभावित करती है। 2017 में दुनिया भर में सेप्सिस से एक करोड़ 10 लाख लोगों की मृत्यु हुई, और यह अमेरिका में सबसे महंगी चिकित्सा स्थिति है, जिसकी लागत सालाना अरबों डॉलर से अधिक है।

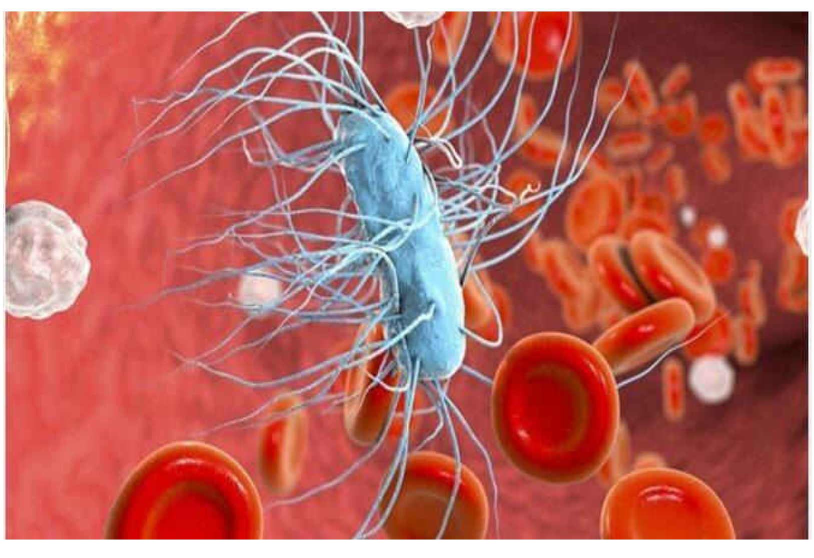

हम शोधकर्ता हैं जो अध्ययन करते हैं कि संक्रमण के दौरान कुछ प्रकार के बैक्टीरिया कोशिकाओं के साथ कैसे संपर्क करते हैं। हम वास्तव में यह समझना चाहते थे कि कैसे एक अतिप्रतिक्रियाशील प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया सेप्सिस जैसे हानिकारक और यहां तक कि घातक प्रभाव भी पैदा कर सकती है।

ऑटोइम्युनिटी और सेप्सिस में टीएनएफ

संक्रमण के प्रति शरीर की प्रतिक्रिया तब शुरू होती है जब प्रतिरक्षा कोशिकाएं हमलावर रोगज़नक़ के घटकों को पहचानती हैं। ये कोशिकाएं तब साइटोकिन्स जैसे अणुओं को छोड़ती हैं जो संक्रमण को खत्म करने में मदद करते हैं। साइटोकिन्स छोटे प्रोटीन का एक व्यापक समूह है जो अन्य प्रतिरक्षा कोशिकाओं को संक्रमण या चोट के स्थान पर लगाता है। जबकि साइटोकिन्स प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया में एक आवश्यक भूमिका निभाते हैं, अत्यधिक और अनियंत्रित साइटोकिन उत्पादन सेप्सिस से जुड़े खतरनाक साइटोकिन स्टॉर्म का कारण बन सकता है। साइटोकिन स्टॉर्म को पहली बार ग्राफ्ट बनाम मेजबान रोग के संदर्भ में देखा गया था, जो प्रत्यारोपण जटिलताओं से उत्पन्न हुआ था। वे कोविड-19 सहित वायरल संक्रमण के दौरान भी हो सकते हैं। यह अनियंत्रित प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया बहु-अंग विफलता और मृत्यु का कारण बन सकती है। सैकड़ों साइटोकिन्स में से, ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर, या टीएनएफ, सबसे शक्तिशाली होता है और पिछले 50 वर्षों से इसके बारे में सबसे अधिक अध्ययन किया गया है।

ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर का नाम ट्यूमर कोशिकाओं को मरने के लिए प्रेरित करने की इसकी क्षमता पर आधारित है, जब प्रतिरक्षा प्रणाली एक कोली बैक्टीरिया के अर्क से उत्तेजित होती है, जिसका नाम कोली उस शोधकर्ता के नाम पर रखा गया है जिसने इसे एक सदी पहले पहचाना था। इस विष को बाद में लिपोपॉलेसेकेराइड या एलपीएस के रूप में पहचाना गया, जो कुछ प्रकार के जीवाणुओं की बाहरी झिल्ली का एक घटक है। एलपीएस टीएनएफ का सबसे मजबूत ज्ञात ट्रिगर है, जो एक बार सतर्क होने पर, हमलावर बैक्टीरिया को खत्म करने के लिए संक्रमण स्थल पर प्रतिरक्षा कोशिकाओं को लगाने में सहायता करता है।

सामान्य परिस्थितियों में, टीएनएफ सेल अस्तित्व और ऊतक पुनर्जनन जैसी लाभकारी प्रक्रियाओं को बढ़ावा देता है। हालांकि, निरंतर प्रदाह और प्रतिरक्षा कोशिकाओं के निरंतर प्रसार से बचने के लिए टीएनएफ उत्पादन को कसकर नियंत्रित किया जाना चाहिए। अनियंत्रित टीएनएफ उत्पादन रूमेटोइड गठिया और इसी तरह की प्रदाह की स्थिति के विकास का कारण बन सकता है। संक्रमण की स्थिति में, टीएनएफ को प्रदाह से अत्यधिक ऊतक और अंग क्षति को रोकने और एक अति सक्रिय प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को रोकने के लिए भी कड़ाई से विनियमित किया जाना चाहिए। जब टीएनएफ को संक्रमण के दौरान अनियंत्रित छोड़ दिया जाता है, तो इससे सेप्सिस हो सकता है।

कई दशकों तक, बैक्टीरियल एलपीएस की प्रतिक्रियाओं की जांच करके सेप्टिक शॉक के अध्ययन का मॉडल तैयार किया गया था। इस मॉडल में, एलपीएस कुछ प्रतिरक्षा कोशिकाओं को सक्रिय करता है जो भड़काऊ साइटोकिन्स के उत्पादन को ट्रिगर करते हैं, विशेष रूप से टीएनएफ में। यह तब अत्यधिक प्रतिरक्षा सेल प्रसार, उनकी सक्रियता और मृत्यु की ओर जाता है, जिसके परिणामस्वरूप अंततः ऊतक और अंग क्षति होती है। बहुत मजबूत प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया अच्छी बात नहीं है।

शोधकर्ताओं ने दिखाया है कि टीएनएफ गतिविधि को अवरुद्ध करने से रूमेटाइड गठिया, सोरियाटिक गठिया और आंत्र रोग सहित कई ऑटोइम्यून बीमारियों का प्रभावी ढंग से इलाज किया जा सकता है। टीएनएफ ब्लॉकर्स का उपयोग पिछले दशकों में नाटकीय रूप से बढ़ा है, जो लगभग 40 अरब अमेरिकी डॉलर के बाजार आकार तक पहुंच गया है। हालांकि, टीएनएफ अवरोधक साइटोकिन तूफान को रोकने में असफल रहे हैं जो कोविड-19 संक्रमण और सेप्सिस से उत्पन्न हो सकता है। यह आंशिक रूप से है क्योंकि वर्षों के शोध के बावजूद टीएनएफ शरीर पर अपने जहरीले प्रभाव को कैसे ट्रिगर करता है, यह अभी भी ठीक से समझा नहीं गया है।

टीएनएफ कैसे घातक हो सकता है

सेप्सिस का अध्ययन करने से कुछ संकेत मिल सकते हैं कि टीएनएफ कैसे मध्यस्थता करता है कि प्रतिरक्षा प्रणाली संक्रमण के प्रति प्रतिक्रिया कैसे करती है। सेप्सिस जैसी तीव्र भड़काऊ स्थितियों में, टीएनएफ ब्लॉकर्स टीएनएफ अतिउत्पादन को रोकने में कम सक्षम होते हैं। हालांकि, चूहों में अध्ययन से पता चलता है कि टीएनएफ को बेअसर करने से जीवाणु एलपीएस से जानवर की मौत को रोका जा सकता है। शोधकर्ता इस विसंगति के कारण को अभी तक नहीं समझ पाए हैं, लेकिन यह आगे समझने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है कि टीएनएफ सेप्सिस में कैसे योगदान देता है। अस्थि मज्जा, या माइलॉयड कोशिकाओं में बनी रक्त कोशिकाओं को टीएनएफ का प्रमुख उत्पादक माना जाता है। इसलिए हमने सोचा कि क्या माइलॉयड कोशिकाएं टीएनएफ-प्रेरित मौत में भी मध्यस्थता करती हैं।

सबसे पहले, हमने पहचान की कि कौन से विशेष अणु टीएनएफ-प्रेरित मृत्यु से सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं। जब हमने टीएनएफ की घातक खुराक के साथ चूहों को इंजेक्ट किया, तो हमने पाया कि चूहों में या तो टीआरआईएफ या सीडी14 की कमी है, दो प्रोटीन आमतौर पर बैक्टीरिया एलपीएस के लिए प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया से जुड़े होते हैं, लेकिन टीएनएफ से नहीं। यह खोज हमारे पहले के काम के समानांतर है जो इन कारकों की पहचान एक प्रोटीन कॉम्प्लेक्स के नियामकों के रूप में करता है जो एलपीएस के जवाब में कोशिका मृत्यु और प्रदाह को नियंत्रित करता है। अगला, हम यह पता लगाना चाहते थे कि टीएनएफ- प्रेरित मृत्यु में कौन सी कोशिकाएँ शामिल हैं। जब हमने दो विशिष्ट प्रकार के माइलॉयड कोशिकाओं, न्यूट्रोफिल और मैक्रोफेज में दो प्रोटीनों की कमी वाले चूहों में टीएनएफ की घातक खुराक इंजेक्ट की, तो चूहों ने सेप्सिस के लक्षणों को कम कर दिया और जीवित रहने में सुधार हुआ। यह खोज मैक्रोफेज और न्यूट्रोफिल को चूहों में टीएनएफ-मध्यस्थता मौत के प्रमुख कारण के रूप में रखती है। हमारे परिणाम सेप्सिस के संभावित उपचार लक्ष्य के रूप में टीआरआईएफ और सीडी14 का भी सुझाव देते हैं, जिसमें कोशिका मृत्यु और प्रदाह दोनों को कम करने की क्षमता होती है।

जागरुकता

बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को ठंड से बचाएं

ठंड के मौसम में स्वस्थ रहने के लिए बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। शीत ऋतु के दौरान आहार-विहार में थोड़ी सी लापरवाही भी स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती है। आयुर्वेद के मत से शिशिर ऋतु में कफ का संचय और वसंत ऋतु में कफ का प्रकोप होता है। यदि शिशिर ऋतु में ही आहार-विहार का ध्यान रखा जाए तो शिशिर और वसंत दोनों ऋतुओं में होने वाले रोगों से बचाव हो सकता है। खांसी, जुकाम, गले की खराबी, बुखार आदि इस मौसम की सामान्य बीमारियां हैं। थोड़ी सी लापरवाही से ही सांस फूलने, अस्थमा और निमोनिया जैसे रोगों की चपेट में आ सकते हैं। डायबिटीज, अर्थराइटिस, हाई ब्लड प्रेशर और दिल के मरीजों को इस मौसम में विशेष सावधान रहने की आवश्यकता है। ठंड के साथ-साथ आजकल प्रदूषण भी चरम सीमा पर है, इसलिए सुबह के समय बुजुर्गों और मरीजों को सैर पर नहीं जाना चाहिए। यदि सैर पर जाना हो तो धूप निकलने के बाद ही जाएं। सुबह के समय सर्दी के दिनों में सबसे ज्यादा हार्टअटैक होते हैं, इसलिए मरीजों का कमरा रात में गर्म रहना चाहिए। ठंडी तासीर की चीजों के साथ-साथ कड़वे, तीखे व कसैले स्वाद वाला भोजन इस मौसम में सेहत के लिए हानिकारक होता है क्योंकि ये सभी पदार्थ कफ और वात वर्धक होते हैं। चावल, दही, कढ़ी, गोभी, मटर, मूली, आइसक्रीम, अरहर जैसी ठंडी तासीर की चीजों का इस मौसम में परहेज करना चाहिए। इस मौसम में दिन में बिल्कुल भी नहीं सोना चाहिए। तुलसी, अदरक, लौंग, कालीमिर्च, छोटी पीपल, दालचीनी का प्रयोग दूध, चाय या काढ़े के रूप में दिन में दो बार करने से ठंड से बचाव होता है और इम्युनिटी में भी इजाफा होता है। रोज एक बार गर्म पानी से अवश्य नहाएं व नहाने से पूर्व सरसों या तिल के तेल को गुनगुना कर शरीर की मालिश करें। तिल, गुड़, दूध उड़द, मूंगफली आदि पोषक पदार्थों का सेवन करें। इस मौसम में जौ के बजाए ज्वार, बाजरा व मक्का का प्रयोग करें। परवल, भिंडी, करेले जैसी सब्जियां न खाएं। सरसों, बथुआ, पालक, मेथी व मसूर की दाल का प्रयोग करें। सिर, पैरों और छाती को अच्छी तरह ढक कर रखें। रात को सोने से पहले गर्म पानी में पैर सेंक कर सोएं। गर्म जुराबें व टोपी पहन कर रखें। कंपकंपी ठंड लगने का पहला लक्षण है, अतः कंपकंपी हो तो कमरे में हीटर लगाया जा सकता है लेकिन उसमें वेंटीलेशन का ध्यान अवश्य रखें। ऐसे में कमरे में 2-3 लीटर पानी अवश्य उबालें ताकि हवा में नमी बनी रहे। यदि कमरे में अंगीठी जलाएं तो ध्यान रखें कि कमरे में धुआं न भरे।

जागरुकता

इम्युनिटी-बूस्टर पत्तियां

तुलसी की पत्तियों को लेकर किए गए शोध में पाया गया है कि रोजाना इनके सेवन से न सिर्फ आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है साथ ही ब्लड शुगर को कंट्रोल करने और तनाव जैसी स्थितियों में भी इससे लाभ मिल सकता है।

विशेषज्ञ बताते हैं, बाजार में तुलसी ड्रॉप्स भी मिलती हैं जिनका सेवन किया जा सकता है, पर ताजी पत्तियां ज्यादा लाभकारी होती हैं। आइए जानते हैं कि तुलसी से हमारी सेहत को किस-किस प्रकार के लाभ हो सकते हैं?

पारंपरिक चिकित्सा में तुलसी को रोगाणुरोधी के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है, शोध बताते हैं कि ये पत्तियां शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने में मददगार हो सकती हैं। ऐसे में कोरोना जैसे संक्रमण से बचाव के लिए इसे इम्युनिटी बूस्टर के तौर पर भी प्रयोग में लाया जा सकता है। शोधकर्ताओं ने ई.कोलाई जैसे संक्रमण के कारण होने वाली समस्याओं में भी तुलसी से लाभ पाया है। **स्ट्रेस और मानसिक स्वास्थ्य में इसके लाभ**

तुलसी की पत्तियां मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी हो सकती हैं। तनाव-चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं को दूर करने में तुलसी के लाभ देखे गए हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि तुलसी का रोजाना सेवन करने वाले लोगों में मानसिक स्वास्थ्य विकारों के विकसित होने का खतरा भी कम होता है। सोचने और तर्क करने की क्षमता बढ़ाने के साथ आयु से संबंधित याददाश्त की समस्या को रोकने में भी इससे लाभ पाया जा सकता है।

काम की बात

सर्दियों में डिहाइड्रेशन को नजरअंदाज नहीं करें

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सर्दियों में आमतौर पर लोग पानी पीना कम कर देते हैं, जिसके कारण निर्जलीकरण की समस्या हो सकती है। ठंड के मौसम में, प्यास की प्रतिक्रिया भी कम हो जाती है, हालांकि शरीर को पानी की उतनी ही आवश्यकता होती है जितनी पहले थी। यह स्थिति कई प्रकार की जटिलताओं का कारण बन सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को हर मौसम में रोजाना 3-4 लीटर पानी पीते रहने की आवश्यकता होती है, सर्दियों के मौसम में भी इस मात्रा का ध्यान रखना जरूरी है। आइए जानते हैं कि ठंड के मौसम में डिहाइड्रेशन होने से किस तरह की समस्याओं का जोखिम हो सकता है?

सर्दियों में डिहाइड्रेशन

ठंड के महीनों में भी निर्जलीकरण की दिक्कत हो सकती है, यह उतना ही हानिकारक स्थिति है जितना गर्मियों में होने वाला डिहाइड्रेशन। कम तापमान में, भारी कपड़ों के वजन के नीचे शरीर को भी अधिक मेहनत करनी पड़ती है। ठंडी, शुष्क हवा में पसीना जल्दी से वाष्पित हो जाता है। इसके अलावा भी कुछ स्थितियां ठंड में डिहाइड्रेशन का कारण बन सकती हैं, जिसमें कॉफी-चाय का अधिक सेवन है। कॉफी को मूत्रवर्धक माना जाता है, जिसके कारण शरीर में पानी की कमी होने का खतरा हो सकता है।

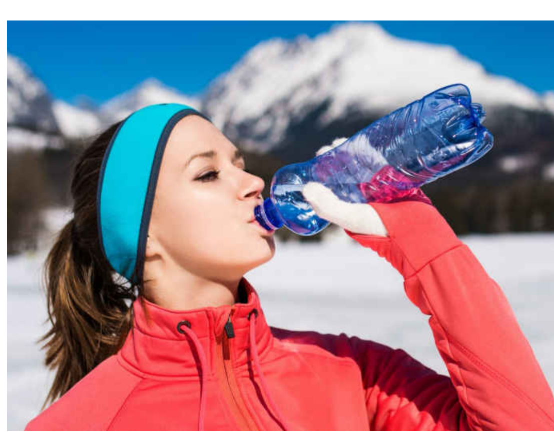

लक्षण

ठंड के मौसम का डिहाड्रेशन भी कई प्रकार से समस्याकारक हो सकता है। इसके लक्षणों की समय रहते पहचान जरूरी है। अधिक प्यास लगना, मुंह बार-बार सूखना, त्वचा का रूखापन, थकान और चक्कर आने जैसी स्थिति इस बात का संकेत हो सकती है कि आपके शरीर में पानी की कमी हो गई है। शरीर में पानी की कमी बने रहना कुछ स्थितियों में गंभीर रोग जैसे बुखार, मांसपेशियों में ऐंठन, त्वचा में सख्ती आदि का भी कारण बन सकती है।

सावधानियां

ठंडे मौसम के दौरान भी हाइड्रेटेड रहना महत्वपूर्ण है। पानी पीते रहने के साथ कुछ और बातों का ध्यान रखकर समस्याओं से बचे रह सकते हैं।

थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पानी पीते रहें। शारीरिक व्यायाम बाद हाइड्रेशन को ध्यान रखना और भी जरूरी हो जाता है। आपको कब पानी पीना है इसकी एक सूची बना लें और थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पानी पीते रहें।

फल और सब्जियों का सेवन करें, इससे शरीर को पोषक तत्वों के साथ पानी भी मिलता रहता है।

कॉफी-चाय के सेवन सीमित मात्रा में करें, क्योंकि इससे निर्जलीकरण की समस्या हो सकती है।

यूनाइटेड कप में जीत के साथ 2023 की शुरुआत की रूड ने

एजेंसी ■ सिडनी

नॉर्वे के उदीयमान स्टार कैस्पर रूड ने यूनाइटेड कप मिश्रित टीम टेनिस प्रतियोगिता के पुरुष एकल के मैच में रविवार को यहां ब्राजील के थियागो मोंटेरो को 6-3, 6-2 से हराकर वर्ष 2023 की धमाकेदार शुरुआत की। रूड के लिए वर्ष 2022 सफलताओं से भरा रहा जिसमें वह विश्व रैंकिंग में दूसरे नंबर पर भी पहुंचे। उन्होंने एटीपी फाइनल्स के चैंपियनशिप मैच में पहुंचकर वर्ष का अंत तीसरे नंबर पर किया। नार्वे के लिए यह जीत जरूरी थी क्योंकि ब्राजील पहले दोनों मैच जीतकर 2-0 से आगे था। रूड ने सीधे सेटों में जीत दर्ज की लेकिन वह नार्वे की हार को नहीं टाल पाए क्योंकि इसके कुछ देर बाद ही लौरा पिगोसी ने अलरिक्के एकेरी को 6-3, 6-4 से हराकर ब्राजील को 3-। से अजेय बढ़त दिला दी। इस बीच पूर्व विंबलडन चैंपियन और ऑस्ट्रेलियाई ओपन की फाइनलिस्ट पेत्रा क्वितोवा ने लॉरा सिगमंड को 6-4, 6-2 से हराकर चेक गणराज्य को ग्रुप सी के मुकाबले में जर्मनी पर 3-0 की अजेय बढ़त दिलाई।

रोहित की कप्तानी को कोई खतरा नहीं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

वनडे और टेस्ट क्रिकेट में रोहित शर्मा की कप्तानी को फिलहाल कोई खतरा नहीं है क्योंकि सूत्रों के अनुसार बोर्ड के आला अधिकारियों ने पारंपरिक प्रारूपों में उनकी कप्तानी में कुछ असंतोषजनक नहीं लगा है। कप्तान रोहित , मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने बीसीसीआई सचिव जय शाह द्वारा बुलाई गई समीक्षा बैठक में भाग लिया था। बैठक में पिछली चयन समिति के प्रमुख चेतन शर्मा, एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण और बोर्ड अध्यक्ष रोजर बिन्नी भी मौजूद थे। फोकस विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप पर है और भारत के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें प्रबल है। इसके अलावा 2023 में वनडे विश्व कप भी होना है।नए टी20 कप्तान हार्दिक पंड्या ने बैठक में भाग नहीं लिया। हार्दिक श्रीलंका के खिलाफ मंगलवार से शुरू हो रही टी20 मैचों की श्रृंखला के लिए मुंबई में ही हैं। बीसीसीआई के सूत्र ने बताया , रोहित वनडे और टेस्ट टीम में कप्तानी कर रहे हैं और इन दो प्रारूपों में बतौर कप्तान उनके भविष्य को लेकर कोई बात नहीं की गई। टेस्ट और वनडे में उनका कप्तानी का रिकॉर्ड बेहतरीन है। यह भी तय किया गया कि 20 खिलाड़ियों के पूल को 2023 विश्व कप तक रोटेट करना है। शाह ने बैठक के बाद कहा , बीसीसीआई ने 20 खिलाड़ियों का चयन किया है जिन्हें 50 ओवरों के विश्व कप तक रोटेट किया जाएगा। समीक्षा बैठक में भाग लेने वाले चेतन शर्मा सीनियर राष्ट्रीय चयन समिति के अध्यक्ष फिर बन सकते हैं। अगर अध्यक्ष नहीं भी बने तो उत्तरी क्षेत्र के प्रतिनिधि हो सकते हैं। पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद का नाम भी दक्षिण क्षेत्र से चल रहा है लेकिन उनका चुना जाना तय नहीं है। शर्मा को 2023 विश्व कप की तैयारी के लिए रोडमैप तैयार करने में शामिल करना ही बड़ा संकेत है।

शॉर्ट न्यूज

यूपीसीए से उप्र में चार रणजी टीमें गठित करने का प्रस्ताव भेजने की मांग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश खेल कल्याण संघ के अध्यक्ष और प्रदेश के पूर्व राज्यमंत्री मोहसिन रजा ने उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) से राज्य में चार रणजी टीमें गठित करने का प्रस्ताव भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) को भेजने की मांग की है। रजा का कहना है कि आबादी के लिहाज से उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा राज्य है, लेकिन यहां सिर्फ एक टीम ही रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट खेलती है, जिससे इस राज्य की प्रतिभाओं के साथ न्याय नहीं हो पाता। ऐसे में यह जरूरी है कि महाराष्ट्र और गुजरात की तरह उत्तर प्रदेश में भी एक से अधिक टीमें बनाई जाएं। उत्तर प्रदेश के पूर्व रणजी खिलाड़ी रजा ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा कि यह विडंबना है कि उत्तर प्रदेश में अनेक स्तरीय क्रिकेट प्रतिभाएं होने के बावजूद उन्हें मौका नहीं मिल पाता। रजा ने कहा महाराष्ट्र में मुंबई, विदर्भ और महाराष्ट्र नाम से तीन टीमें रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट खेलती हैं। उसी तरह गुजरात में भी सौराष्ट्र, बड़ौदा और गुजरात की टीमें इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में हिस्सा लेती हैं। एक से अधिक टीम होने के कारण इन राज्यों की अपेक्षाकृत ज्यादा संख्या में खेल प्रतिभाएं सामने आती हैं। ऐसा ही मॉडल उत्तर प्रदेश में भी लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्व रणजी खिलाड़ी होने के नाते वह बीसीसीआई को इस सिलसिले में पत्र लिख चुके हैं, मगर अब वह यूपीसीए से मांग करते हैं कि वह उत्तर प्रदेश में क्षेत्र के हिसाब से चार अलग-अलग रणजी टीम में गठित करने का प्रस्ताव बीसीसीआई को भेजे। प्रदेश के पूर्व अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री रजा ने रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट के मौजूदा सत्र में अपने तीन में से दो मुकाबले हार चुकी उत्तर प्रदेश की टीम के खराब प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा राज्य में घरेलू क्रिकेट के बुनियादी ढांचे और उसकी प्रशासनिक व्यवस्था में व्यापक बदलाव लाने की जरूरत है। खेल प्रशासन में ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को शामिल किया जाना चाहिए। उत्तर प्रदेश खेल कल्याण संघ के अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने हाल में राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर उनसे प्रदेश में खेल सलाहकार परिषद गठित करने की गुजारिश की थी। इसका मकसद प्रदेश में खेलों के विकास के लिए उपयोगी सलाह देना है। रजा ने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री से गुजारिश की है कि इस खेल सलाहकार परिषद में विभिन्न खेलों के वरिष्ठ तथा अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल किया जाए, जिन्होंने राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश और देश का नाम रोशन किया हो। इस परिषद में महिला खिलाड़ियों को खास वरीयता दी जाए। ए खिलाड़ी समय-समय पर सरकार को खेल के बेहतर विकास के लिए सुझाव दें ताकि प्रदेश में खेलों के स्तर को बेहतरीन किया जा सके। राजा ने उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ समेत विभिन्न खेल संगठनों में भी ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को प्रशासनिक जिम्मेदारियां देने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ज्यादातर खेल संघों में ऐसे लोग प्रशासन संभाल रहे हैं जिन्हें खेलों और खिलाड़ियों से खास सरोकार नहीं है।

आगे के व्यस्त कार्यक्रम के लिए तैयार हैं जोफ्रा आर्चर

लंदन। कोहनी और पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण पिछले लंबे समय से बाहर रहे इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर वर्ष 2023 में मैदान पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। आर्चर ने ट्विटर पर अपनी वापसी की घोषणा करते हुए कहा, धन्यवाद 2022, मैं तैयार हूं 2023। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम मुंबई इंडियंस ने आर्चर को आठ करोड़ रुपए में खरीदा था लेकिन चोटिल होने के कारण वह पिछले सत्र में नहीं खेल पाए थे। पांच बार का आईपीएल चैंपियन मुंबई अब जसप्रीत बुमराह के साथ उनकी खतरनाक जोड़ी तैयार करने की उम्मीद कर सकता है। मुंबई इंडियंस ने दक्षिण अफ्रीकी लीग में अपनी फ्रेंचाइजी केपटाउन के लिए भी आर्चर को अनुबंधित किया है। वनडे विश्व कप 2019 में इंग्लैंड की तरफ से सर्वाधिक विकेट लेने वाले आर्चर ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच मार्च 2021 में खेला था। आर्चर ने फिट होने के बाद नवंबर में टेस्ट टीम के साथ अबू धाबी में अभ्यास किया था। वह जनवरी में दक्षिण अफ्रीकी लीग में खेलने के बाद इंग्लैंड की तरफ से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 27 जनवरी से शुरू होने वाली वनडे श्रृंखला में भाग लेंगे। आईपीएल में खेलने से पूर्व वह सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए बांग्लादेश दौरे पर जा सकते हैं।

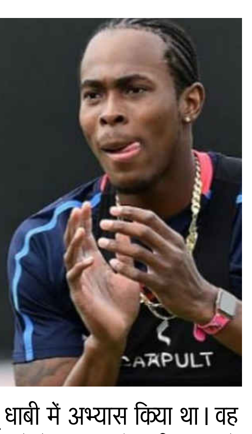

एक नजर

रामकुमार टाटा ओपन महाराष्ट्र के मुख्य ड्रॉ में

पुणे। भारतीय टेनिस खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन ने रविवार को यहां टाटा ओपन महाराष्ट्र टेनिस टूर्नामेंट के मुख्य ड्रा में प्रवेश किया लेकिन हमवतन युकी भांबरी अंतिम क्वालीफाइंग मैच में हारने के कारण आगे बढ़ने में नाकाम रहे। वाइल्ड कार्ड के जरिए ड्रॉ में जगह बनाने वाले रामकुमार ने अंतिम क्वालीफाइंग मैच में इटली के तीसरी वरीयता प्राप्त मटिया बेलुची को डेढ़ घंटे तक चले मैच में 6-3, 7-5 से पराजित किया। दूसरी तरफ भांबरी को पिछले साल सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले स्वीडन के इलियास ऐमर से एक घंटे 12 मिनट में।-6, 4-6 से हार का सामना करना पड़ा।अन्य भारतीय खिलाड़ियों में प्रजनेश गुणेश्वरन, सिद्धार्थ रावत और आदित्य बालसेकर शनिवार को क्वालीफाइंग के अपने पहले दौर के मैचों में हार गए थे। दक्षिण एशिया के इस एकमात्र एटीपी 250 प्रतियोगिता का आयोजन महाराष्ट्र राज्य लॉन टेनिस संघ (एमएसएलटीए) राज्य सरकार के सहयोग से कर रहा है।

ऑस्ट्रेलियाई कोच ने कहा, भारत दौरे से पहले अभ्यास की जरूरत नहीं

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड का मानना है कि विदेशी दौरों से पहले अभ्यास मैच नही खेलने की उनकी रणनीति भारत के खिलाफ फरवरी-मार्च में होने वाली चार मैचों की टेस्ट श्रृंखला में भी कारगर साबित होगी। ऑस्ट्रेलिया का बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से पहले अभ्यास मैच खेलने की संभावना नहीं है और वह नौ फरवरी से नागपुर में शुरू होने वाले पहले टेस्ट क्रिकेट मैच से एक सप्ताह पूर्व ही भारत आएगा। मैकडोनाल्ड ने कहा कि भारत जाकर अभ्यास मैच खेलने और परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने से अधिक महत्वपूर्ण मानसिक और शारीरिक रूप से तरोताजा रहना है। ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य 19 साल में पहली बार भारत में श्रृंखला जीतना है। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के अनुसार मैकडोनाल्ड ने कहा, हमने विदेशी दौरों पर पिछली कुछ श्रृंखलाओं में अभ्यास मैच नहीं खेलने की रणनीति अपनाई है।

घरेलू टूर्नामेंट में मौजूदगी दर्ज कराने के लिए मशक्कत करनी होगी खिलाड़ियों को

एजेंसी ■ पुणे

भारतीय एकल खिलाड़ियों को सोमवार से यहां शुरू हो रहे घरेलू एटीपी टूर्नामेंट टाटा ओपन महाराष्ट्र में आगे तक पहुंचने के लिए भरसक प्रयत्न करने होंगे जो या तो वाइल्ड कार्ड से या फिर क्वालीफायर के जरिए मुख्य ड्रा तक पहुंचे हैं। भारतीय खिलाड़ियों ने युगल में अच्छा प्रदर्शन किया है और वे पिछले चरण में काफी दूर तक पहुंचे थे लेकिन जब से टूर्नामेंट चेन्नई से पुणे में कराया जाने लगा है तब से कोई भी एकल खिलाड़ी दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाया है। देश में इस टूर्नामेंट को लाने का मकसद घरेलू खिलाड़ियों को खेल के शीर्ष खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मुहैया कराना था। लेकिन घरेलू खिलाड़ियों के नतीजों को देखते हुए कभी कभार यह बहस भी छिड़ जाती है कि इतने बड़े टूर्नामेंट की मेजबानी की वास्तव में जरूरत है जिसके लिए कम से कम 15 करोड़ रूपए खर्च होते हैं। लेकिन एक टूर्नामेंट को महज इसलिए बंद करना काफी मुश्किल है। हालांकि टूर्नामेंट का स्तर सर्वश्रेष्ठ रहा है। हालांकि अनुभवी रोहन बोपन्ना ने घरेलू सरजमीं पर काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। वह अपने खेल के स्तर की वजह से विदेशों में भी दावेदार बने रहते हैं। वहीं रामकुमार रामनाथन और सुमित नागल अगर अच्छी फॉर्म में हों तो वे शीर्ष खिलाड़ियों को चुनौती दे सकते हैं लेकिन इस स्तर के टूर्नामेंट में इसी प्रदर्शन को दोहराने की जरूरत होती है। एकल रैंकिंग सीधे प्रवेश के लिए काफी नहीं होती इसलिए आयोजकों ने देश के सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग के खिलाड़ी शशिकुमार मुकुंद, नागल और प्रतिभाशाली स्थानीय खिलाड़ी मानस धामने (15 वर्ष) को वाइल्डकार्ड दिए। दुर्भाग्य से युकी भांबरी क्वालीफायर के दूसरे दौर में हार गए और मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके। भांबरी, रामकुमार और प्रजनेश गुणेश्वरन ने इस टूर्नामेंट में भारतीय तिरंगा ऊंचा रखा है लेकिन धीरे धीरे इनका प्रदर्शन फीका हो रहा है। प्रजनेश 33 वर्ष के हो चुके हैं और युकी 30 की उम्र को छू चुके हैं और रामकुमार भी 20 दशक के अंतिम पड़ाव में हैं। नागल (25 साल) चोटों से जूझते रहे हैं। नागल को अगर कुछ विशेष करना है तो उन्हें पहले दौर से आगे तक पहुंचना होगा। वह पहले दौर में सर्बिया के फिलिप क्राजिनोविच (54वीं रैंकिंग) के सामने होंगे। शशिमुकुंद का सामना फ्लावियो कोबोली से होगा और अगर वह पहले दौर की बाधा पार कर लेते हैं तो वह दूसरे वरीय और दुनिया के 17वें नंबर के ख्लाड़ी बोटिक वान डि जांड्सशुल्प के सामने होंगे। रामकुमार का सामना स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज से होगा जबकि धामने की भिड़त अमेरिका के माइकल ममोह से होगी। एकल में भारतीयों के लिए अगले दौर में पहुंचना काफी मुश्किल होगा और अगर वे क्वार्टरफाइनल तक भी पहुंच जाएं तो यह उनके लए अच्छा प्रदर्शन होगा।

युगल में हालांकि भारतीय दिलचस्पी अधिक होती है क्योंकि इसमें काफी खिलाड़ी खेलते हैं। गत चैम्पियन बोपन्ना और रामकुमार अलग जोड़ीदारों के साथ खेल रहे हैं और अगर वे पहले दौर की बांधाएं पार कर लेते हैं तो दूसरे दौर में आमने सामने हो सकते हैं। युकी और साकेत मायनेनी ने जोड़ी बनाई है और दिविज शरण और पूरव राज की जोड़ी ने वाइल्ड कार्ड से जगह बनाई है। अर्जुन कांधे ने ब्राजील के फर्नांडो राम्बोली से जोड़ी बनाई है।

बीसीसीआई समीक्षा

योयो टेस्ट की वापसी, डेक्सा भी भारतीय टीम के चयन मानदंड में शामिल

मुंबई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में राष्ट्रीय टीम में चयन के मानदंडों में यो यो फिटनेस टेस्ट फिर से शामिल किया गया है। नवंबर में टी20 विश्व कप से भारत के सेमीफाइनल में बाहर होने के बाद से यह बैठक होनी थी। आखिरकार यह बैठक रविवार को हुई जिसमे बीसीसीआई सचिव जय शाह, अध्यक्ष रोजर बिन्नी, कप्तान रोहित शर्मा, कोच राहुल द्रविड़, एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण और चयनकर्ता चेतन शर्मा ने भाग लिया। यो यो टेस्ट के अलावा डेक्सा (हड्डी का स्कैन टेस्ट) भी चयन के मानदंडों में शामिल किया गया है। यह भी तय किया गया कि आईपीएल के लिए लाल गेंद के क्रिकेट पर सफेद गेंद के क्रिकेट को तरजीह देने वाले उदीयमान क्रिकेटरों को राष्ट्रीय टीम में चयन के लिए घरेलू क्रिकेट खेलनी होगी। शाह ने बीसीसीआई द्वारा जारी बयान में कहा , उदीयमान क्रिकेटरों को राष्ट्रीय टीम में चयन की पात्रता हासिल करने के लिए घरेलू क्रिकेट खेलनी होगी। उन्होंने कहा , यो यो टेस्ट और डेक्सा अब चयन के आधार में शामिल होंगे।

लक्ष्य शर्मा ने जिताया मैच

टी-20 लीग

नई दिल्ली। मैन ऑफ द मैच लक्ष्य शर्मा के गेंद और बल्ले से ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत उत्तर रेलवे क्रिकेट अकादमी ने राज नगर एक्सटेंशन गाजियाबाद में खेले जा रहे दिन रात्रि के लींग मैच में जीवा-धामी-11 को एकतरफा मुकाबले में 8 विकेट से पराजित कर दिया। संक्षिप्त स्कोर - जीवा-धामी 11, 20 ओवर 126 रन आल आउट, पंकज 37 रन, अंकित 29 रन, मनु वशिष्ठ 41 रन, अग्रिम शर्मा 3/20, लक्ष्य शर्मा 3/18, आशीश 3/30, उत्तर रेलवे क्रिकेट अकादमी 130/2, 14.4 ओवर, लक्ष्य शर्मा 71 नॉट आउट, 47 बाल (9.4) (2.6), हरीकृष्ण 35, सुमित शाह 20, अतुल चौधरी 1/39, अंकित पंडित 1/31

राष्ट्रीय बैडमिंटन ट्रायल्स 2023 में हिस्सा नहीं लेने वाले खिलाड़ियों में साइना भी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेलों की दो बार की चैम्पियन साइना नेहवाल उन बैडमिंटन खिलाड़ियों में शामिल हैं जो 14 से 19 फरवरी को दुबई में होने वाली एशियाई टीम चैम्पियनशिप के लिए होने वाले राष्ट्रीय बैडमिंटन ट्रायल्स में हिस्सा नहीं लेंगे। पूर्व नंबर एक साइना को आकर्षि कश्यप और मालविका बंसोड के साथ ट्रायल्स के लिए शामिल किया गया था। सीनियर चयन समिति को एशियाई प्रतियोगिता में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के साथ दूसरी महिला एकल खिलाड़ी चुनने के लिए इन तीनों के नाम शामिल किए थे। लेकिन साइना और मालविका दोनों ने ट्रायल्स में हिस्सा नहीं लेने की घोषणा की। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के एक सूत्र ने पीटीआई से कहा, साइना और मालविका ने बीएआई को ट्रायल्स के लिए अपनी अनुपलब्धता की जानकारी दी। इसलिए अस्मिता चालिहा को ट्रायल्स के लिए आमंत्रित किया गया है। कुछ अन्य खिलाड़ियों ने भी हटने का फैसला किया है। इससे अब आकर्षि और अस्मिता के बीच मुकाबला होगा। साइना के लिए 2022 काफी मुश्किल रहा जिसमें वह कई तरह की चोटों से जूझती रहीं और फॉर्म में नहीं होने से वह विश्व रैंकिंग में 31वें स्थान पर खिसक गई। अपने कार्यभार प्रबंधन के लिए वह पिछले साल अप्रैल में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के चयन ट्रायल में भी उपलब्ध नहीं हो पाई थीं।

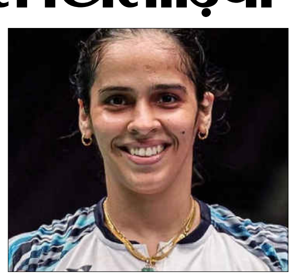

चयन समिति ने एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन, एच एस प्रणय, सिंधू और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरूष युगल जोड़ी को उनकी बेहतरीन विश्व रैंकिंग के आधार पर सीधे प्रवेश देने का फैसला किया। समिति ने 25 दिसंबर को वर्चुअल बैठक की थी, जिसमें उसने ट्रायल्स से 14 सदर्स्यय टीम के अन्य सदस्यों का चयन करने का फैसलाकिया था। अब यह ट्रायल खिलाड़ियों की अनुपलब्धता के कारण एक दिन में ही हो जाएगा। पता चला है कि एम आर अर्जुन भी चोटिल हो गय हैं और वह भी ट्रायल्स का हिस्सा नहीं हो पाएंगे जिससे पुरूष युगल स्थान के लिए कृष्णा प्रसाद गार्गा और विष्णुवर्धन गौड़ पी तथा ईशान भटनागर और साई प्रतीक के की जोड़ी के लिए यह नॉकआउट मुकाबला होगा।

टेस्ट न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को पहले टेस्ट में अंतिम घंटे में 138 रन का पीछा करने के लिए मजबूत कोशिश की थी

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की निगाहें दूसरे टेस्ट में जीत पर

एजेंसी ■ कराची

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की टीम जब दो मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट के लिए सोमवार से मैदान पर उतरेंगी तो उनकी निगाहें इस मुकाबले में जीत से 2022 में लाल गेंद के क्रिकेट में निराशाजनक प्रदर्शन को पीछे छोड़ने पर लगी होंगी। न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को पहले टेस्ट में अंतिम घंटे में 138 रन का पीछा करने के लिए मजबूत कोशिश की थी लेकिन खराब रोशनी के कारण आठवें ओवर में मैच रोक दिया गया। तब न्यूजीलैंड ने एक विकेट पर 61 रन बना लिए थे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को मुल्तान में मौसम संबंधित चिंताओं के कारण दोनों टेस्ट कराची में कराने के लिए मजबूर होना पड़ा। शुक्रवार को ड्रा रहे इस मुकाबले से दोनों टीमों के चार मैचों में हार के सिलसिले पर विराम लगाया जिसमें पाकिस्तान को इंग्लैंड से 0-3 से हार मिली थी। इंग्लैंड ने पाकिस्तान को हराने से पहले न्यूजीलैंड को शिकस्त दी थी। पाकिस्तान आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप तालिका में सातवें स्थान पर है जबकि न्यूजीलैंड के लिए यह बहुत ही निराशाजनक प्रदर्शन है क्योंकि वह पिछले साल लार्ड्स पर शुरूआती चरण के फाइनल में भारत को हराने के बाद इस बार आठवें स्थान पर चल रही है। पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के कारण रमीज राजा को बोर्ड चेयरमैन पद से बर्खास्त कर दिया गया और पूर्व चेयरमैन नजम सेठी ने बोर्ड प्रबंधन समिति के प्रमुख के रूप में उनकी जगह ली। कप्तान बाबर आजम 2022 में टेस्ट मैचों में 1184 रन (नौ टेस्ट में) बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे लेकिन टीम के अन्य बल्लेबाज अपने कप्तान की फॉर्म के करीब नहीं पहुंच सके। पर सऊद शकील ने पदार्पण के बाद से लगातार रन जुटाए हैं।

उन्होंने चार टेस्ट में पांच अर्धशतक जड़े हैं और पिछले टेस्ट में नाबाद 55 रन बनाकर पाकिस्तान को हार से भी बचाया था। बाबर ने कहा कि आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड जैसी उंची रैंकिंग की टीमों के खिलाफ खेलने से टीम के खिलाड़ियों को काफी अनुभव मिला है। उन्होंने रविवार को काह, हमने लाल गेंद के क्रिकेट में उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं किया है। रैंकिंग में हमसे उंची तीन टीमें पाकिस्तान में खेली जिससे हमें सीखने का काफी कुछ मिला। दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के बाद कराची में ही तीन वनडे खेले जाएंगे जो नौ से 13 जनवरी तक होंगे।

भारत दौरे से पहले टेलर ने कहा

आस्ट्रेलिया को पांच गेंदबाजों के साथ प्रयोग करना चाहिए

एजेंसी ■ सिडनी

पूर्व आस्ट्रेलियाई कप्तान मार्क टेलर चाहते हैं कि भारत दौरे से पहले पैट कमिंस की अगुआई वाली टीम को बुधवार से यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रहे तीसरे और अंतिम टेस्ट में पांच गेंदबाजों के साथ खेलने के विकल्प को भी आजमाना चाहिए। भारत दौरे पर बॉर्डर गावस्कर ट्राफी में फरवरी-मार्च में चार टेस्ट खेले जाएंगे। सिडनी में अंतिम टेस्ट से पहले मेजबान टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बनाई हुई है जिससे उनके पास कुछ अन्य विकल्प आजमाने का मौका हो सकता है। टेलर ने वाइड वर्ल्ड ऑफ स्पोर्ट्स से कहा, उनके पास सिडनी में कुछ चीजें आजमाने का मौका है। मैं जानता हूं कि लोग कहते हैं कि आपको टेस्ट मैचों में नई चीजें नहीं आजमानी चाहिए लेकिन कैमरून ग्रीन नहीं खेल रहा है तो मैं वास्तव में एलेक्स कैरी को छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए देखना चाहूंगा और आस्ट्रेलिया को पांच गेंदबाजों को चुनना चाहिए। उन्होंने कहा, वे गेंद से दबदबा बना सकते हैं और अपने शीर्ष पांच बल्लेबाजों पर निर्भर रह सकते हैं और कैरी भी टेस्ट मैच जीतने के लिए काफी रन बनाए। मेलबर्न में बड़ी जीत के दौरान मिशेल स्टार्क और ग्रीन की चोटों के कारण आस्ट्रेलिया ने टीम में मैथ्यू रेनशॉ और एशटन एगर को शामिल किया है। टेलर ने कहा, मुझे लगता है कि उनके पास जो गेंदबाजी विकल्प हैं, जो भी तेज गेंदबाज खेलें, आपके पास 20 विकेट झटकने के लिए काफी गेंदबाज होने चाहिए। दक्षिण अफ्रीका ने मेलबर्न में अंतिम पारी में केवल 200 रन बनाए तो उनकी बल्लेबाजी इस समय कमजोर है।

सेलिब्रेशन के बाद की थकान दूर करने के तरीके

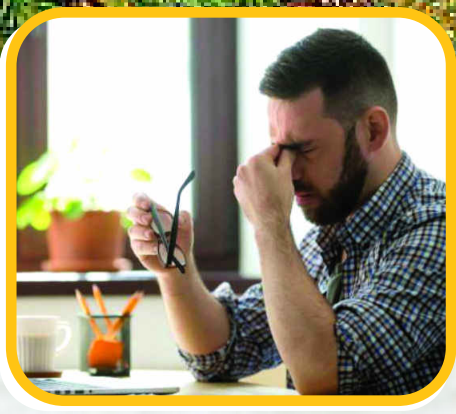

इस बार सभी बढ़िया तरीके से न्यू ईयर सेलिब्रेट करना चाह रहे हैं। सभी पर्यटन स्थलों पर भीड़ देखी जा रही है। जो किसी कारणवश ऑफिस में हैं, वे भी किसी-न-किसी रूप में एंजॉय करने का विकल्प खोज चुके हैं। तो जब धमाकेदार पार्टी होगी, तो थकान भी उसी हिसाब से होगी। हैंगओवर भी होगा। इसे तकनीकी तौर पर हॉलिडे बर्नआउट कहते हैं। तब सवाल है सेलिब्रेशन की थकान उतारने का सबसे बेस्ट तरीका क्या है? आइए जरा इस पर विचार करते हैं-

हालांकि न्यू ईयर का जोश हर साल केवल कुछ ही दिनों तक रहता है, हम में से कई लोग इसके लिए योजना बनाने में महीनों लगाते हैं। पार्टियां और उत्सव का समय ज्यादातर लोगों के लिए आनंददायक हो सकता है, लेकिन बहुत से लोगों को लगता है कि न्यू ईयर सेलिब्रेट करने के बाद वे थोड़ा थका हुआ महसूस करते हैं। इस भावना को उत्सव बर्नआउट या हॉलिडे बर्नआउट भी कहा गया है। ऐसा क्यों होता है - और छुट्टियों के खत्म होने के बाद आप थका हुआ महसूस न करें, इसके लिए क्या कर सकते हैं।

हम में से कई छुट्टियों के मौसम में बहुत कम समय में कई तनावों के संपर्क में आते हैं - चाहे वह उपहारों के लिए कतार में लगना हो, दोस्तों या परिवार से मिलने के रास्ते में ट्रैफिक में रुकना हो, पैसे की चिंता हो या परिवार को देखने का तनाव हो। जैसे ही आपका मस्तिष्क एक तनाव कारक को देखता है, यह आपके सहानुभूति तंत्रिका तंत्र को सक्रिय करता है, जो शरीर के संघर्ष करने या प्रसन्न होने की प्रतिक्रिया के लिए जिम्मेदार होता है। यह आपके शरीर को सतर्क रहने और आपको तनावपूर्ण स्थिति से निकालने के लिए तैयार करता है।

जब सहानुभूति तंत्रिका तंत्र सक्रिय होता है, तो शरीर एड्रेनालाइन का उत्पादन करता है और कड़ी मेहनत करना शुरू कर देता है - हृदय के माध्यम से अधिक रक्त पंप किया जाता है, फेफड़ों में हवा की मात्रा बढ़ जाती है, और दृष्टि और श्रवण में वृद्धि होती है। आप इन परिवर्तनों को अधिक पसीने से तर महसूस करने या धड़कन तेज होने के रूप में अनुभव कर सकते हैं।

लेकिन जैसा कि हम छुट्टियों के दौरान बार-बार होने वाले तनाव का सामना करते हैं, इससे इस तनाव प्रतिक्रिया से जुड़ी शरीर प्रणालियों के भीतर स्थाई परिवर्तन हो सकते हैं - अंत में आप खुद को थका हुआ महसूस कर सकते हैं।

विशेष रूप से, यह अनुकंपी तंत्रिका तंत्र को सक्रियता के प्रति अधिक कुशल बना सकता है और पैरासिम्पेथेटिक तंत्रिका तंत्र के प्रभावों को कम कर सकता है, जो आपके शरीर को तनाव प्रतिक्रियाओं को संतुलित करने में मदद करता है। इसमें कोर्टिसोल का बढ़ा हुआ उत्पादन भी होता है, जो आपकी ऊर्जा के स्तर को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक हार्मोन है, और इसका स्तर बढ़ने पर आपको रात में सोना मुश्किल हो सकता है, बिना किसी कारण के चिड़चिड़े हो सकते हैं, या अति-उत्तेजित महसूस कर सकते हैं और आराम करने में असमर्थ हो सकते हैं। इसी के साथ, जब न्यू ईयर से जुड़ी छोटी तनावपूर्ण घटनाओं के कारण आपकी कोर्टिसोल सक्रियता बहुत लंबे समय तक रहती है तो उसके बाद कई बार आपका शरीर कम दैनिक कोर्टिसोल स्तर का उत्पादन करता है।

दरअसल, सहानुभूति तंत्रिका तंत्र की निरंतर सक्रियता आपके शरीर की तनाव से उबरने और पूरे दिन ऊर्जावान महसूस करने की क्षमता को बाधित करती है, जिससे उत्सव की थकावट की भावना पैदा होती है। यदि आप छुट्टियों के बाद खुद को थका हुआ महसूस कर रहे हैं, तो यहां कुछ चीजें हैं जो आप बेहतर महसूस करने और ठीक होने के लिए कर सकते हैं।

1. स्मरण

तनाव के नकारात्मक प्रभाव को कम करने का एक तरीका सकारात्मक भावनाओं को याद करना है। याद करने से आपको अपने अनुभवों पर एक नया दृष्टिकोण प्राप्त करने में भी मदद मिल सकती है, जिससे आपको अपने जीवन को अधिक संतुलित तरीके से देखने में मदद मिलती है। आप इस गतिविधि को स्वयं या इससे भी बेहतर, अपने प्रियजनों के साथ कर सकते हैं। तस्वीरों जैसे संकेतों का उपयोग करके अच्छे समय के बारे में याद करें। उन पर परिवार और दोस्तों के साथ चर्चा करें। यदि आप अकेले हैं, तो अपनी आंखें बंद करें और अपनी यादों के बारे में सावधानी से सोचें, या उन्हें लिख लें। आप इस गतिविधि में जितना अधिक प्रयास करेंगे, आपके परिणाम उतने ही बेहतर होंगे। छुट्टियों के मौसम के दौरान आपकी सकारात्मक भावनाओं को फिर से अनुभव करने की कोशिश करने से आपके शरीर को यह याद दिलाने में मदद मिलेगी कि अच्छा महसूस करना कैसा लगता है।

2. संगीत सुनें

यदि आपको आराम करना मुश्किल लगता है, सोने में कठिनाई होती है या छुट्टियों के मौसम के बाद कई घंटों तक सोने के बाद भी थकान महसूस होती है, तो अपने जीवन में और संगीत लाने का प्रयास करें। सोने से पहले यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। संगीत तनाव कम करने के साथ जुड़ा हुआ है, और तनाव कम करने से थकावट के लक्षणों को कम करने में मदद मिलेगी।

यह कोई भी संगीत हो सकता है जिसे आप पसंद करते हैं, जब तक यह वास्तव में आपको बेहतर महसूस कराता है। यदि आप संगीत के सकारात्मक प्रभाव को अधिकतम करना चाहते हैं, तो इसे पूरे दिन सुनें या फिर इसके साथ नृत्य करने का प्रयास करें - या तो स्वयं या प्रियजनों के साथ।

3. अच्छे दिन की आशा करें

अगले सप्ताह के लिए, बिस्तर पर जाने से पहले, चार सकारात्मक घटनाओं की विशद रूप से कल्पना करने का प्रयास करें जो अगले दिन आपके साथ हो सकती हैं। वे उतने ही सरल हो सकते हैं जितने किसी ऐसे व्यक्ति से संदेश प्राप्त करना जिसकी आप परवाह करते हैं, टहलने जाना, या अपनी पसंदीदा चीजों में से एक करना। इसकी कल्पना करते समय अपनी सभी इंद्रियों का उपयोग करने का प्रयास करें - फिर जैसे ही आप तैयार हों, बिस्तर पर चले जाएं। यह तकनीक आपको रात में अच्छी नींद लेने में मदद करेगी - और त्योहारों के मौसम के बाद आपके सभी तनावों से मुक्ति और थकावट से उबरने में आपकी मदद करने के लिए नींद महत्वपूर्ण है।

हालांकि न्यू ईयर निश्चित रूप से हम में से कई लोगों के लिए एक तनावपूर्ण समय हो सकता है, यह याद रखना कि हम दोस्तों और परिवार के साथ जश्न मनाना क्यों पसंद करते हैं, इससे हमें किसी भी तनाव और थकावट को दूर करने में मदद मिल सकती है जिसका हम अभी अनुभव कर रहे हैं।

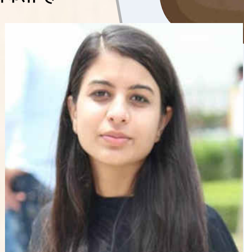

पत्रकार
मानसी शर्मा

मप्र : नए साल में महाकाल का आशीर्वाद लेने के लिए पांच लाख श्रद्धालुओं के उज्जैन आने की संभावना

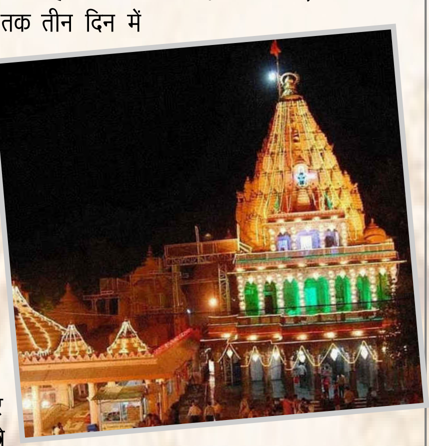

मध्य प्रदेश के उज्जैन में प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में नए साल के अवसर पर महाकाल का आशीर्वाद लेने के लिए शनिवार से सोमवार तक तीन दिन में करीब पांच लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। मंदिर के सहायक प्रशासनिक अधिकारी आरके तिवारी ने कहा, हम शनिवार, रविवार और सोमवार को महाकालेश्वर मंदिर में पांच लाख श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद कर रहे हैं, क्योंकि लोग भगवान महाकाल का आशीर्वाद लेकर अपने नए साल की शुरुआत करना चाहते हैं। महाकालेश्वर देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह मंदिर पवित्र क्षिप्रा नदी के किनारे स्थित है। तिवारी ने कहा, दुनिया के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु इस मंदिर में आते हैं। भक्तों को प्रसाद के रूप में दिए जाने वाले बेसन के लड्डू का उत्पादन दोगुना करने के लिए मंदिर प्रशासन दिन-रात काम कर रहा है।

अटल सुरंग देखने की दीवानगी और मनाली में बर्फबारी से कुल्लू में पर्यटकों की संख्या बढ़ी

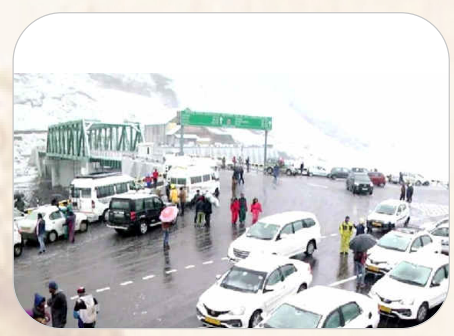

मनाली में बर्फबारी और अटल सुरंग देखने की दीवानगी और शिमला शहर में बिना बुकिंग के पर्यटक वाहनों के प्रवेश निषेध ने नए साल पर हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में पर्यटकों की संख्या बढ़ा दी है। मनाली होटलियर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मुकेश ठाकुर ने बताया कि अटल सुरंग (रोहतांग) में पर्यटक आ रहे हैं, इससे लाहौल स्पीति तथा कुल्लू जिलों में पर्यटकों की संख्या बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा मनाली में हिमपात भी पर्यटकों के बीच प्रमुख आकर्षण है। उन्होंने बताया कि पर्यटकों की संख्या में लगभग 90 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उन्होंने कहा कि सोलंग में गोंडोला, हामटा में इग्लू, मनाली और उसके आसपास शीलकालीन खेल गतिविधियां, अटल बिहारी वाजपेई इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड एलाइड स्पोटर्स मनाली द्वारा पेश किए जाने वाले स्कीइंग और स्नोबोर्डिंग भी पर्यटकों के बीच आकर्षण का प्रमुख केंद्र है।

नववर्ष जशन : कर्तव्य पथ पर भीड़ से निपटने के लिए अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात

कनॉट प्लेस में शनिवार रात आठ बजे से यातायात की आवाजाही पर पाबंदी हो गई और शराब पीकर गाड़ी चला रहे लोगों की जांच के लिए एल्कोमीटर का इस्तेमाल किया जाएगा।

नववर्ष का जशन मनाने के मद्देनजर यहां कर्तव्य पथ पर भारी संख्या में लोगों के उमड़ने का अनुमान जताते हुए स्थानीय प्राधिकारी भीड़भाड़ से निपटने के लिए अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात करेंगे और उन्होंने वाहनों के लिए कई पार्किंग स्थल भी बनाए हैं। नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए सभी बंदोबस्त किए गए हैं कि लोग नव वर्ष सुरक्षित तरीके से मना सकें और भीड़ से सुरक्षा की कोई समस्या पैदा न हो।

रूट डायवर्ट होगा

यातायात पुलिस ने एक परामर्श में कहा कि लोगों की भारी आवाजाही को देखते हुए वाहनों को सी-हेक्सागन और इंडिया गेट क्षेत्र में प्रवेश करने नहीं दिया जाएगा और उनका मार्ग परिवर्तित किया जाएगा। इसमें कहा गया है कि पर्यटकों को सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है क्योंकि इंडिया गेट पर पार्किंग क्षेत्र की कमी है।

पार्किंग सुविधा

एनडीएमसी ने कर्तव्य पथ और आसपास के इलाकों में पार्किंग के कई स्थल बनाए हैं, जिनमें 1,117 कार और 40 बस खड़ी की जा सकती है। पार्किंग के ये स्थल जनपथ और रफी मार्ग (500 कार के लिए जगह), सी-हेक्सागन और मान सिंह रोड (200 कार) और मान सिंह रोड तथा जनपथ (400 से अधिक कार) के बीच हैं।

स्वामी प्रकाशक व मुद्रक शिव कुमार तथा संपादक भावना शर्मा ने नाहरगढ़ प्रिंटिंग प्रेस आर जेड 32 कश्मीरी कॉलोनी खैरा विलेज नजफगढ़ नई दिल्ली 110043 से मुद्रित कर कार्यालय सी 1677 टोडरमल कॉलोनी मेन थाना रोड नई दिल्ली 110043 से प्रकाशित
RNI NO. DELHIN/2009/28409, संपर्क- 9871096636, 9205336006, Email:Nazafgarhmetronews@gmail.com / समाचार पत्र सामग्री या विज्ञापन से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे